हिन्दी दैनिक

# तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 02, अंकः-143, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.

लखनऊ, बुधवार 06 नवम्बर 2024

चीनी मिल के पूजनोंपरान्त सत्र 2024-25 हेतु आज से शुरू...02

किसानों के लिए डी ए पी की किल्लत,दूसरी तरफ...06

दिन के निचले स्तर से 1,180 अंक संभला बाजार

परमिशन मिलने पर फ्लाइट में इस्तेमाल कर सकेंगे W Fi

रुपया 84.11 के निचले स्तर पर, इंपोर्ट महंगा होगा

## संक्षिप्त समाचार

### हिन्दुओं को जातियों में बांटने की अखिलेश की कोशिश होगी नाकाम

**देवरिया, एजेंसी।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश प्रवक्ता एसएन सिंह ने मंगलवार को कहा कि वोट बैंक की राजनीति करने वाले समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव की हिन्दू समुदाय को जाति में बांटने की कोशिश सफल नहीं हो पायेगी। श्री सिंह ने कहा कि 'एक रहेंगे तो नेक रहेंगे' के नारे ने अखिलेश यादव की नींद उड़ा दी है। उनकी बैचैनी का आलम यह हैं कि अब तो उनके 'नवरत्न' भी उनको सुझाव नहीं दे पा रहे हैं। उन्होंने कहा सब लोग जानते थे कि अखिलेश की पार्टी का नाम समाजवादी और काम समाजबाटी का है। जब जनता के बीच भेद खुल गया तो अब वे अब हिन्दुओं को जाति में बांटने का काम करने लगे। वे जनता को भ्रमित करने के लिए रोज नये नारे गढ रहे हैं, लेकिन उनकी यह कोशिश निरर्थक साबित हो रही है।

### मध्यप्रदेश में शासकीय नियुक्तियों में महिलाओं को 35 फीसदी आरक्षण

**भोपाल, एजेंसी।** मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अध्यक्षता में आज हुई मंत्रिपरिषद् की बैठक में महिलाओं को मध्यप्रदेश लोकसेवा आयोग की ओर से मिलने वाली शासकीय नियुक्तियों में 35 फीसदी आरक्षण को स्वीकृति दी गई। बैठक के बाद उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने इस संबंध में संवाददाताओं को बताया कि मध्यप्रदेश सिविल सेवा में महिलाओं की नियुक्ति के लिए आरक्षण को 33 फीसदी से बढ़ाकर 35 फीसदी कर दिया गया है। ये अहम निर्णय सभी विभागों में नियुक्ति के लिए होगा। किसानों की सुविधा के लिए कैबिनेट द्वारा प्रदेश में आज 254 नगद नए उर्वरक केंद्र खोलने की स्वीकृति दी गई है। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि सारणी के सतपुड़ा ताप विद्युत गृह की 4 पुरानी इकाइयों के स्थान पर 660 मेगावॉट का नया पावर प्लांट लगाने की अनुमति दी गई है।

झारखंड की रैली में झामुमो पर बरसे योगी आदित्यनाथ

# एक रहिए, नेक रहिए, ये समय बंटने का नहीं

**रांची, एजेंसी।**

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को झारखंड में भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार किया। इस दौरान एक रैली में योगी आदित्यनाथ ने लोगों से एकजुट रहने की अपील की और कहा कि एक रहिए, नेक रहिए। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ये समय बंटने का नहीं है। अपने संबोधन के दौरान योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस नेता आलमगीर आलम की तुलना औरंगजेब से कर डाली और कहा कि जिस तरह से मुगल बादशाह औरंगजेब ने देश को लूटा था, उसी तरह से आलमगीर आलम ने राय को लूटा। आलमगीर आलम पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे थे और उन्हें मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। हजारीबाग में एक रैली के दौरान योगी आदित्यनाथ ने लोगों से एकजुट रहने की अपील करते हुए कहा कि बीजेपी लाओ और एक रहो और नेक रहो।

देश का इतिहास इसका गवाह है, जब भी हमें जाति, क्षेत्र या भाषा के नाम पर बांटा गया है, हमें बेरहमी से काटा भी गया है। हम यह दोहराते हैं, जाति के नाम पर मत बांटो। जो लोग हमें बांट रहे हैं, वे देश के साथ गद्दारी कर रहे हैं। उनके लिए देश उनके एजेंडे का हिस्सा नहीं है, वे वो सब कुछ करेंगे जो भारत के खिलाफ है...यह बंटने का समय नहीं है। यह पीएम मोदी की मानसिकता के अनुसार काम करने का समय है। वहीं झारखंड के कोडरमा में आयोजित एक अन्य रैली में योगी आदित्यनाथ ने लोगों से भाजपा को वोट देने की अपील करते हुए कहा कि भाजपा, देश की सुरक्षा, रोजगार, स्वाभिमान, महिला सशक्तिकरण की गारंटी है। भाजपा विकास और विरासत के बीच समन्वय की गारंटी है। आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में अयोध्या में दीपोत्सव हो रहा है। 500 वर्षों के बाद ऐसा हो रहा है। राजनाथ सिंह ने लोगों से मौजूदा सरकार को हटाने की अपील करते हुए उन्होंने कहा, बीजेपी को दो बार सत्ता में आने दीजिए, झारखंड विकसित रायों की कतार में आ जाएगा। उन्होंने कहा, हम झारखंड में न केवल सरकार बदलेंगे, बल्कि व्यवस्था भी बदलेंगे। 81 सदस्यीय झारखंड विधानसभा के लिए 13 और 20 नवंबर को मतदान होगा। मतों की गिनती 23 नवंबर को होगी।

### माफिया का इलाज भाजपा ही कर सकती है

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ये चुनाव उन लोगों को जवाब देने का मौका है, जिन्होंने राय के लोगों को धोखा दिया। देश के लोगों ने कांग्रेस के शासन का मौका दिया था, लेकिन उन्होंने कोई योजना ईमानदारी से नहीं चलाई। प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू कश्मीर से अनुछेद 370 हटाया। कानून व्यवस्था के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि माफिया का इलाज भाजपा ही कर सकती है। उत्तर प्रदेश में पहले माफिया गुंडों का डर था, लेकिन जब से राय में बुलडोजर घूमना शुरू हुआ है, तब से हर अपराधी संत बन गया है या फिर उसका सफाया कर दिया गया।

### राजनाथ सिंह ने झामुमो गठबंधन को बताया फुस्स पटाखा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी मंगलवार को झारखंड में रैली की। रैली के दौरान अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन को दिवाली का फुस्स पटाखा करार दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा एक शक्तिशाली रॉकेट है जो झारखंड को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। रांची के हटिया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रस्तावक मंडल मुर्मू के झामुमो के डूबते जहाज को छोड़कर भाजपा में शामिल होने के बाद यह पूरी तरह से स्पष्ट हो गया है कि राय में सरकार कौन बनाएगा। दिवाली का त्योहार अभी-अभी समाप्त हुआ है। झामुमो, कांग्रेस और राजद अब फुस्स दिवाली पटाखे हैं। भाजपा एक शक्तिशाली रॉकेट है जो अकेले ही झारखंड को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी।

# शरद पवार का चुनावी राजनीति से संन्यास का संकेत

**मुंबई, एजेंसी।**

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की वोटिंग से पहले एनसीपी के संस्थापक शरद पवार ने चुनावी राजनीति से संन्यास के संकेत दिए हैं। पवार ने कहा है कि अब वे चुनाव नहीं लड़ेंगे, हालांकि पार्टी संगठन का काम देखते रहेंगे। यानी एनसीपी (एसपी) चीफ के पद पर काम करते रहेंगे। 84 साल के शरद पवार ने बारामती में मंगलवार को कहा, कहीं तो रुकना ही पड़ेगा। मुझे अब चुनाव नहीं लड़ना है। अब नए लोगों को आगे आना चाहिए। मैंने अभी तक 14 बार चुनाव लड़ा है। अब मुझे सत्ता नहीं चाहिए। मैं समाज के लिए काम करना चाहता हूं। विचार करूंगा कि रायसभा जाना है या नहीं। 1960 में शरद पवार ने राजनीतिक करियर की शुरुआत की 1960 में शरद पवार ने कांग्रेस से अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की। 1960 में कांग्रेसी नेता केशवराव जेधे का निधन हुआ और बारामती लोकसभा सीट खाली हो गई। उपचुनाव में पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी ऑफ इंडिया यानी ने शरद के बड़े भाई बसंतराव पवार को टिकट दिया, जबकि कांग्रेस ने गुलाबराव जेधे को उम्मीदवार बनाया। उस वक्त वाईबी चव्हाण महाराष्ट्र के ष्टरू थे। उन्होंने बारामती सीट को अपनी साख का मुद्दा बना लिया था। शरद अपनी किताब अपनी शर्तों पर' में लिखते हैं कि मेरा भाई कांग्रेस के खिलाफ उम्मीदवार था।

**बोले- कहीं तो रुकना पड़ेगा, अब चुनाव नहीं लड़ूंगा, नए लोगों को चुनकर आना चाहिए**

# न्यायपालिका की आजादी का मतलब सरकार के खिलाफ फैसले देना नहीं, सीजेआई बोले- समाज बदल गया है

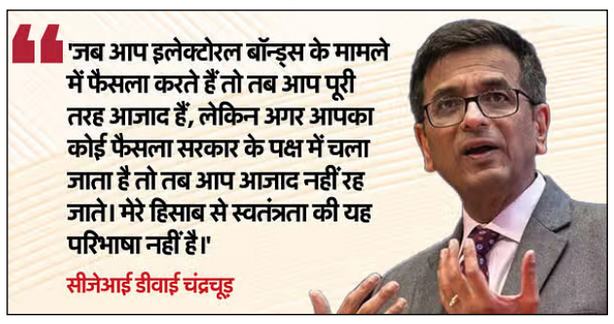


**नई दिल्ली, एजेंसी।**

देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता का मतलब ये नहीं है कि हमेशा सरकार के खिलाफ ही फैसले दिए जाएं। मुख्य न्यायाधीश ने लोगों से जजों के फैसलों में विश्वास रखने की अपील की, साथ ही इस बात पर जोर दिया कि न्यायिक व्यवस्था का निष्पक्ष रहना बेहद जरूरी है। दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि जब उन्होंने इलेक्टोरल बॉन्ड्स के मामले में केंद्र सरकार के खिलाफ फैसला दिया था तो उन्हें निष्पक्ष बताया गया था। सीजेआई ने कहा कि जब आप इलेक्टोरल बॉन्ड्स के मामले में फैसला करते हैं तो तब आप पूरी तरह आजाद हैं, लेकिन अगर आपका कोई फैसला सरकार के पक्ष में चला जाता है तो तब आप आजाद नहीं रह जाते। मेरे हिसाब से स्वतंत्रता की यह परिभाषा नहीं है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने 15 फरवरी 2024 को इलेक्टोरल बॉन्ड्स योजना को असंवैधानिक बताते हुए इसे बंद करने का आदेश दिया था। इस योजना के तहत राजनीतिक पार्टियों को फंडिंग मिलने का प्रावधान था। हालांकि सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की संवैधानिक पीठ ने इस योजना को खारिज कर दिया था। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता का मतलब सरकार के प्रभाव से आजादी है, लेकिन सिर्फ ये ही एक चीज नहीं है, जिससे न्यायापालिका आजाद मानी जाएगी। हमारा समाज बदल गया है। खासकर सोशल मीडिया का इस पर गहरा प्रभाव पड़ा है और अब ऐसे समूह बन गए हैं, जो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का इस्तेमाल कर अदालतों पर दबाव बनाते हैं और अपने पक्ष में फैसले कराने की कोशिश करते हैं।

### संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से 20 दिसंबर तक

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** सरकार ने संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से 20 दिसंबर तक आयोजित कराने की मंगलवार को घोषणा की। इस दौरान 26 नवंबर को संविधान दिवस पर संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में संविधान दिवस समारोह का आयोजन किया जायेगा। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में यह जानकारी देते हुये कहा, भारत सरकार की सिफारिश पर माननीय राष्ट्रपति ने संसद के दोनों सदनों को शीतकालीन सत्र के लिये 25 नवंबर से 20 दिसंबर 2024 तक आहूत करने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। संसद की कार्यसूची की आवश्यकता के अनुसार, शीतकालीन सत्र की अवधि में संशोधन भी किया जा सकता है। श्री रिजिजू ने बताया कि 26 नवंबर को संविधान दिवस पर संविधान को अंगीकार किये जाने की 75वीं वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में एक समारोह संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में आयोजित किया जायेगा।

# 17 लाख मदरसा स्टूडेंट सरकारी स्कूल नहीं भेजे जाएंगे

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी मदरसा एक्ट बरकरार रखा, लेकिन पीजी-रिसर्च सिलेबस तय करने पर रोक

**नयी दिल्ली, एजेंसी।**

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट की वैधता बरकरार रखी है। यानी उत्तर प्रदेश में मदरसे चलते रहेंगे और 16000 मदरसों में पढ़ने वाले 17 लाख स्टूडेंट सरकारी स्कूल नहीं भेजे जाएंगे। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश सुनाते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट का वह फैसला खारिज कर दिया, जिसमें मदरसा एक्ट को असंवैधानिक बताया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- यूपी मदरसा एक्ट के सभी प्रावधान मूल अधिकार या संविधान के बेसिक स्ट्रक्चर का उल्लंघन नहीं करते हैं। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने मदरसा एक्ट के उस प्रावधान पर रोक लगा दी, जिसमें मरदसों को पीजी और रिसर्च का सिलेबस तय करने का अधिकार था। यानी अब मदरसा बोर्ड हायर एजुकेशन का सिलेबस और किताबें तय नहीं कर पाएंगे। 5 अप्रैल 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने मदरसा एक्ट को असंवैधानिक करार देने वाले फैसले पर रोक लगा दी थी। केंद्र और यूपी सरकार से इस पर जवाब भी मांगा था। इस मामले में 22 अक्टूबर 2024 को चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच में सुनवाई हुई थी। चीफ जस्टिस ने कहा था- धर्मनिरपेक्षता का मतलब है- जियो और जीने दो। 2004 में मुलायम सरकार ने मदरसा एक्ट 2004 लागू किया। इसके खिलाफ पहली बार 2012 में याचिका दायर हुई। ये याचिका दारुल उलूम वासिया मदरसा के मैनेजर सिराजुल हक ने इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में दाखिल की थी। फिर 2014 में माइनॉरिटी वेलफेयर लखनऊ के सेक्रेटरी अब्दुल अजीज, 2019 में लखनऊ के मोहम्मद जावेद ने याचिका दायर की थी। इसके बाद 2020 में रैजुल मुस्तफा ने दो याचिकाएं दाखिल की थीं। 2023 में अंशुमान सिंह राठौर ने याचिका दायर की। सभी मामलों का नेचर एक था। सभी ने एक्ट को रद्द करने की मांग की थी। कहा था- धार्मिक शिक्षा से समाज में भेदभाव पैदा हो रहा।

# विपक्षी सांसदों ने की लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात

कल्याण बनर्जी बोले- जेपीसी की शिकायतों पर हुई चर्चा

**नई दिल्ली, एजेंसी।**

वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार कर रही संसद की संयुक्त समिति में शामिल विपक्षी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की। इस दौरान सांसदों ने संसदीय संयुक्त समिति की शिकायतों के बारे में लोकसभा अध्यक्ष को बताया। बैठक के बाद तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि जब हम बैठक में आते हैं तो बीजेपी नेता नहीं आते हैं। अगर हम वहां नहीं रहेंगे तो कोरम पूरा नहीं होगा। हम गंभीर और ईमानदार हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष से कई मुद्दों पर गंभीर चर्चा हुई। उन्होंने बहुत धैर्यपूर्वक हमारी बात सुनी। उन्होंने हमसे कहा कि है कि वे शिकायतों पर गौर करेंगे। इससे पहले सोमवार को विपक्षी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखा था। इसमें द्रमुक सांसद ए. राजा, कांग्रेस के मोहम्मद जावेद और इमरान मसूद, एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी, आम आदमी पार्टी के संजय सिंह और तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी समेत विपक्षी सदस्यों के हस्ताक्षर थे। सांसदों ने भाजपा के अनुभवी सांसद जगदंबिका पाल पर आरोप लगाया था कि समिति के अध्यक्ष ने बैठकों की तारीखें तय करने और समिति के समक्ष किसे बुलाया जाए, यह तय करने में एकतरफा निर्णय लिया है। उनका कहना है कि वे कभी-कभी समिति की तीन दिनों की लगातार बैठक बुला लेते हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा,

# एशिया को मजबूत बनाने के लिए बौद्ध धर्म की भूमिका पर चर्चा हो

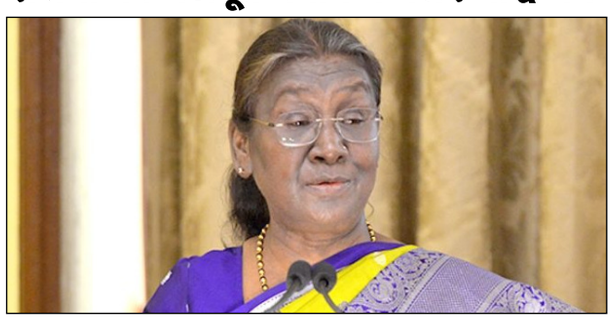

**नयी दिल्ली, एजेंसी।**

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को कहा कि विभिन्न संकटों से गुजर रहे विश्व को की सहायता के लिए बौद्ध समुदाय के पास बहुत ज्ञान और शिक्षाएं हैं तथा एशिया को मजबूत बनाने के लिए भी बौद्ध धर्म की भूमिका के बारे में चर्चा करने की आवश्यकता है। श्रीमती मुर्मु ने कहा, वास्तव में, हमें इस बारे में विस्तार से चर्चा करनी होगी कि बुद्ध धर्म एशिया और दुनिया में शांति, वास्तविक शांति कैसे ला सकता है - ऐसी शांति, जो न केवल शारीरिक हिंसा से बल्कि सभी प्रकार के लालच और घृणा से भी मुक्त हो - बुद्ध के अनुसार, ये दो मानसिक शक्तियां हमारे समस्त दुखों का मूल कारण हैं। वह यहां प्रथम एशियाई बौद्ध शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रही थीं। इस सम्मेलन का आयोजन अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) के सहयोग से केंद्र सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा किया गया। राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा, यह शिखर सम्मेलन बुद्ध की शिक्षाओं की हमारी साझा विरासत के आधार पर हमारे सहयोग को मजबूत बनाने की दिशा में दूरगामी प्रभाव उत्पन्न करेगा। राष्ट्रपति ने कहा कि आज जब दुनिया कई मोर्चों पर अस्तित्व के संकट का सामना कर रही है, उसके सामने केवल संघर्ष ही नहीं, बल्कि जलवायु संकट भी है, तो ऐसे में इस विशाल बौद्ध समुदाय के पास मानवता को देने के लिए बहुत कुछ है। उन्होंने कहा कि बौद्ध धर्म के विभिन्न संप्रदाय दुनिया को दर्शाते हैं कि संकीर्ण संप्रदायवाद का मुकाबला कैसे किया जाए। उनका मुख्य संदेश शांति और अहिंसा पर केंद्रित है। यदि कोई एक शब्द बुद्ध धम्म को व्यक्त कर सकता है, तो वह है करुणा या दया, जिसकी आज दुनिया को जरूरत है। श्रीमती मुर्मु ने कहा, बुद्ध की शिक्षाओं का संरक्षण हम सभी के लिए एक महान सामूहिक प्रयास रहा है। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि भारत सरकार ने अन्य भाषाओं के साथ-साथ पाली और प्राकृत को भी 'शास्त्रीय भाषा' का दर्जा दिया है।

# इस बार फिर झारखंड में इंडिया गठबंधन की सरकार लाना है: मल्लिकार्जुन खड़गे

**रांची, एजेंसी।**

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान को चुनौती दी, जिसमें प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा था कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष आखिर सच बोल गए कि अनाप-शनाप योजनाओं के कारण कांग्रेस का ये हाल हुआ है। श्री खड़गे ने आज झारखंड के मांडू में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मैं प्रधानमंत्री श्री मोदी को चुनौती देता हूं कि जो बातें मैंने बेंगलुरु में कही और जो वादे किए, उनमें से कितने पूरे हुए, इसका हिसाब भी दे सकता हूं। श्री खड़गे ने कहा कि भाजपा और एनडीए कांग्रेस की कॉपी करती है। उनकी एक भी योजना अपनी नहीं है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में हमलोगों ने भाग्यलक्ष्मी योजना लेकर आए, उसी की नकल गोगो दीदी और लाडली बहना योजना है। उन्होंने प्रधानमंत्री पर तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के वादों का कद भी उनके ही जैसा है।जब नापो तब कम निकलता है।सोनिया गांधी ने गरीबों का पेट भरने की गारंटी दी थी, जिससे गरीबों का पेट भर रहा है। हेमंत सोरेन की योजनाएं आदिवासियों के हित के लिए हैं, लेकिन उन पर इनका ध्यान नहीं जाता।उन्होंने लोगों से अपील की और कहा कि इस बार फिर झारखंड में इंडिया गठबंधन की सरकार लाना है।

# राष्ट्रपति पद के लिए वोटिंग शुरू, कमला के लिए भारत में पूजा

मस्क बोले- ट्रम्प हारे तो ये देश का आखिरी चुनाव होगा

**वॉशिंगटन, एजेंसी।**

अमेरिका में 47वें राष्ट्रपति चुनाव के लिए वोटिंग शुरू हो गई है। राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी के डोनाल्ड ट्रम्प और डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से भारतवंशी कमला हैरिस मैदान में हैं। कमला हैरिस फिलहाल अमेरिका की उप-राष्ट्रपति हैं, वहीं ट्रम्प 2017 से 2021 तक राष्ट्रपति रह चुके हैं। भारतवंशी कमला हैरिस की जीत के लिए दक्षिण भारत में लोग पूजा कर रहे हैं। वहीं, चुनाव में ट्रम्प का समर्थन कर रहे इलॉन मस्क ने कहा कि अगर चुनाव में ट्रम्प हारते हैं तो ये अमेरिका का आखिरी चुनाव होगा। मस्क ने कहा कि अगर हम ट्रम्प को नहीं चुनेंगे तो देश में लोकतांत्रिक सिस्टम खत्म हो जाएगा और सिर्फ एक ही डेमोक्रेटिक पार्टी बचेगी। वहीं, ट्रम्प ने चुनाव से पहले मिशिगन में अपनी आखिरी रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा, मेरा मुकाबला कमला हैरिस से नहीं बल्कि डेमोक्रेटिक पार्टी के राक्षसी सिस्टम से है। ट्रम्प ने अपने वोटरों से को घरों से निकलने और वोट करने को कहा। सीएनएन के मुताबिक इस चुनाव में करीब 8.2 करोड़ यानी 40 प्रतिशत वोटर्स पहले ही पोस्टल वोटिंग के जरिए वोट कर चुके हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में वोटों की गिनती शुरू हो गई है।

### सलमान को जान से मारने की एक और धमकी

**मुंबई, एजेंसी।** बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को मंगलवार को जान से मारने की एक और धमकी मिली है जिसमें उन्हें माफी मांगने या जिंदा रहने के लिए पांच करोड़ रुपये देने को कहा गया है। मुंबई ट्रैफिक पुलिस के हेल्पलाइन नंबर पर एक महीने में यह चौथा धमकी भरा संदेश है। मुंबई पुलिस ने कहा कि उन्हें मंगलवार को सुबह करीब 12.30 बजे मुंबई ट्रैफिक कंट्रोल रूम के हेल्पलाइन नंबर पर एक संदेश मिला, जिसके बाद वर्ली पुलिस अधिकारियों को सूचित किया गया। उन्होंने कहा, संदेश भेजने वाले ने खुद को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का भाई बताया। उसने अभिनेता को जिंदा रहने के लिए दो विकल्प दिये- या तो मंदिर में माफी मांगें अथवा पांच करोड़ रुपये दें अन्यथा उनके गिरोह के सदस्य उन्हें मार देंगे।

# हिन्दू मंदिर पर हमला, सबूत है कि कनाडा में भारत विरोधी उग्रवादी ताकतों को राजनीतिक स्थान मिला है: जयशंकर

**कैनबरा, एजेंसी।**

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आज कहा कि कनाडा के ओंटारियो में एक हिंदू मंदिर में खालिस्तानी उग्रवादियों द्वारा की गई हिंसा की घटनाएं बेहद चिंताजनक हैं और घटना के वीडियो फुटेज इस बात का पुख्ता प्रमाण हैं कि कनाडा सरकार द्वारा उग्रवादी तत्वों को राजनीतिक तवज्जो दी जा रही है। डॉ. जयशंकर ने यहां ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग के साथ एक संवाददाता सम्मेलन में यह बात कही। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में पिछले साल खालिस्तानी उग्रवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय संलिप्तता के कनाडा सरकार के आरोपों पर एक सवाल का जवाब देते हुए, विदेश मंत्री ने कहा कि कनाडा ने विवरण दिए बिना आरोप लगाने की एक शैली विकसित की है। उन्होंने यह भी कहा कि एक सच्चाई यह भी है कि कनाडा भारतीय राजनयिकों को निगरानी में रख रहा है जो हमें एकदम अस्वीकार्य है। ब्रैम्पटन घटना पर उनकी प्रतिक्रिया पूछे जाने पर विदेश मंत्री ने कहा कि विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक बयान जारी किया है और प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भी अपनी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा, कल हिंदू मंदिर में जो हुआ वह बेहद चिंताजनक है। आपने कल भारत के विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता का बयान और हमारे प्रधानमंत्री श्री मोदी की चिंता की अभिव्यक्ति देखी होगी। इससे आपको पता चल जाएगा कि हम इसके बारे में कितनी गहराई से महसूस करते हैं।

# चीनी मिल के पूजनोंपरान्त सत्र 2024-25 हेतु आज से शुरू हुआ पेराई कार्य

⇨ किसानों के चेहरों पर लौटी रौनक ⇨ पेराई सत्रारम्भ पर डीएम ने किया निरीक्षण दिए आवश्यक दिशा-निर्देश




**तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय**

सीतापुर। जिले की आदर्श नगर पंचायत हरगांव के अन्तर्गत कस्बा हरगांव में स्थित लब्ध प्रतिष्ठा चीनी मिल अवध शुगर एण्ड एनर्जी लि.,हरगांव के पूजनोपरान्त पांच नवम्बर 2०24 को प्रात: आठ बजे से पेराई कार्य शुरू हो गया। पुरानी परंपरा के अनुसार चीनी मिल हरगांव के अधिशाषी अध्यक्ष ए.के. दीक्षित ने अपने अधिकारियों, कर्मचारियों व क्षेत्र के प्रतिष्ठित लोगों के बीच बैलगाड़ी कांटे पर पूजन के लिए कोड नंबर 1198 9०42 नैमिष कुमार वर्मा पुत्र स्व०राम नारायण वर्मा एवं 1198 91 55 किसान हरगोविंद सिंह पुत्र स्व०चंद्रभाल ग्राम भीखपुर की आयीं बैल गाड़ियों का गन्ना समिति हरगांव के सचिव आनंद प्रकाश दुबे के साथ पूजन कर बैलों को गुड खिलाकर माला पहनाई तथा गाड़ी वानों को अंग वस्त्र नकदी मिठाई व नारियल देकर सम्मानित किया। तदोपरांत ट्रॉली कांटे पर कोड़ नंबर 1122 9813 अवध शुगर मिल्स की आई ट्राली का पूजन किया गया। इस पूजन कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों के साथ-साथ पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रेम सुंदर अवस्थी मौजूद रहे। इस दौरान चीनी मिल हर गांव के अधिशाषी उपाध्यक्ष गन्ना शरद सिंह ने समस्त कृषकों का स्वागत करते हुए कहा कि मिल चलने से मिल पर क्षेत्र के कृषक काफी उत्साहित हैं उन्होंने गन्ना किसानों से मिल में गन्ना पर्ची पर साफ सुथरा अगौला रहित गन्ना लाने की अपील की साथ ही शरद कालीन गन्ना बुवाई के बारे में जानकारी दी और कहा कि किसी भी समस्या के लिए निर्धारित नंबरों पर संपर्क कर समस्या का समाधान करायें। इस मौके पर अधिशासी उपाध्यक्ष शूरवीर सिंह आनंद गुप्ता प्रमोद कुमार राकेश त्यागी अनिल शर्मा मनोज निर्वाल संजीव राणा अजय भानु अभिषेक सिंह सुशील पवार नितेश अग्रवाल सहित भारी संख्या में किसान बंधु उपस्थित रहे। पूजन बिड़ला मन्दिर के प्रधान पुजारी पण्डित जगदीश चंद्र जोशी एवं पण्डित शत्रुंजय बाजपेई के द्वारा विधि विधान से वैदिक मंत्रोच्चार से कराया गया। पेराई सत्रारम्भ के बाद दोपहर जिले के मुखिया अभिषेक आनन्द चीनी मिल पहुंचे और उन्होंने नवीन पेराई सत्र के लिए मिल द्वारा की गई समस्त तैयारियों का बारीकी से निरीक्षण किया।उन्होंने चीनी मिल में गन्ना लेकर आए कृषकों से वार्ता कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। लगभग दो घंटे तक चले गहन निरीक्षण में ट्राली कांटे पर गन्ना ट्रॉली लेकर आए सुंसी ग्राम के किसान रिद्धि कुमार के मोबाइल पर प्राप्त मैसेज को देखा तथा स्वचालित मानव रहित तौल कांटे पर गन्ना तौलायी से लेकर गन्ना डोंगें में डालने की सम्पूर्ण प्रक्रिया अपने समक्ष करवायी मिल हाउस, बॉयलिंग हाउस,सेन्ट्री फ्युगल हाउस,ड्रायर हाउस पहुंचकर गन्ने से चीनी बनने की सम्पूर्ण प्रक्रिया की जानकारी ली। इस बीच चीनी मिल के अधिशाषी अध्यक्ष ए.के. दीक्षित से बॉयलर क्षमता तथा विद्युत उत्पादन क्षमता के बारे में जानकारी लेकर पानी कंजम्पशन के बारे में पूंछते हुए मिल में स्थापित हुए नये डी.सी.एस.तथा आधुनिक यंत्रों के संचालित होने के बारे में पूछतांछ की। मिल क्षमता वृद्धि के लिए हो रहे निर्माण कार्यों को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। रिफाइनरी चीनी व मिल में बन रही चीनी मिल में अंतर व प्रासेस में प्रयुक्त होने वाली सल्फर व चूने मात्रा की जानकारी ली। जिलाधिकारी के मिल प्रांगण पहुंचने पर मिल के अधिशाषी अध्यक्ष अरविन्द कुमार दीक्षित द्वारा उनका स्वागत किया गया। उन्होंने सी.सी.टी.वी. नियंत्रण कक्ष से सम्पूर्ण शुगर मिल का निरीक्षण किया व पूरे प्रोसेस,सुरक्षा के मानकों, विद्युत उत्पादन क्षमता आदि की जानकारी लेकर सुरक्षा मानकों का शत प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।गन्ना कृषकों के हितों को ध्यान में रखते सम्पूर्ण प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान प्रशिक्षु आई.ए.एस. नितिन सिंह, जिला गन्ना अधिकारी रत्नेश्वर त्रिपाठी,जिला आबकारी अधिकारी कृष्ण पाल यादव,तहसीलदार सदर विनोद सिंह, थाना हरगांव के प्रभारी निरीक्षक अरविन्द पाण्डेय, अधिशाषी उपाध्यक्ष शूरवीर सिंह, अधिशाषी उपाध्यक्ष(गन्ना) शरद सिंह आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

## सीएचसी पर आयोजित हुआ मानसिक स्वास्थ्य शिविर

**तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता हरदोई**

शाहाबाद/हरदोई। मंगलवार को स्थानीय सीएचसी पर मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन हुआ। इस शिविर में चिकित्सकों ने लोगों को मानसिक बीमारियों, उनके लक्षण और रोकथाम के उपायों के बारे में जानकारी दी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहाबाद पर मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में सीएचसी अधीक्षक डॉ.प्रवीण कुमार दीक्षित ने मानसिक स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी देते हुए लोगों को इनके लक्षणों के बारे में बताया। इसके साथ ही मानसिक अस्वस्थता की स्थिति में जाने से रोकने के लिए जरूरी सभी उपायों की भी जानकारी दी गयी। शिविर में डॉ. प्रवीण कुमार दीक्षित, डॉ. जीशान, विकास गुप्ता, अंशु सूरी, संजय कुमार वर्मा, सुरेंद्र प्रताप सिंह व वरुण कुमार सहित सभी एएनएम व सीएचओ मौजूद रहे।

## परख राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण को लेकर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई बैठक

**तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता शाहजहांपुर**

शाहजहांपुर। परख राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण-2024 को लेकर जिलाधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में बैठक कलेक्ट्रेट स्थित वीसी कक्ष में आहूत की गई। बैठक में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दिव्या गुप्ता ने अवगत कराया कि राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण- 2024 दिनांक 4 दिसंबर 2024 को जनपद के 137 स्कूलों में संपन्न कराया जाना है जिसमें समस्त बोर्ड से संबंधित राजकीय विद्यालय, केंद्रीय विद्यालय एवं मदरसा भी सम्मिलित होंगे। जिला विद्यालय निरीक्षक / प्राचार्य डायट के द्वारा बताया गया कि सर्वेक्षण के लिए फील्ड इन्वेस्टिगेटर के रूप में डायट प्रशिक्षुओं की सूची तैयार कर ली गई है। सर्वेक्षण के लिए चयनित विद्यालयों की सूची 20 नवंबर के बाद एनसीईआरटी के माध्यम से प्राप्त होगी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि सूची प्राप्त होने के बाद जिन विद्यालयों में यह परीक्षण होना है उन विद्यालयों से संबंधित ब्लाक के खंड शिक्षा अधिकारी प्रत्येक विद्यालय में पहुंच कर स्वयं प्रशासनिक एवं शैक्षिक व्यवस्थाओं को देखें तथा बच्चों से ओएमआर शीट भरवाने के लिए अभ्यास कराएं। सीबीएसई बोर्ड के प्रतिनिधि को प्रश्न पत्र, की सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने के निर्देश भी जिलाधिकारी ने दिए। जिलाधिकारी ने सभी तैयारियां समय पूर्ण करने के निर्देश दिये। बैठक में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक/प्राचार्य डायट, जिला अल्पसंख्यक अधिकारी, सीबीएसई , आईसीएसई बोर्ड से संबंधित प्रतिनिधि तथा समस्त एसआरजी एवं जिला समन्वयक (प्रशिक्षण) उपस्थित रहे।

# प्रभारी निरीक्षक व अंडर ट्रेनिंग सीओ प्रवीण कुमार यादव ने पत्रकारों से मुलाकात



**तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता हरदोई**

पिहानी हरदोई। नवागंतुक पिहानी प्रभारी निरीक्षक व सीओ प्रवीण कुमार यादव ने पत्रकारों से रूबरू होते हुए कहा कि पुलिस कर्मी अपराध, आपराधिक व्यक्तियों, व्यवहार और सच्चाई पर काम करें। आम जनमानस को पुलिस कर्मियों से परेशानी न हो और अपराधियों के साथ कोई रियायत न बरती जाए। फरियादियों की सुनवाई की जाए और किसी भी कीमत पर कोई निर्दोष जेल न जाए। कहा कि कोई भी पीड़ित थाने पर जाए तो उसके साथ पुलिस कर्मी मधुर व्यवहार करें। समाज को अपना परिवार मानते हुए काम करें, लेकिन अपराध और अपराधियों पर पूरी नजर रखें। किसी भी कीमत कोई अपराधी बक्सा न जाए। क्राइम और क्रिमिनल पर जीरो टोलरेंस की नीति पर काम करें। उन्होंने बताया कि पुलिस कर्मियों के कल्याण हेतु रूप प्रयत्न किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस कर्मियों की वर्दी, मुस्तैदी, आचरण और दक्षता पर पैनी नजर रखी जाएगी। वह काम पर भरोसा करते हैं और सभी पुलिस कर्मी पूरी ईमानदारी से कार्यभार करें।अतिरिक्त प्रभारी निरीक्षक संजय त्यागी ने पत्रकारों से कहा कि अपराध पर शिकंजा कसने में पुलिस तत्परता के साथ कार्रवाई करेगी। थानों में आने वाले पीड़ितों व फरियादियों की प्राथमिकता के आधार पर मदद की जाएगी। भविष्य में कानून-व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाए जाने व अन्य कार्यों पर विशेष फोकस किया जाएगा। टॉप-10 अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई में तेजी लाई जाएगी। पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए एसपी ने कहा कि अमन-चैन कायम रखने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।

# राहुल गांधी ने 41० करोड़ की परियोजनाओं की जांच के दिए आदेश

**तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता रायबरेली**

रायबरेली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति की बैठक में केंद्रीय योजनाओं की समीक्षा की और 182 परियोजनाओं की जांच का आदेश दिया। नेता प्रतिपक्ष और सांसद राहुल गांधी मंगलवार को केंद्रीय योजनाओं को लेकर गंभीर दिखे। उन्होंने बचत भवन में जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति (दिशा) की बैठक में डीएम को जल जीवन मिशन की पूरी हो चुकीं करीब 41० करोड़ की 182 परियोजनाओं की गुणवत्ता के जांच के आदेश दिए। कहा कि जांच कमेटी में विधायकों को भी शामिल किया जाए। राहुल ने उज्जवला योजना के लाभार्थियों को गैस रिफलिंग के संबंध में पूरी रिपोर्ट तलब की। साथ ही मनरेगा में श्रमिकों व कर्मियों को भुगतान के संबंध में भी पूरी सूची उपलब्ध कराने के आदेश दिए। ऊंचाहार क्षेत्र में पाइप लाइन बिछाने के नाम पर 72 सड़कों को खोदने के मामले में भी कमेटी बनाकर जांच के निर्देश दिए। बैठक में पूर्व मंत्री व विधायक डॉ. मनोज कुमार पांडेय ने कहा कि जल निगम ने पीडब्ल्यूडी की 29, विधायक निधि की 19, सांसद निधि की तीन व जिला पंचायत की 22 सड़कों को खोद दिया है। पाइप डालने के बाद उसी मिट्टी को डालकर पाट दिया, लेकिन सड़कों को अब तक सही नहीं कराया। इस पर सांसद राहुल गांधी ने डीएम को जांच कराकर कार्रवाई के निर्देश दिए। सरेनी विधायक ने बेहटाकला में पांच साल में भी पेयजल परियोजना का काम पूरा न होने पर नाराजगी जताई। इस पर राहुल गांधी ने पूर्ण हो चुकी 182 सड़कों की गुणवत्ता की जांच जन प्रतिनिधियों व अधिकारियों की कमेटी से कराने के आदेश दिए। अमेठी सांसद व उप सभापति केएल शर्मा मनरेगा में श्रम सामग्री के खराब अनुपात के साथ ही भुगतान में देरी करने का मामला उठाया। मनरेगा कर्मियों को भी समय से भुगतान न दिए जाने की शिकायत की। इस पर सांसद राहुल गांधी ने संबंधित अधिकारियों को भुगतान के संबंध में पूरी सूची उपलब्ध कराने के आदेश दिए। विधायक सदर अदिति सिंह ने भी इस सड़क को जिला पंचायत से बनवाने का भरोसा देने की बात कही लेकिन काम नहीं कराया गया। सभापति ने जल्द ही सड़क को बनवाने के निर्देश दिए। ऊंचाहार, सदर व सरेनी विधायकों ने जिला पंचायत की 149 सड़कों के गड्ढायुक्त होने की शिकायत की। कहा कि 15वें वित्त से मिलने वाले बजट से पहले सड़कों की मरम्मत फिर नई सड़कों के काम की व्यवस्था है। इस संबंध में जांच कराकर संबंधित सड़कों को गड्ढामुक्त कराने के निर्देश दिए गए। गोवंशों को गोशालाओं तक पहुंचाने के लिए मंत्री दिनेश सिंह ने बड़े वाहनों की व्यवस्था जिला पंचायत से कराने का भरोसा दिया। नगर पालिका के स्कूल की टीचरों को दो दिन में वेतन देने के आदेश भी दिए गए।

## वित्त मंत्री ने लोक आस्था के छठ महापर्व के दृष्टिगत जिलाधिकारी एवं नगर आयुक्त को दिए निर्देश

**तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता शाहजहांपुर**

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना ने लोक आस्था के छठ महापर्व के दृष्टिगत जिलाधिकारी शाहजहांपुर एवं नगर आयुक्त को जनपद के विभिन्न घाटों एवं पूजा स्थलों पर व्यापक साफ सफाई एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि शाहजहांपुर के विभिन्न घाटों पर आयोजित होने वाले छठ पूजा में आने वाले श्रद्धालुओं एवं उपासकों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। श्री सुरेश कुमार खन्ना ने निर्देश दिए है कि सभी घाटों पर साफ-सफाई के साथ-साथ प्रकाश का समुचित प्रबंध अनिवार्य रूप से कराया जाए। घाटों पर आने वाले श्रद्धालुओं हेतु शुद्ध पेयजल के प्रबंध हेतु भी उन्होंने निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी प्रकार की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए, जिससे छठ महापर्व के उपासकों को अपने व्रत, पूजा एवं अर्घ्य की प्रक्रिया और पवित्रता में कोई व्यवधान न उत्पन्न हो। श्री खन्ना ने निर्देश दिए है कि छठ पूजा घाटों व पूजा स्थलों एवं उनके आसपास और पहुंच मार्गों पर बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था को विशेष रूप से सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था एवं नगर निगम द्वारा चालित शौचालय की भी व्यवस्था घाटों एवं पूजा स्थलों पर की जाए।

## मिशन शक्ति फेस 5: कुरावली थाना में महिलाओं और युवतियों को किया जागरूक

**तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता मैनपुरी**

कुरावली मैनपुरी। थाना में उप निरीक्षक साक्षी तोमर ने मिशन शक्ति फेस 5 के अंतर्गत महिलाओं और युवतियों को जागरूक किया। उन्होंने महिला हेल्पलाइन के बारे में बताया और गुड टच बेड टच के बारे में जानकारी दी। उप निरीक्षक साक्षी तोमर ने कहा कि महिलाएं और युवतियां अपने अधिकारों के बारे में जागरूक हों और अपनी सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएं। उन्होंने महिला हेल्पलाइन नंबर 181 साइबर क्राइम नंबर 1930 पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112 और अन्य आपातकालीन नंबरों के बारे में बताया।कांस्टेबल शोभा ठाकुर ने युवतियों को गुड टच बेड टच के बारे में बताते हुए, उन्होंने कहा कि बच्चों को यह समझना चाहिए कि कौन सा स्पर्श अच्छा है और कौन सा बुरा। अगर कोई पुरुष या कोई लड़का ऐसी हरकत करता है तो उन्होंने बच्चों को अपने माता-पिता या अभिभावक को इसके बारे में बताने के लिए प्रोत्साहित किया।इस जागरूकता कार्यक्रम में कई बाजार से सामान लेने आई महिलाएं और युवतियां शामिल हुईं और उन्होंने अपने सवाल पूछे और जानकारी प्राप्त की।

# सरसों एवं गेहूं की बुवाई से पूर्व खेतों में अवश्य करें जिप्सम का प्रयोग

● कृषकों को जिला कृषि अधिकारी की सलाह ● किसानों को गेहूं की उन्नत प्रजातियों के बीज का वितरण




**तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ**

बिजनौर। प्राची कृषि निवेश भंडार जलीलपुर और राजकीय कृषि निवेश भंडार जलीलपुर पर किसानों को गेहूं की उन्नत प्रजातियों के बीज का वितरण किया गया। कार्यक्रम में गेहूं की डीबीडब्ल्यू 3०3, डीबीडब्लू 187 प्रजातियों एवं जिप्सम का वितरण पोस मशीन के माध्यम से कृषकों के आधार कार्ड से अंगूठा लगाकर किया गया। इस दौरान कृषकों को 5०त्न अनुदान तत्काल उपलब्ध कराया गया। साथ ही कृषकों को निःशुल्क सरसों की मिनी किटों का वितरण किया गया। इस अवसर पर जिला कृषि अधिकारी जसवीर सिंह तेवतिया ने कृषकों को अवगत कराया कि सरसों एवं गेहूं की बुवाई से पूर्व खेतों में जिप्सम का प्रयोग अवश्य करें। इस से सरसों के उत्पादन में बढ़ोतरी होगी। इसके अलावा गेहूं की कतार विधि से बुवाई करें। साथ ही बुवाई के समय संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग किया जाए। इस अवसर पर अलंकार लाम्बा सहायक विकास अधिकारी (कृषि) जलीलपुर, उमेश कुमार प्रभारी राजकीय कृषि निवेश भंडार जलीलपुर एवं क्षेत्र के किसान भाई उपस्थित रहे।

## शुभाशीष विद्यालय में यातायात पुलिस द्वारा स्कूली बच्चों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई

**तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता रायबरेली**




रायबरेली। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी यातायात के नेतृत्व में यातायात माह केचतुर्थ दिवस रायबरेली यातायात पुलिस द्वारा बढ़ती हुई सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु यातायात जागरूकता अभियान के अंतर्गत शुभाशीष विद्यालय में यातायात पुलिस द्वारा स्कूली बच्चों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई, उनको पम्पलेट व हैंडबिल वितरित किए गए यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों का प्रचार प्रसार करते हुए आम जनता को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए पंपलेट, हैंडबिल व स्टिकर वितरित किए गए राजमार्गो पर सड़क के किनारे वाहन खड़ा करके दुर्घटना का कारण बनने वाले वाहनों को राजमार्ग के किनारो से हटवाया गया, यातायात नियमों अनुपालन न करने वालों के विरुद्ध प्रवर्तन कार्रवाई करते हुए कुल 246 चालान करते हुए 341000 रुपए का जुर्माना योजित किया गया।

## तेरा पुरसोली घाट पर हुआ गंगा उत्सव का भव्य आयोजन

**तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता हरदोई**



हरदोई। जिला गंगा समिति के तत्वावधान में सांडी के तेरा पुरसोली गंगा घाट पर गंगा उत्सव का भव्य आयोजन किया गया, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कौशल किशोर, विभाग प्रचारक, आर.एस.एस. , अति विशिष्ट अतिथि धीरेन्द्र प्रताप सिंह सेनानी, प्रदेश अध्यक्ष, ब्लाक प्रमुख संघ ,उ.प्र., विशिष्ट अतिथि अशोक सिंह, अध्यक्ष , जिला सहकारी बैंक उपस्थित रहे अन्य अतिथियों में डॉ बृज किशोर वर्मा, अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद्, हैदराबाद, उन्नाव,अश्वनी कुमार मिश्र, जिला परियोजना अधिकारी, अमर सिंह, सह संयोजक, नमामि गंगे, प्रत्युष श्रीवास्तव, क्षेत्रीय वन अधिकारी हरपालपुर, गंगाशंकर दीक्षित, धार्मिक कथावाचक,उदयवीर, ग्राम प्रधान, छोछपुर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में गंगा विचार गोष्ठी, गंगा गाथा, हस्ताक्षर अभियान, गंगा दूतों एवं गंगा सेवकों का सम्मान, भव्य दीपोत्सव, कन्नौज से पधारे पुजारियों द्वारा गंगा आरती मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा मुख्य अतिथि कौशल किशोर ने गंगा के ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व का वर्णन करते हुए कहा कि भारत में गंगा एक जीवनरेखा की तरह विचरण करती हैं और सबके लिए मोक्ष का द्वार खोलने के साथ दृ साथ धनोपार्जन आदि का भी स्त्रोत हैं, इसलिए हमें गंगा के प्रति अपने व्यवहार में परिवर्तन लाकर गंगा को अविरल और निर्मल बनाने में साथ देना होगा श्री धीरेन्द्र प्रताप सिंह सेनानी जी ने सरकार द्वारा गंगा को अविरल और निर्मल बनाए जाने हेतु किये जा रहे प्रयास एवं नमामि गंगे परियोजना की खूब प्रशंसा की और गंगा को अविरल निर्मल बनाए जाने हेतु प्राप्त हो रही जन भागीदारी को इसका प्रमाण बताया अशोक सिंह ने गंगा को 04 नवम्बर को राष्ट्रीय नदी घोषित होने के उपलक्ष्य में गंगा एवं समस्त सहायक नदियों के किनारे गंगा उत्सव मनाए जाने के विषय में जानकारी दिया हस्ताक्षर अभियान में अतिथियों के साथ साथ समस्त ग्रामवासियों ने हस्ताक्षर कर गंगा को अविरल और निर्मल बनाए जाने हेतु शपथ लिया द्य गंगा दूतों और गंगा सेवकों ने 2100 दीपों से गंगा उत्सव लिखकर सबका मन मोह लिया द्य अतिथियों द्वारा गंगा दूतों को अंगवस्त्र एवं कैप पहनाकर सम्मानित किया गया जिसमे गंगा योद्धा कैलाश चंद्र, प्रियांशु अवस्थी, प्रियांशु राजपूत,सीवी, सुबी, सुरचना,वंदना, रूबी, रोली,राधा ,अर्चना, रमिता, दीपिका ,रागिनी,ऊदन, संदीप राजपूत, इंद्रपाल, शिवम राजपूत आदि को इनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया द्य सभी अतिथियों को जिला परियोजना अधिकारी द्वारा अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया गया कार्यक्रम में अतिथियों एवं स्थानीय नागरिकों को कानपुर और कन्नौज से पधारे पुजारियों ने भव्य गंगा आरती कराई।

# असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग गोयल विश्वनाथ जिले में उपस्थित

➲ गोयल ने चुनाव प्रकोष्ठ के प्रभारी अधिकारियों के साथ किया समीक्षा बैठक

**तीसरा विकल्प न्यूज़ - पंकज नाथ**

असम। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग गोयल ने आज बिश्वनाथ जिले में एक विशेष समीक्षा बैठक की, जिसमें असम में 13 नवंबर को होने वाले पांच उपचुनाव क्षेत्रों में से एक 77 बिहाली विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव की तैयारियों का जायजा लिया । सुबह 1० बजे बिश्वनाथ जिले के जिला आयुक्त के सम्मेलन कक्ष में आयोजित बैठक में मौजूद असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग गोयल ने जिला निर्वाचन अधिकारी तथा जिला आयुक्त, निर्वाचन क्षेत्र में उपचुनाव के लिए चुनाव प्रकोष्ठों के प्रभारी अधिकारी से मुलाकात की। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि चुनाव में लगे अधिकारियों-कर्मचारियों को ले जाने वाले वाहनों में जीपीएस लगाने में विशेष सावधानी बरती जाए। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी गोयल ने विभिन्न चुनाव प्रकोष्ठों द्वारा की गई तैयारियों और प्रगति की भी समीक्षा की। आज की समीक्षा बैठक में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त चुनाव पर्यवेक्षक अमित खत्री , जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला आयुक्त मुनीन्द्रनाथ नाटे, जिला पुलिस अधीक्षक सुभाशीष बरुआ, अपर जिला आयुक्त ध्रुवज्योति दास, राकेश डेका, हृदय कुमार दास, निर्वाचन पदाधिकारी धीमान हजारिका, सहायक आयुक्त, अंचल अधिकारी, संबंधित निर्वाचन प्रकोष्ठों के प्रभारी अधिकारी उपस्थित थे।

# लोगों को तंबाकू छोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाये, विद्यालयों के आस-पास गुटखा, तम्बाकू की न हो बिकी- जिलाधिकारी

➢ युवा पीढ़ी को धूम्रपान, तम्बाकू के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में किया जाये जागरूक-अंजनी कुमार



**तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता मैनपुरी**

मैनपुरी - जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह ने तंबाकू निषेध, मादक पदार्थों की तस्करी और इनके गलत इस्तेमाल पर नियंत्रण पर आधारित कार्यक्रम, गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि धूम्रपान, तंबाकू का सेवन करने वाला व्यक्ति न सिर्फ अपने जीवन को खतरे में डालता है बल्कि अपने परिवार के साथ-साथ अन्य लोगों को भी नुकसान पहुंचाता है, परिवार, समाज के लोगों में कैंसर का खतरा पैदा करता है, धूम्रपान के दौरान निकलने वाला धुआं पर्यावरण को भी प्रदूषित करता है, धूम्रपान के कारण विश्व में प्रतिवर्ष असंख्य लोगों की मृत्यु होती है, हम सब तंबाकू से होने वाले दुष्प्रभाव को जाने और तंबाकू से बने पदार्थों के सेवन से बचें। उन्होने कहा कि तंबाकू एक धीमे जहर की तरह है जो व्यक्ति को धीरे-धीरे मौत के मुंह की ओर धकेलता है, तमाम लोग जानकारी के बावजूद तंबाकू से बने उत्पादों का प्रयोग करते हैं, धीरे-धीरे यह शौक बुरी लत में बदल जाता है, सिगरेट, बीड़ी, जर्दा, गुटखा, खैनी, हुक्का, चिलम से सभी को बचना होगा, तंबाकू से बने उत्पादों का सेवन करने वाले लोगों विशेषतौर पर युवा पीडी को बुरी आदत से बचने के लिए प्रेरित करना होगा। सिंह ने कहा कि तंबाकू का सेवन करने से गला. मूंह, श्वांस नली, व फेंफड़ों के श्री कैंसर की संभावना बढ़ जाती है साथ ही दिमाग की बीमारियों का खतरा भी बना रहता है, तंबाकू के नुकसान से लोगों की रक्षा के लिए हम सबको सम्मिलित प्रयास करने होंगे, लोगों को तंबाकू छोड़ने के लिए प्रोत्साहित करना होगा। उन्होने कहा कि तम्बाकू के खतरे को नियंत्रित करने के प्रयासों के बावजूद तम्बाकू के इस्तेमाल की व्यापकता बच्चों और किशोरों के बीच खतरनाक अनुपात में बढ़ रही है। उन्होने जिला विद्यालय निरीक्षक से कहा कि जनपद के समस्त विद्यालयो में प्रार्थना सभा में छात्रों को तम्बाकू, अन्य नशों से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में बताया जाये, विद्यालयों के मुख्य द्वार पर सी.सी.टी.वी. कैमरे लगवाये जायें और उनसे निगरानी की जाये कि विद्यालय के आस-पास कोई असामाजिक तत्व छात्रों को नशे की सामग्री, तम्बाकू आदि का सेवन करने के लिए प्रेरित न करे। उन्होने अपर पुलिस अधीक्षक से कहा कि विद्यालयों के आस-पास गुटखा, तम्बाकू, अन्य नशीले पदार्थ की बिकी किसी भी दशा में न हो, विद्यालयों के आस-पास के दुकानदारों को हिदायत दी जाये कि किसी भी दशा में विद्यालय के आस-पास गुटखा, तम्बाकू की बिकी न करें। जिलाधिकारी ने समिति के सदस्यों से कहा कि तम्बाकू, गुटखा का सेवन करने वाले लोगों को नशीले पदार्थों का सेवन न करने के लिए प्रेरित किया जाये, ऐसे लोगों को निकोटेक्स टेबलेट का वितरण किया जाये, जन सामान्य में जागरूकता के लिए तम्बाकू जानलेवा है पर आधारित नुक्कड़ नाटक तहसील मुख्यालयों, भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर आयोजित कराये जायें, जन-जागरूकता हेतु तम्बाकू नियत्रंण, तम्बाकू का प्रयोग करने से होने वाले दुष्परिणामों पर आधारित होर्डिंग, पोस्टर, बैनर चिकित्सालयों, विद्यालयों में लगवाये जायें, नशा करने वाले लोगों को बताया जाये कि प्रतिदिन 2200 से अधिक भारतीय तम्बाकू सेवन के कारण मृत्यु का शिकार हो रहे हैं, कैंसर से मरने वाले 100 रोगियों में से 40 तम्बाकू के प्रयोग के कारण जान गवां रहे हैं, लगभग 95 प्रतिशत मूंह के कैंसर तम्बाकू सेवन करने वाले व्यक्ति होते हैं। बैठक में अपर जिलाधिकारी राम जी मिश्र, अपर पुलिस अधीक्षक राहुल मिठास, मुख्य चिकित्साधिकारी, डा. आर.सी. गुप्ता, उप जिलाधिकारी कुरावली राम नारायण, जिला आबकारी अधिकारी दिनेश कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक सतीश कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी अशोक कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी राजनाथ राम, उपायुक्त जी.एस.टी. मनोज कुमार यादव, एस.डी.एफ.ओ. वन्दना सिंह, उप क्षेत्रीय मद्य निषेध अधिकारी उपदेश कुमार, ड्रग निरीक्षक दीपक कुनाल, तम्बाकू प्रकोष्ठ से अभय सिंह, एन.जी.ओ. से आराधना गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

# छठ पूजा को लेकर कमिश्नर और डीएम ने किया छठ घाटों का निरीक्षण

**तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ**

लखनऊ। छठ पूजा को लेकर की जा रही तैयारियों को लेकर कमिश्नर और डीएम ने छठ घाटों का निरीक्षण किया। मंगलवार को दोपहर में मंडलायुक्त डॉ रोशन जैकब और शाम को जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार ने लक्ष्मण मेला पार्क, झूले लाल पार्क व कुड़ियां घाट पहुंच कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह, लखनऊ विकास प्राधिकरण (उपाध्यक्ष)प्रथमेश कुमार सहित संबंधित अधिकार उपस्थित रहे। मंडलायुक्त ने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी 7 एवं 8 नवम्बर को छठ पूजा का आयोजन लक्ष्मण मेला पार्क मैदान गोमती तट पर किया जा रहा है। इस अवसर पर लाखों की संख्या में लोग उपस्थित होते हैं। इस दौरान विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम, कवि सम्मेलन आदि का आयोजन भी होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि छठ घाटों की साफ-सफाई, प्रकाश की व्यवस्था (नदी के दोनों तरफ लगे हाई मास्क को जलाना, चिकित्सा कैम्प की व्यवस्था (हेल्थ एटीएम),अस्थायी शौचालय की व्यवस्था, अग्निशमन की व्यवस्था (फायर ब्रिगेड की गाड़ी, सड़क का निर्माण, यातायात पुलिस, नागरिक पुलिस, गोताखोर, स्टीमर / नाव की व्यवस्था, विद्युत सुरक्षा की अनुमति, फागिंग की व्यवस्था, पानी का छिड़काव, रास्ते को वन वे करना, टूटे हुए रेलिंग की मरम्मत करना, थर्मल चेंकिग, वीवीआईपी की सुरक्षा व्यवस्था एवं पर्याप्त सुरक्षा बल, नगर निगम एवं जल संस्थान के द्वारा पानी टैंक की व्यवस्था आदि व्यवस्था करा लें।

### काई और जलकुम्भी को भी हटवा दें - डीएम

जिलाधिकारी सूर्य पाल गंगवार ने सिंचाई विभाग को निर्देश दिए कि घाटों की सफाई के साथ-साथ, काई व जल कुम्भी को हटवा लिया जाए। उन्होंने नगर निगम को निर्देश दिए कि डूबते सूर्य को अर्द्ध देने के समय महिलाओं को धूल मिट्टी से परेशानी नहीं हो। समय से घाटों पर जल छिड़काव करा लें। इसके अलावा घाटों पर पर्याप्त मात्रा में नावों और गोताखोरों की व्यवस्था की जाए ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटा जा सके।

### डबल नेट लगाकर पानी को किया जा रहा साफ

डीएम ने बताया कि सभी घाटों पर स्किमर लगा कर पानी की सफाई कराई जा रही है। इसके अलावा घाटों के पास डबल नेट लगाकर पानी को साफ किया जा रहा है।

## लविवि: पीएचडी प्रवेश की आवेदन तिथि हुई 15 नवम्बर

**तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ**

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय व उससे संबद्ध कॉलेजों में सत्र 2024-25 पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया के तहत आवेदन करने की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। अभ्यर्थी अब 15 नवंबर तक आवेदन कर सकते हैं। लविवि और सम्बद्ध कॉलेजों में 44 विषयों की कुल रेगुलर 929 सीटों पर दाखिले के लिए आवेदन किया जा सकेगा। वहीं पार्ट टाइम पीएचडी की 13 विषयों की 35 सीटों के लिए पंजीकरण कर सकेंगे। रेगुलर सीटों के अन्तर्गत लखनऊ विश्वविद्यालय में 358 और संबद्ध कॉलेजों में 571 पीएचडी की रिक्त सीटें हैं। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि पीएचडी आवेदन फार्म भरने से पूर्व हर अभ्यर्थी को एलयूआरएन पंजीकरण कराना अनिवार्य है। अभ्यर्थी के फोटो स्कैन और हस्ताक्षर स्कैन की कॉपी भी 50 केबी के अन्दर होनी चाहिए। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि प्रवेश फार्म की फीस ऑनलाइन जमा करने के बाद 72 के पहले दोबारा न जमा करें।

# यातायात माह 2024 का शुभारंभ हुआ

### ⇨ सिविल डिफेंस बाइक रैली में हुआ शामिल

**तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ**

लखनऊ। लखनऊ कमिश्नरेट के द्वारा आज पुलिस लाइन में यातायात माह 2024 का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर लॉ एंड ऑर्डर अमित वर्मा ने हरी झंडी दिखाकर बाइक रैली को रवाना किया। बाइक रैली में सिविल डिफेंस और ट्रैफिक पुलिस के जवान शामिल हुए। इस अवसर पर डीसीपी उत्तर आर एन सिंह, व क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी संजय कुमार तिवारी उपस्थित रहें। पुलिस उपायुक्त यातायात लखनऊ प्रबल प्रताप सिंह के अनुरोध पर उपनियंत्रक अनिता प्रताप व चीफ वार्डन अमरनाथ के आदेशानुसार सिविल डिफेंस लखनऊ के 65 वार्डेन यातायात जागरूकता के कार्यक्रम में शामिल हुए। राष्ट्रपति पदक से अलंकृत लखनऊ सिविल डिफेंस के सीनियर असिस्टेंट डिप्टी कंट्रोलर मनोज वर्मा ने बताया कि सिविल डिफेंस के पदाधिकारी हर कार्यक्रम में बढ़चढकर हिस्सा लेते है, इसी के क्रम में आज जनमानस को यातायात के नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए सिविल डिफेंस के अधिकारी ऋषि कुमार, रेखा पांडेय, मुकेश कुमार और डिविजनल वार्डन सुनील कुमार शुक्ला के नेतृत्व में तमाम वार्डन रिजर्व पुलिस लाइन में एकत्रित हुए। बाद में सभी ने बाइक रैली में भी प्रतिभाग किया। बाइक रैली में शामिल वार्डेनो ने सड़क सुरक्षा से संबंधित नारों के साथ हस्तलिखित पट्टियों के साथ आम नागरिकों को जागरूक किया। अंत में रैली 1०9० चौराहे पर समाप्त हो गई। यातायात जागरूकता कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रभारी यातायात निरीक्षक गाजीपुर आशिफ अख्तर, सिविल डिफेंस के वार्डन सुनील शुक्ला, गुफरान, सईद अख्तर, प्रदीप शर्मा, सुमित साहू, मीनू मिस्टर, शेषमणि, हसन रिजवी, अशोक, शोएब अली, अनिल त्रिपाठी, मोइनुद्दीन, फैसल, विजय कनौजिया, दिलशाद, अनंत तोमर प्रखण्ड गोमती नगर से नफीस अहमद, आशीष कुमार, शाजिया,वारिस अली खान, संदीप कुमार,के के पांडे, जय सिंह,रामखेलावन वर्मा, धीरेन्द्र कुमार,सद्दाम हुसैन,आकिब, असगर रिज़वी आदि का विशेष सहयोग रहा।

# सेंट्रल बार एसोसिएशन ने पुतला फूंका

**तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ**

लखनऊ। जिला अदालत में वकीलों की हड़ताल जारी है। मंगलवार को सेंट्रल बार एसोसिएशन लखनऊ के सदस्यों ने स्वास्थ्य भवन चौराहे पर गाजियाबाद जनपद न्यायाधीश का पुतला फूंक कर विरोध जताया। वहीं अपनी तीन मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी की।गाजियाबाद में वकीलों पर लाठीचार्ज और केस दर्ज करने के विरोध में यह प्रदर्शन हो रहा है। जिले की सभी अदालत बंद हैं, जबकि हाईकोर्ट में आज से कामकाज फिर से शुरू हो गया है। सेंट्रल बार एसोसिएशन और लखनऊ बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कोर्ट परिसर में बैठक की है। इसमें गाजियाबाद की घटना का विरोध किया गया है। लखनऊ बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रमेश प्रसाद तिवारी का कहना है कि बैठक में फैसला लिया गया कि गाजियाबाद की घटना को लेकर जो प्रस्ताव उत्तर प्रदेश बार काउंसिल पारित करेगा। उसका हम सभी वकील साथ देंगे। लखनऊ की सभी कोर्ट में काम बंद रहेगा। इसी को लेकर प्रदर्शन किया गया. वहीं पर सरोजनी नगर बार ऐसोसिएशन लखनऊ की कार्यकारिणी की एक बैठक राजेश कुमार सिंह एडवोकेट अध्यक्ष एवं गोविन्द प्रताप शुक्ला एडवोकेट महामंत्री के संचालन में सम्पन्न हुयी जिसमें सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि दिनांक 29.10.2024 को गाजियाबाद जिला जज के आदेश पर न्यायालय के अन्दर पुलिस द्वारा बरबर्ता पूर्वक लाठी चार्ज किया गया जिसमें कई अधिवक्ता घायल हो गये है जिसको देखते हुये सेन्ट्रल बार एसोसिएशन लखनऊ व लखनऊ बार एसोसिएशन लखनऊ के द्वारा दिनाक 05.11.2024 को सभी अधिवक्तागण न्यायिक एवं प्रशानिक कार्य से पूर्ण रूप से विरत किया गया.

# मौलाना यासूब अब्बास ने सुप्रीम कोर्ट के मदरसा एक्ट पर फैसले का किया स्वागत

**तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ**

लखनऊ। ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा उत्तर प्रदेश मदरसा एक्ट को संवैधानिक करार दिए जाने के फैसले का स्वागत किया। बोर्ड के महासचिव मौलाना यासूब अब्बास ने इसे मदरसों के लिए एक सकारात्मक कदम बताया और कहा कि इस निर्णय से मदरसों में पढ़ने वाले लाखों छात्रों और उनके अभिभावकों को राहत मिलेगी। मौलाना यासूब अब्बास ने कहा कि मदरसे और मुस्लिम समुदाय के शैक्षणिक संस्थान संविधान के अनुच्छेद 30 के तहत संचालित होते हैं, जो अल्पसंख्यकों को अपने शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने का अधिकार देता है। उन्होंने यह भी कहा कि अरबी मदरसों ने स्वतंत्रता संग्राम में अहम भूमिका निभाई थी और आज भी शिक्षा के क्षेत्र में योगदान दे रहे हैं। उनके अनुसार, मदरसों के छात्र सिविल सेवाओं, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, और राजनीति जैसे क्षेत्रों में भी सक्रिय हैं और देश के विकास में सहायक हैं। मौलाना ने सवाल उठाया कि जब उत्तर प्रदेश मदरसा अधिनियम राज्य सरकार द्वारा ही बनाया गया है, तो इसे असंवैधानिक कैसे कहा जा सकता है? उन्होंने यह भी बताया कि मदरसों में इस्लामी शिक्षा के साथ-साथ आधुनिक विषय जैसे अंग्रेजी, हिंदी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और कंप्यूटर भी पढ़ाए जाते हैं, जिससे छात्रों को व्यापक और संतुलित शिक्षा मिलती है। मौलाना यासूब अब्बास ने सुझाव दिया कि यदि सरकार मदरसों में आधुनिक शिक्षा को बढ़ावा देना चाहती है, तो उसे मदरसा प्रबंधकों के साथ संवाद स्थापित करना चाहिए। उनका मानना है कि बेहतर संवाद से मदरसों की शिक्षा प्रणाली में और भी सुधार संभव है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर संतोष व्यक्त करते हुए मौलाना ने कहा कि इस निर्णय से मुस्लिम समुदाय अपने मदरसों का संचालन स्वतंत्रता से कर सकेगा। उन्होंने इसे न केवल शिक्षा के अधिकार की रक्षा करने वाला बल्कि मुस्लिम समाज को पारंपरिक और आधुनिक शिक्षा में संतुलन बनाए रखने का अवसर प्रदान करने वाला फैसला बताया।

## खराब मौसम के चलते दो विमान लखनऊ डायवर्ट

**तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ**

सरोजनीनगर। सोमवार सुबह वाराणसी में अचानक मौसम खराब हो जाने के कारण विमानों की लैंडिग नहीं हो सकी। इसके कारण दो विमानों को लखनऊ डायवर्ट कर दिया गया। बाद में वाराणसी का मौसम ठीक होने पर उन्हें लखनऊ से वाराणसी रवाना कर दिया गया। एयरपोर्ट सूत्रों की माने तो मंगलवार सुबह वाराणसी का मौसम अचानक बिगड़ गया। जिसके कारण दिल्ली से सुबह 6:10 बजे वाराणसी पहुंचने वाली इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान (6ई 2211) वाराणसी एयरपोर्ट पर नहीं उतर सकी। बल्कि उसे लखनऊ एयरपोर्ट डायवर्ट कर दिया गया। इसी तरह मुंबई से सुबह 6:30 बजे वाराणसी पहुंचने वाली इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान (6ई 371) भी वाराणसी एयरपोर्ट पर नहीं उतर सकी। बल्कि उसे भी लखनऊ एयरपोर्ट भेज दिया गया। लखनऊ पहुंचे दोनों विमान करीब 2 घंटे तक चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर ही खड़े रहे। इस दौरान दोनों विमानों के यात्री भी विमान के अंदर ही बैठे रहे। बाद में जब वाराणसी का मौसम सही हुआ तब दोनों विमानों को लखनऊ एयरपोर्ट से वाराणसी के लिए रवाना कर दिया गया।

## समाचार

### लखनऊ विश्वविद्यालय के टैगोर पुस्तकालय में आयोजित लाइब्रेरी कमेटी की बैठक

**तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ**

लखनऊ। मंगलवार को विश्वविद्यालय के टैगोर पुस्तकालय में आयोजित लाइब्रेरी कमेटी की बैठक, कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा लिखी गई पुस्तकों को छात्रों के लिए डिस्प्ले में रखने का निर्णय लिया गया ताकि छात्रों को अध्ययन सामग्री आसानी से उपलब्ध हो सके। बैठक में निम्नलिखित बिंदुओं पर भी चर्चा की गई- 1. वीड आउट पॉलिसी- क्षतिग्रस्त और अत्यधिक पुरानी पुस्तकों को डिस्प्ले में रखा जाएगा और जरूरत के अनुसार महाविद्यालयों एवं शिक्षकों को वितरित किया जाएगा। 2. ई-रिसोर्सेज अपडेट- छात्रों और शिक्षकों को नए ई-रिसोर्सेज, डेटा बेस और सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराए जाएंगे। 3. रीडिंग रूम अलमारी- छात्रों की सहूलियत के लिए उपयोगी पुस्तकों को रखने हेतु विशेष अलमारियों की व्यवस्था की जाएगी। 4. आरएफआईडी टैगिंग- पुस्तकालय की सभी पुस्तकों पर आरएफआईडी टैग लगाए जाएंगे ताकि उनकी सुरक्षा और संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। 5. दुर्लभ पांडुलिपियों का संरक्षण- दुर्लभ पांडुलिपियों को संरक्षित किया जाएगा ताकि उनका क्षय रोका जा सके। कुलपति प्रोफेसर राय ने पुस्तकालय के समुचित विकास और इसके अधिकतम उपयोग पर जोर दिया। मानद लाइब्रेरियन प्रोफेसर केया पांडेय ने बताया कि लगभग छह वर्षों बाद हुई इस बैठक से टैगोर पुस्तकालय के उन्नयन में अत्यधिक सहायता मिलेगी। इस बैठक में समस्त डीन, विभागाध्यक्ष, निदेशक और समन्वयक भी उपस्थित थे।

### एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर 16 को

**तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ**

सरोजनीनगर। मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, सरोजनीनगर इंडस्ट्रियल एरिया मैन्यूफैक्चर एसोसिएशन एवं प्रेस क्लब सरोजनीनगर द्वारा आगामी 16 नवम्बर को एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी प्रेस क्लब सरोजनीनगर के अध्यक्ष राज किशोर पासी ने दी। उन्होंने बताया कि सरोजनीनगर औद्योगिक क्षेत्र स्थित सेलैक्स केमिकल्स परिसर में आयोजित होने वाले इस शिविर में जनरल फिजिशियन, फिजियो थेरेपिस्ट एवं डायटीशियन के लिए निःशुल्क परामर्श दिया जाएगा। जबकि बीएमआई, ब्लड प्रेशर, आंखों और दांतों की जांच, ब्लड शुगर, कोलेस्ट्रॉल, कैल्शियम, यूरिक एसिड में से कोई एक जांच भी निःशुल्क करा सकते हैं। शिविर से जुड़ी किसी भी जानकारी के लिए कानपुर रोड स्थित डी-2, इंडस्ट्रियल एरिया सरोजनीनगर में रितेश श्रीवास्तव व रजत गुलाटी से सम्पर्क कर सकते हैं।

### अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

**तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ**

सरोजनीनगर। बिजनौर इलाके में सोमवार रात अज्ञात वाहन की टक्कर से एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। सूचना के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बिजनौर प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार राणा के मुताबिक क्षेत्र के माती स्थित गांधीनगर निवासी जोगिंदर नाथ (35) सोमवार रात अपनी ससुराल से वापस बाइक से घर लौट रहा था। तभी माती और परवर पश्चिम के बीच किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में ठोकर मार दी। जिससे जोगिंदर बुरी तरह घायल हो गया। रात करीब 10:30 बजे उसके सड़क किनारे घायल पड़े होने की सूचना मिली तो सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे एम्बुलेन्स से सरोजनीनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां पहुंचते ही चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

### जिलाधिकारी ने गौ संरक्षण केन्द्र, ई-बस चार्जिंग स्टेशन, हॉकी क्लब का किया निरीक्षण

**तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता शाहजहांपुर**

शाहजहांपुर। मंगलवार को जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने न्यू ककरा सिटी स्थित गौ संरक्षण केन्द्र बनाये जाने हेतु किये जा रहे कार्यो का जायजा लिया। 2.50 हे0 में 500 क्षमता का गौशाला, 2.60 हे0 में नन्दी शाला तथा गौ आश्रय स्थल 0.63 हे0 में 250 क्षमता गौ संरक्षण निर्माण कराया जाएगा। जिलाधिकारी ने नगर आयुक्त को निर्देश दिये कि 15 नवम्बर तक भूमि को समतल करके आवश्यक प्रबन्ध सुनिश्चित किये जाए। उन्होने कहा कि किसी भी बड़े पेड़ों को न हटाया जाए। जिलाधिकारी ने नगर निगम की संचालित ई-बस सेवा के संबंध में चार्जिंग स्टेशन पहुंचकर व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने ई-बस सेवा कमांड सेंटर में जीपीएस लोकेशन आदि की जानकारी ली तथा संबंधितों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने नगर में बढ़ते ई-रिक्शा से ट्रैफिक की समस्या दृष्टिगत नगर आयुक्त डॉ0 विपिन कुमार को निर्देश दिए कि बरेली मोड़ से राजघाट पुलिस चौकी, केरूगंज चौराहा, जेल रोड एवं कलेक्ट्रेट होते हुए रोडवेज बस स्टैंड तक 06 ई-बस सेवा स्पेशल शहर के लिए ही संचालित की जाए। उन्होंने कहा बेसों के रुकने के स्थलों का चयन कर लिया जाए तथा वहां पर संकेत भी लगाया जाए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए की लोगों को 10 से 15 मिनट के अंतराल में बेसें मिलती रहे। पहले 30 नवंबर से 3 तथा 1 दिसंबर से 3 बसे कुल 6 ई-बसों के संचालन तैयारी समय से पूर्ण कर ली जाए, 3 बसें बरेली मोड़ से एवं 03 बसें रोडवेज बस अड्डे से संचालित की जाए। तत्पश्चा जिलाधिकारी ने हॉकी क्लब पहुंचकर पवेलियन मल्टीपरपज हॉल बनाने के संबंध में निरीक्षण किया। उन्होंने पवेलियन मल्टीपरपज हाल आदि निर्माण के संबंध में कार्य योजना तैयार हेतु कार्यदीयी संस्था सीएनडीएस के अभियंता को निर्देशित किया। इस दौरान नगर आयुक्त डा. विपिन कुमार मिश्र, अपर नगर आयुक्त एसके सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

# सरकारी स्कूलों को बंद करने का निर्णय योगी सरकार को वापस लेना होगा: वंशराज दुबे (मुख्य प्रवक्ता ,आप)

**● सरकारी स्कूलों को बंद कर दलितों पिछड़ों और गरीबों के बच्चों को शिक्षा से वंचित करना चाहती है भाजपा: वंशराज दुबे**

**तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ**

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों को लेकर हाल ही में मीडिया में आई खबरों के अनुसार, उत्तर प्रदेश में लगभग 27,000 सरकारी स्कूलों को बंद करने की योजना बनाई गई है। यह योगी आदित्यनाथ की सरकार द्वारा 2020 तक बंद किए गए 26,000 स्कूलों के बाद अब एक नया कदम है। यह फ़रमान, जो 27,000 सरकारी स्कूलों को बंद करने का है, न केवल सरकार की नीतियों को संदिग्ध बनाता है बल्कि यह सीधे तौर पर गरीब, दलित और पिछड़े वर्ग के बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने जैसा है। उत्तर प्रदेश सरकार ने यह जानकारी अखबारों के माध्यम से दी कि इन स्कूलों को निकटवर्ती स्कूलों में विलय कर दिया जाएगा, जिसे योगी सरकार ने भ्रामक और निराधार करार दिया है। लेकिन सच्चाई यह है कि यह कदम सरकारी स्कूलों को समाप्त करने की एक सोची-समझी साजिश है। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में इसका उदाहरण साफ देखा जा सकता है, जहां जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने 6 स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया है। इससे स्पष्ट होता है कि यह केवल एक कागजी दलील नहीं, बल्कि एक ठोस कार्य योजना है, जिसके तहत सरकारी स्कूलों को पूरी तरह समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। हम जानते हैं कि संविधान के आर्टिकल 21 के तहत हर बच्चे को शिक्षा का अधिकार है। %राइट टू एजुकेशन% कानून कहता है कि हर बच्चे को शिक्षा की सुविधा 1 किलोमीटर के दायरे में प्राथमिक स्कूल और 3 किलोमीटर के भीतर अपर प्राइमरी स्कूल के रूप में मिलनी चाहिए। लेकिन इस निर्णय से यही स्पष्ट होता है कि योगी सरकार न केवल इस कानून का उल्लंघन कर रही है, बल्कि बच्चों के शिक्षा के अधिकार को छीनने का प्रयास कर रही है। अब सवाल यह उठता है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने लगभग 52,000 स्कूलों को बंद करने का निर्णय क्यों लिया? इसका सीधा सा उत्तर है कि यह कदम राज्य की शिक्षा व्यवस्था को कमजोर करने, गरीब वर्ग के बच्चों को शिक्षा से वंचित करने और शिक्षा के अधिकार को समाप्त करने की एक साजिश है। हम यह भी देख रहे हैं कि न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि मध्य प्रदेश, असम, उत्तराखंड और अन्य भाजपा शासित राज्यों में भी इसी तरह के कदम उठाए जा रहे हैं। मध्य प्रदेश में 23,000, असम में 8,000 और उत्तराखंड में 1,100 सरकारी स्कूल बंद किए गए हैं। यह न केवल राज्य सरकारों की विफलता को दर्शाता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि भाजपा द्वारा शासित राज्य शिक्षा के नाम पर एक बड़ा हमला कर रहे हैं। आम आदमी पार्टी इस कदम का पुरजोर विरोध करती है। हम यह मानते हैं कि सरकार का कर्तव्य है कि वह बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करे, न कि उन्हें इस अधिकार से वंचित करे। आने वाली 9 तारीख को आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश के हर जिले में विरोध प्रदर्शन करेगी और योगी सरकार के इस दमनकारी निर्णय के खिलाफ अपनी आवाज़ उठाएगी। आम आदमी पार्टी की यह लड़ाई केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि यह गरीब, दलित और पिछड़े बच्चों के भविष्य की लड़ाई है। हम चाहते हैं कि सभी बच्चों को समान शिक्षा मिले, और हम इस तरह के भ्रामक फैसलों को हरगिज़ स्वीकार नहीं करेंगे।

## छठ महापर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा ना हो: मंत्री सुरेश कुमार खन्ना

**तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ**

लखनऊ। मंगलवार को उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री और लखनऊ के प्रभारी मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने छठ महापर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा को सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारी और नगर आयुक्त को निर्देश दिए हैं। उन्होंने घाटों और पूजा स्थलों पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, शुद्ध पेयजल, और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने पर जोर दिया है ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। खन्ना ने यह भी निर्देश दिया है कि छठ घाटों और उनके आसपास के इलाकों में महिलाओं की सुरक्षा के लिए खास इंतजाम किए जाएं और नगर निगम की ओर से चलित शौचालयों की व्यवस्था भी की जाए। इस तरह के निर्देशों से श्रद्धालुओं को अपने पूजा कार्य और धार्मिक आस्थाओं को बिना किसी व्यवधान के संपन्न करने में मदद मिलेगी।

# नेशनल पोस्ट ग्रेजुएट महाविद्यालय मे सात दिवसीय प्री-प्लेसमेंट वीक का शुभारंभ

**तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ**

लखनऊ। नेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्लेसमेंट सेल ने 5 नवम्बर 2024 को सात दिवसीय प्री-प्लेसमेंट वीक का प्रारंभ किया। यह कार्यक्रम कॉलेज में दोपहर 1:00 बजे से 2:00 बजे तक आयोजित किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ माननीय प्रधानाचार्य प्रो. देवेंद्र कुमार सिंह, प्लेसमेंट सेल कोऑर्डिनेटर डॉ. शालिनी लांबा, मुख्य अतिथि श्री शुभम जगदीश और फैकल्टी कोऑर्डिनेटर डॉ. कृतिका मल्होत्रा द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। मुख्य अतिथि श्री शुभम जगदीश एक भारतीय इन्फ्लुएंसर, काउंसलर और शिक्षक हैं व ऑब्सेशन-एन एंट्रेंस हब के सह-संस्थापक भी हैं और भारत में सबसे बड़े ICSE यूट्यूब चैनल के संचालक हैं, जिन्होंने अनेक छात्रों को कॉर्पोरेट क्षेत्र में उज्जवल भविष्य की ओर प्रेरित किया है। उन्होंने अपने भाषण में छात्रों को करियर चुनने के विभिन्न तरीकों पर मार्गदर्शन दिया। श्री शुभम जगदीश ने बताया कि करियर चयन का सही तरीका यह है कि व्यक्ति को उन चीजों को पहचानना चाहिए जिनमें वह अच्छा है, जो उसे खुश करती हैं और जिनमें भविष्य की संभावनाएं हैं। इसके अलावा, उन्होंने करियर के रास्तों को समझने और अपनी व्यक्तिगत रुचियों को जानने के साथ-साथ एकाग्रता बढ़ाने पर भी ज़ोर दिया। उनका भाषण अत्यधिक प्रेरणादायक था और सेमिनार बहुत इंटरएक्टिव रहा, जिसमें छात्रों ने सक्रिय रूप से सवाल पूछे और अपने शंकाओं का समाधान किया। इस सत्र में संवाद में आत्मविश्वास और सहजता की महत्वपूर्णता पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम का समापन प्लेसमेंट सेल कोऑर्डिनेटर, डॉ. शालिनी लांबा के धन्यवाद से हुआ, जिसमें उन्होंने श्री शुभम जगदीश को प्री-प्लेसमेंट वीक के उद्घाटन दिवस पर उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। साथ ही, फैकल्टी कोऑर्डिनेटर, डॉ. कृतिका मल्होत्रा को उनके मार्गदर्शन और समाचार प्रस्तोता और रिपोर्ट लेखक के समर्थन के लिए भी विशेष धन्यवाद दिया।

# धोखाधड़ी कर कर्ज ली गई जमीन को बेचा। क्रेता द्वारा कर्ज अदा करने को कहने पर जमीन विक्रेता ने मारपीट कर दी धमकी

**तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय**

सीतापुर। जिले की तहसील महोली की कोतवाली महोली क्षेत्र अन्तर्गत नगर के मोहल्ला मास्टर कॉलोनी पूर्वी के रहने वाले संजीव कुमार पाण्डेय व दीपक पाण्डेय पुत्र प्रेम चंद्र पाण्डेय ने अपनी जमीन जिस पर लोन ले रखा था।उस जमीन को लिये गये लोन की अदायगी किये बगैर ओम रस्तोगी पुत्र स्व0अशोक रस्तोगी के हाथ बीते वर्ष धोखा देकर बेच दिया।तथा उनसे जमीन की पूरी धनराशि ले ली। जब दाख़िल ख़ारिज करवाने के लिए गए तो पता चला तो कि इस जमीन पर महोली में स्थित पंजाब नेशनल बैंक से लोन लिया जा चुका है।इस बावत ओम रस्तोगी ने दीपक पाण्डेय और संजीव पाण्डेय से लोन अदा करने के लिए बोला।तो दीपक पाण्डेय और संजीव पाण्डेय लोन अदायगी का झांसा देकर आजकल आजकल कह कर टरकाते हुए दो साल निकाल दिये। दो साल बाद दीपक पाण्डेय व संजीव पाण्डेय ने ओम रस्तोगी को अपनी दुकान माँ ललिता ट्रेडर्स पर लोन अदायगी के बाबत बात करने के लिए बुलाया। जब ओम रस्तोगी व अखंड रस्तोगी लोन अदायगी को लेकर बात करने लगे तो इसी बीच दीपक पांडे वह उनके बेटे शिवांशु पांडे और संजीव पांडे ने अपने अन्य साथियों के साथ ओम रस्तोगी पर लाठी डंडों से हमला कर दिया। इस दौरान ओम रस्तोगी की दुकान पर काम करने वाले नौकर जसवंत पुत्र रामचंद्र निवासी कैबा इस मारपीट मे गम्भीर रूप से घायल हो गया। बताते हैं कि पीड़ित ओम रस्तोगी की सेठ मूलचंद अशोक कुमार ज्वैलर्स नाम की एक प्रतिष्ठित दुकान महोली की मैन मार्केट मे है। विपक्षी पांडे परिवार द्वारा पीड़ित को जान से मार देने की मिली धमकी के कारण दुकान दारी करने में पीड़ित को परेशानी हो रही है। विपक्षी हर समय पीड़ित ओम रस्तोगी वह अखंड रस्तोगी की हर गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं कि ओम रस्तोगी और अखंड रस्तोगी कहाँ जाते हैं। क्या करते हैं। कहां बैठे हुए हैं। विपक्षी पल पल की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है। पीड़ित के बताने के अनुसार विपक्षी अपनी कार स्विफ्ट डिजायर यूपी34बीके 0505 से उनका उनका पीछा करते हैं।इस कार गुजारी में कुछ अज्ञात लड़के भी उनके साथ रहते हैं, उनका मक़सद है कि ओम रस्तोगी वह अखंड रस्तोगी को क्षति पहुंचाना। इस कार्यवाही से पीड़ित ओम रस्तोगी वह अखंड रस्तोगी को अपनी जान जाने का भय व्याप्त है। पीड़ित नहीं यह भी बताया कि विपक्षी के द्वारा पुलिस के सामने अपनी ऊंची पहुंच की रौब दिखाने के कारण पुलिस भी कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। पुलिस ने अभी तक पीड़ित के साथ हुई मारपीट की एफआई आर दर्ज तक नहीं की है। इसलिए पीड़ित को अपनी जान माल का खतरा महसूस हो रहा है। पीड़ित ने पुलिस पर एक पक्षीय कार्रवाई करने का आरोप लगाया है। कुछ भी हो पुलिस को समय रहते तत्काल निष्पक्षता से जांच कर दोषी के विरुद्ध कार्यवाही करनी चाहिए ऐसा क्षेत्र वासियों का मानना है।

# संपादकीय

## कनाडा में उपद्रव

यूं तो कनाडा में भारत विरोधी गतिविधियों की घटनाएं गाहे-बगाहे सामने आती रहती हैं। जिन्हें लेकर ट्रूडो सरकार मूक दर्शक बनी रहती है। लेकिन ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में हुई घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। अभिव्यक्ति व आस्था की आजादी की डींगें हांकने वाली ट्रूडो सरकार की, ब्रैम्पटन के मंदिर में हुई निंदनीय हिंसा से संवेदनशीलता से निबटने में अयोग्यता ही उजागर हुई है। लगातार खराब होते दोनों देशों के रिश्तों के बीच यह घटनाक्रम जस्टिन ट्रूडो सरकार की छवि पर दाग लगाता है। दरअसल, पिछले साल खालिस्तान समर्थक कार्यकर्ता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद ट्रूडो सरकार लगातार, भारत के साथ लापरवाही से रिश्ते खराब कर रही है। सतही तौर पर तो ट्रूडो ने ब्रैम्पटन के मंदिर में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना की निंदा की है। साथ ही कहा है कि उसके प्रत्येक कनाडाई नागरिक को स्वतंत्र तरीके और सुरक्षित रूप से अपनी आस्था की अभिव्यक्ति व पालन का अधिकार है। लेकिन दूसरी ओर राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिये पृथकतावादियों को खुली छूट दी जा रही है। ऐसे में उन्हें भारत विरोधी तत्वों को मनमानी करने देने के लिये स्थिति को स्पष्ट करना होगा। यह आरोप दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा कि कनाडाई पुलिस ने हिंदू भक्तों को निशाना बनाया और खालिस्तान समर्थकों को बचाने की कोशिश की। निश्चित तौर पर ट्रूडो सरकार के इशारे पर यह घटनाक्रम सबसे बुरे दौर में पहुंचे भारत-कनाडा संबंधों के बीच आग में घी डालने जैसा कृत्य है। बहरहाल, यह तय है कि रह-रह कर सामने आ रही यह हिंदू-सिख संबंधों में तल्खी, भारत तथा कनाडा सरकारों के संबंधों में आ रही गिरावट से गहरे तक जुड़ती है। हाल के दिनों में कनाडा सरकार के मंत्रियों ने मर्यादा की सीमाएं लांघते हुए अनेक आक्षेप किये हैं। यहां तक कि कनाडा के उप विदेश मंत्री डेविड मॉरिसन ने भारतीय गृह मंत्री पर आरोप लगाये कि उन्होंने कनाडा में भारत विरोधी अलगाववादियों को निशाना बनाने के लिये हिंसा व खुफिया जानकारी जुटाने के आदेश दिए। जैसा कि स्वाभाविक ही था इस तरह के आरोप-प्रत्यारोप का भारत सरकार ने भी कड़ा प्रतिवाद किया है। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कड़े शब्दों में इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। नई दिल्ली ने इन आरोपों को बेतुका और निराधार बताकर नकार दिया है। आरोप है कि कनाडा सरकार खालिस्तान समर्थक कनाडाई नागरिकों को भारत सरकार के खिलाफ लड़ने के लिये उकसा रही है। इसके संरक्षण व उकसावे के चलते उनके भारत विरोधी प्रदर्शनों ने उन्हें भारतीय मूल के उन कनाडाई नागरिकों के साथ टकराव की राह पर ला खड़ा किया है, जो अपनी आस्तीन पर तिरंगा पहनते हैं। यह विडंबना ही है कि जो कनाडा गर्व के साथ अपने देश को अवसरों की शांतिप्रिय भूमि कहते हुए नहीं थकता है, उसे सांप्रदायिक सद्भाव और सार्वजनिक व्यवस्था के लिए खतरा पैदा करने वाले तत्वों के खिलाफ सख्ती से निबटने की जरूरत है। वास्तव में उपद्रव करने वाले तत्वों पर समय रहते नकेल कसने की जरूरत है, चाहे वे किसी भी समुदाय के हों। निश्चित रूप से जस्टिन ट्रूडो सरकार को वहां सक्रिय अलगाववादियों को भारत के खिलाफ जहर उगलने के लिये कनाडाई क्षेत्र के दुरुपयोग की अनुमति नहीं देनी चाहिए। निश्चित रूप से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर ट्रूडो सरकार द्वारा उपद्रवियों को संरक्षण देना उसकी राजनयिक और लोकतांत्रिक साख को कमजोर करने वाला कदम ही है। यह विडंबना ही है कि कानून का पालन करने वाले प्रवासी भारतीय सदस्यों की सुरक्षा और संरक्षा दांव पर है। दरअसल, अल्पमत में आई ट्रूडो सरकार राजनीतिक स्वार्थों के लिये निचले स्तर का खेल खेल रही है। वह चाह रही है कि अगले साल होने वाले आम चुनाव में फिर सरकार बना पाए। इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, भारत-कनाडा संबंधों को बचाने के लिये गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। अब तक के सबसे बुरे दौर से गुजर रहे भारत-कनाडा संबंधों को सामान्य बनाने के लिये यह अपरिहार्य शर्त भी है।

## जीवन-संघर्ष से पलायन, अकर्मण्यता की परिणीति

अकर्मण्यता शारीरिक,मानसिक व्याधि और दशा है जो जीवन को निरर्थक बनाती है। इस अवस्था को तत्काल त्यागना चाहिए,और अपने जीवन के संघर्ष के लिए तैयार रखना चाहिए। मन ही मन यदि आपने किसी कठिन कार्य को करने का संकल्प ले लिया तो निरंतर जिजीविषा और संयम के साथ संघर्ष हर बड़ी जीत और सफलता के उत्तम मार्ग हैं। वैसे जीवन में दुष्कर, कठिन कार्य को पहले चुनना चाहिए जिससे पूरी शक्ति एवं उर्जा लगाकर हम उसे प्राप्त कर सकेस कठिन कार्य से घबराकर उससे पलायन करना निराशा को जन्म देता हैस निराशा से बढ़कर कोई अवरोध नहीं अतः निराशा, हताशा को त्यागें और ऊर्जा उत्साह के साथ आगे बढ़े, सफलता आपके कदमों पर होगी। हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता हैस जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता हैस बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं।यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैंस सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ साथ सामाजिकता , प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैं।

# भारतीय क्रिकेट में बदलाव की मांग उचित

> यह भारतीय क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है, पुनर्मूल्यांकन, पुनर्संतुलन और सुधार की दिशा में निर्णायक कदम उठाने का समय है। आगे की राह में नेतृत्व में रणनीतिक बदलाव, चयन मानदंडों का पुनर्मूल्यांकन और नई प्रतिभाओं को पोषित करने की प्रतिबद्धता अवश्य ही शामिल होनी चाहिए




घटनाओं के एक उल्लेखनीय और अप्रत्याशित मोड़ में, न्यूजीलैंड ने भारतीय धरती पर भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में ऐतिहासिक जीत हासिल की, जिसने प्रशंसकों और विशेषज्ञों को चौंका दिया। यह उपलब्धि कोई छोटी उपलब्धि नहीं है, क्योंकि भारत की घरेलू पिचें, जो अपने स्पिन-अनुकूल स्वभाव के लिए जानी जाती हैं, लंबे समय से राष्ट्रीय टीम के लिए एक किला रही हैं, जिससे किसी भी मेहमान टीम द्वारा श्रृंखला जीतना दुर्लभ हो गया है। यह 3.0 की जीत न्यूजीलैंड के लिए एक अभूतपूर्व सफलता है और भारतीय क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण झटका है। इसने खेल के सभी निकायों के भीतर चिंतन की लहर और बदलाव की मांग को बढ़ावा दिया है। भारत में टेस्ट सीरीज जीतना क्रिकेट में सबसे कठिन चुनौतियों में से एक माना जाता है। ऐतिहासिक रूप से, भारत ने घरेलू मैदानों पर दबदबा बनाया है, जिसमें स्पिन के अनुकूल परिस्थितियों का लाभ उठाया गया है और विरोधियों से उच्च स्तर की अनुकूलनशीलता और कौशल की आवश्यकता होती है। न्यूजीलैंड का क्लीन स्वीप न केवल उनकी अनुकूलनशीलता को दर्शाता है, बल्कि तैयारी और रणनीति के असाधारण स्तर को भी दर्शाता है जिसने उन्हें भारत की ताकत को खत्म करने की अनुमति दी। यह जीत निस्संदेह विश्व क्रिकेट में शीर्ष दावेदार के रूप में न्यूजीलैंड की प्रतिष्ठा को बढ़ाएगी। श्रृंखला में आश्चर्यजनक हार के बाद, भारत का क्रिकेट समुदाय निराशा से भरा हुआ है, जिससे टीम की दिशा और नेतृत्व पर सवाल उठ रहे हैं। प्रशंसकों और विश्लेषकों ने भारत के असंगत प्रदर्शन पर चिंता व्यक्त की है और कोचिंग तथा चयन रैंक के भीतर आत्मनिरीक्षण की मांग की है। आलोचकों का तर्क है कि कोचिंग स्टाफ ने देश की प्रतिभा के विशाल पूल का अधिकतम उपयोग नहीं किया है, खासकर बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण के प्रमुख क्षेत्रों में। टीम प्रबंधन के लिए एक नए दृष्टिकोण की मांग की जा रही है, जिसमें कुछ लोग टीम में नए दृष्टिकोण और रणनीतियों को शामिल करने के लिए पूर्व भारतीय टेस्ट कप्तानों को विभिन्न कोचों के रूप में शामिल करने की वकालत कर रहे हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है, जिसने टीम चयन प्रक्रियाओं की बारीकी से जांच करने का आग्रह किया है। कई लोगों का मानना है कि उभरते हुए खिलाड़ियों को अधिक अवसर दिए जाने चाहिएं, ताकि स्पॉट के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित हो और एक नया जोश भरा टीम लाइनअप हो जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के दबाव को संभाल सके। इस झटके के बावजूद, विदेशी धरती पर भारत की हाया सफलताएं, जैसे कि ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में उल्लेखनीय जीत, चुनौतीपूर्ण वातावरण में टीम की लचीलापन और क्षमता की याद दिलाती हैं। इन जीतों ने वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा को मजबूत किया है, जो घर से बाहर उनकी अनुकूलन क्षमता को दर्शाता है। हालांकि, न्यूजीलैंड की मौजूदा जीत, साथ ही 2021 आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की जीत, कीवी टीम के एक दुर्जेय क्रिकेट पक्ष के रूप में खुद के विकास को रेखांकित करती है। उनकी अनुकूलन क्षमता, सामरिक प्रतिभा और अनुशासित दृष्टिकोण ने उन्हें एक ऐसी टीम बना दिया है जिसका सम्मान किया जाना चाहिए। जैसा कि यह श्रृंखला समाप्त हो गई है, यह भारतीय क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है, पुनर्मूल्यांकन, पुनर्संतुलन और सुधार की दिशा में निर्णायक कदम उठाने का समय है। आगे की राह में नेतृत्व में रणनीतिक बदलाव, चयन मानदंडों का पुनर्मूल्यांकन और नई प्रतिभाओं को पोषित करने की प्रतिबद्धता शामिल होगी। न्यूजीलैंड के लिए, यह कठिन संघर्ष वाली जीत उनके धैर्य और रणनीतिक कौशल का प्रमाण है। यह याद दिलाता है कि दृढ़ता और अनुकूलनशीलता सबसे चुनौतीपूर्ण वातावरण पर भी विजय प्राप्त कर सकती है। न्यूजीलैंड की जीत को दृढ़ संकल्प और उत्कृष्टता के प्रतीक के रूप में मनाया जाएगा, जो क्रिकेट की दुनिया में एक प्रेरणादायक उपलब्धि है। जबकि भारतीय प्रशंसक तेजी से पुनरुत्थान की उम्मीद कर रहे हैं और न्यूजीलैंड की तर्ज पर भारत की ऑस्ट्रेलिया की धरती पर जीत की उम्मीद कर रहे हैं। साथ ही यह भी सच है कि वर्ल्ड कप और अन्य सीरीज तथा मैचों में हमारे देश की क्रिकेट टीम का प्रदर्शन अब तक बहुत अच्छा भी रहा है। हमारे देश की क्रिकेट टीम दुनिया की नंबर वन टीम भी है। हमारे देश के हर खिलाड़ी का सपना और विश्वास होता है कि वो जीत हासिल करे, लेकिन खेल में हर बार हर खिलाड़ी को सफलता ही मिले, यह भी संभव नहीं। हमें अपनी टीम के शानदार प्रदर्शन को याद रखना चाहिए। अगर किसी मैच में हार भी मिलती है तो हमें अपने खिलाड़ियों का विरोध नहीं करना चाहिए और न ही हमारी टीम को निराश होना चाहिए, बल्कि टीम को अपनी हार पर मंथन करते हुए अपनी त्रुटियों को दूर करते हुए पूरे जोश के साथ अगले मैच खेलने चाहिएं। इसी के साथ यह भी कहना चाहूंगा कि भारत को ग्लासगो में 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में अपनी भागीदारी के बारे में एक महत्वपूर्ण निर्णय का सामना करना चाहिए, जिसमें बहिष्कार की मांग पर विचार जरूरी है। यह भावना इस घोषणा के बाद उभरी है कि एशियाई देशों, विशेष रूप से भारत के वर्चस्व वाले कई खेलों को इस आयोजन से बाहर रखा गया है। हॉकी, क्रिकेट, बैडमिंटन, कुश्ती, स्क्वैश और शूटिंग जैसे प्रमुख खेल, जिनमें भारतीय एथलीट लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहे हैं।

## स्वास्थ्य सेवा पर राजनीति का घिनौना चेहरा और आयुष्मान भारत की हकीकत

**डॉ. ज्ञान पाठक**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आयुष्मान भारत योजना का विस्तार करते हुए दिल्ली और पश्चिम बंगाल की आलोचना की और चिंता जताई कि इन दोनों राज्यों में वरिष्ठ नागरिक विस्तारित योजना के तहत मुफ्त इलाज का लाभ नहीं उठा पायेंगे क्योंकि ये राज्य इस योजना में शामिल नहीं हैं। राजनीतिक रूप से कहें तो दिल्ली आप का किला है और पश्चिम बंगाल टीएमसी का, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भाजपा एक दशक से पैठ बनाने की असफल कोशिश कर रही है। दोनों राज्यों में स्वास्थ्य सेवा एक राजनीतिक मुद्दा रहा है। चूंकि दिल्ली में अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं, इसलिए आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल को आयुष्मान भारत योजना को लागू न करने के लिए दिल्ली सरकार की पीएम मोदी द्वारा आलोचना पर पलटवार करना पड़ा। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना को दिल्ली में लागू करने की कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि आप सरकार सभी शहरवासियों को 1 करोड़ रुपये तक का मुफ्त इलाज मुहैया कराती है, जबकि केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा केवल 5 लाख रुपये का है। उन्होंने भारत के महालेखानियंत्रक और परीक्षक(कैग) की 2023 की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि आयुष्मान भारत योजना घोटाले से भरी हुई है। कैग की रिपोर्ट में आखिर क्या पाया गया है? हमें आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना पर उस रिपोर्ट को फिर से देखना चाहिए। इस योजना का उद्देश्य सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना, 2011 के तहत अभाव और पेशेवर मानदंडों के आधार पर आबादी के गरीब और कमजोर वर्ग के 10.74 करोड़ से ज्यादा परिवारों को द्वितीयक और तृतीयक देखभाल अस्पताल में भर्ती होने के लिए प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करना है। इसका उद्देश्य आबादी के गरीब और कमजोर वर्ग के लिए सामर्थ्य, पहुंच और देखभाल की गुणवत्ता में सुधार करना है। कैग ने इसके कार्यान्वयन में अनेक खामियां पाईं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) के रिकॉर्ड के अनुसार केवल 7.87 करोड़ लाभार्थी परिवार पंजीकृत थे, जो लक्षित परिवारों की संख्या 10.74 करोड़ (नवंबर 2022) का 73 प्रतिशत है। इसमें से 2.08 करोड़ परिवारों की पहचान 2011के रिकार्ड से की गयी थी, जैसा कि योजना दिशानिर्देशों में परिकल्पित है।जब इस निराशाजनक रिकॉर्ड की ओर ध्यान दिलाया गया, तो एनएचए ने जवाब दिया था कि भारत सरकार ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के आंकड़ों के आधार पर 12 करोड़ परिवारों को कवर करने के लिए लाभार्थी आधार के विस्तार को मंजूरी दे दी है(जनवरी 2022)। जवाब कुछ और मांगा, पर उत्तर दिया कुछ और। सीएजी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि लाभार्थी पंजीकरण की ऑनलाइन प्रणाली, लाभार्थी के दस्तावेजों को पात्र लाभार्थियों की 2011 की सूची के साथ मिलान करने के आधार पर जो मिलान विश्वास स्कोर उत्पन्न करती है, वह अप्रभावी हो गया है क्योंकि पंजीकरण के लिए आवेदनों को मिलान विश्वास स्कोर के बावजूद स्वीकृत या अस्वीकार कर दिया गया था। डेटा विश्लेषण से पता चला कि किसी व्यक्ति के पंजीकरण की स्वीकृतिध्अस्वीकृति प्रक्रिया के दौरान मिलान विश्वास स्कोर लागू नहीं किया गया था। पर्याप्त सत्यापन नियंत्रणों के अभाव में, लाभार्थी डेटाबेस में त्रुटियां देखी गयीं, जैसे अमान्य नाम, अवास्तविक जन्मतिथि, डुप्लिकेटपीएम जेएवाई आईडी, एक घर में परिवार के सदस्यों की अवास्तविक संख्या आदि। 36 मामलों में, 18 आधार संख्याओं के विरुद्ध दो पंजीकरण किये गये और तमिलनाडु में, सात आधार संख्याओं के विरुद्ध 4761 पंजीकरण किये गये। लाभार्थी पहचान प्रणाली (बीआईएस) में 11 से लेकर 7,49,820 लाभार्थियों तक एक ही या अमान्य मोबाइल नंबर के विरुद्ध कई लाभार्थियों का पंजीकरण किया गया। जम्मू और कश्मीर और लद्दाख में, 2018 से 2021 की अवधि के दौरान, एसईसीसी डेटा की सफाई के बाद एसएचए द्वारा क्रमशरू 16865 और 335 अपात्र लाभार्थियों की पहचान की गयी। छह राज्यों,केंद्र शासित प्रदेशों में, अपात्र परिवार पीएमजेएवाई लाभार्थियों के रूप में पंजीकृत पाये गये और उन्होंने योजना का लाभ उठाया था। इन अयोग्य लाभार्थियों पर चंडीगढ़ में 0.12 लाख रुपये से लेकर तमिलनाडु में ?22.44 करोड़ तक का खर्च आया। नौ राज्योंध्केंद्र शासित प्रदेशों में अस्वीकृति मामलों के प्रसंस्करण में देरी हुई। देरी एक से 404 दिनों तक की थी। सात राज्यों,केंद्र शासित प्रदेशों में सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) सेल का गठन किया गया। 12 राज्यों,केंद्र शासित प्रदेशों में आईईसी सेल का गठन किया गया। शेष राज्यों में कोई सूचना उपलब्ध नहीं थी। केवल चार राज्यों छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, मणिपुर और राजस्थान में ही आईईसी योजना तैयार की गयी थी। महाराष्ट्र में, हालांकि योजना 2020-21 में तैयार की गयी थी, लेकिन इसे लागू नहीं किया गया।14 राज्यों,केंद्र शासित प्रदेशों में, आईईसी गतिविधियों पर व्यय निर्धारित बेंचमार्क 25 प्रतिशत के मुकाबले आवंटित बजट का 0 से 20.24 प्रतिशत तक था। कई राज्यों,केंद्र शासित प्रदेशों में बुनियादी ढांचे, उपकरण, डॉक्टर आदि की कमी थी। उपलब्ध उपकरण गैर-कार्यात्मक पाये गये। कुछ सूचीबद्ध स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं (ईएचसीपी) ने न तो सहायता प्रणाली और बुनियादी ढांचे के न्यूनतम मानदंडों को पूरा किया और न ही दिशानिर्देशों के तहत निर्धारित गुणवत्ता मानकों और मानदंडों के अनुरूप थे। कई राज्यों,केंद्र शासित प्रदेशों में, बुनियादी ढांचे, अग्नि सुरक्षा उपायों, जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन, प्रदूषण नियंत्रण और अस्पताल पंजीकरण प्रमाण पत्र से संबंधित अस्पतालों के पैनल के लिए अनिवार्य अनुपालन मानदंडों का पूरी तरह से पालन नहीं किया गया। कुछ ईएचसीपीमें, पीएसजेएवाईके तहत पैनल में शामिल होने से पहले अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र समाप्त हो गये थे। कुछ ईएचसीपी निर्धारित गुणवत्ता मानकों और मानदंडों के अनुरूप नहीं थे, जो देखभाल में लाभार्थियों की सुरक्षा और भलाई के लिए महत्वपूर्ण थे और पैनल में शामिल होने के लिए अनिवार्य न्यूनतम शर्तें थीं। राज्यों,केंद्र शासित प्रदेशों में प्रति लाख लाभार्थियों पर पैनलबद्ध स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं (ईएचसीपी) की उपलब्धता बहुत कम है, असम (3.4), दादरा नगर हवेली-दमन दीव (3.6), महाराष्ट्र (3), राजस्थान (3.8) और उत्तर प्रदेश (5), आदि। इसके अलावा, प्रति एक लाख लाभार्थियों पर ईएचसीपी की उपलब्धता बिहार में 1.8ईएचसीपी से लेकर गोवा में 26.6ईएचसीपी तक थी। मणिपुर (17), त्रिपुरा (103) और उत्तराखंड (43) में 163ईएचसीपी में पैनल में शामिल होने से पहले जिला पैनल समिति (डीईसी) द्वारा भौतिक सत्यापन नहीं किया गया था।




**मेष :-** प्रतिभाओं के बावजूद हीनभाव प्रतिभाओं के लाभ से वंचित करेगा। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी।

**बृषभ :-** किसी कार्य में सफलता से उत्साह में वृद्धि होगी। भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। परिश्रम से आर्थिक लाभ मिलेगा।

**मिथुन :-** नीरस स्वभाववश रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में असमर्थ होंगे। सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी।

**कर्क :-** काफी दिनों से अवरोधित कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने के आसार बनेंगे। काफी दिनों से प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। शिक्षा की दिशा में किया गया प्रयत्न सार्थक होगा।

**सिंह :-** अच्छे कायरें से परिजनो के दिल में जगह बनायें। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। महत्वपूर्ण कायरें में लापरवाही न करें। जीवनसाथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

**कन्या :-** कर्जदारों से मन परेशान होगा। नये क्षेत्रों में प्रयास से लाभ संभव। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ होगा। नये संबंधों के सहयोग से आर्थिक कठिनाइयां दूर होंगी। प्रणय संबंध के प्रति प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

**तुला :-** भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अतः व्यावहारिक बने। भविष्य संबंधी कुछ चिंतायें मन पर प्रभावी होंगी। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरतें। कल्पनाओं में जीना छोड़े।

**वृश्चिक :-** किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। सकारात्मक सोच अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें। परिजनो के अनुकूल चलने की चेष्ठा करें।

**धनु :-** संवेदनील शरीर ग्रहों की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

**मकर :-** नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। घर में खुशहाल वातावरण रहेगा।

**कुंभ :-** कुछ व्यासायिक कारणों से घर से दूर रहना पड़ सकता है। परिजनों की सुख-सुविधा के प्रति मन चिंतित होगा। मस्त-मौला मन ब्यर्थ के कायरे में समय जाया कर महत्वपूर्ण कायरे के प्रति लापरवाह होगा।

**मीन :-** थोड़ा संयमी व धैर्यवान बने। भाग्य से प्राप्त अच्छी-बुरी सभी स्थितियों के मध्य समझौतावादी रवैया आपनायें। कुछ नई व्यस्तताएं सामने आएंगी। महत्वपूर्ण दायित्वों की पूर्ति हेतु प्रयत्न तीव्र होगा।

# न्यायपालिका और हिन्दुत्व वर्चस्ववादी परियोजना

**सुभाष गाताडे**

दुनिया में जनतंत्र पर मंडराते खतरों की तरफहाल के समय में बार बार लिखा गया है। जानकारों ने इस बात को साफ किया है कि किस तरह जनतंत्र का कवच साबित होने वाली उसकी संस्थाओं को अंदर से कमजोर करके , कार्यपालिका, विधायिका या न्यायपालिका को अंदर से खोखला करके या इन सुरक्षा कवच का अपहरण करके भी इसे बखूबी अंजाम दिया जा सकता है। भारत में जहां हम कार्यपालिका का, अर्थात उसकी विभिन्न संस्थाओं को प्रभावहीन बनाने या उन्हें सत्ताधारी पार्टियों के मातहत करने की परिघटना को बारीकी से देख रहे हैं, मगर अभी तक न्यायपालिका में आ रहे बदलावों की तरफ हमारी निगाहें कम गई हैं। गौरतलब है कि भारत में ऐसे बहुत कम कानून के विद्वान हैं या वकील हैं जिन्होंने भारत की न्यायपालिका के गति विज्ञान को बारीकी से देखा है और उसके रास्ते हमारे सामने रफ्ता-रफ्ता नमूदार हो रहे खतरों की तरफइशारा किया है। जनाब डा मोहन गोपाल, का नाम ऐसे लोगों में शुमार हैं। कानून के यह आलिम और प्रैक्टिशनर हिन्दुत्व वर्चस्ववादी ताकतों के नजरिये के बारे में और उनकी रणनीतियों के बारे में बारीक समझ रखते हैं और संविधान के हिसाब से एक धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक, समाजवादी और संप्रभु भारत को हिन्दु राष्ट्र में तब्दील करने के उनके इरादों के बारे में बताते हैं कि श्वह संविधान को उखाड़ फेंक कर नहीं बल्कि सर्वोच्च अदालत द्वारा उसकी एक हिन्दू दस्तावेज के रूप में व्याख्या करकेश् अमल में लाना चाहते हैं। कुछ वक्फा पहले श्लाईव लॉश् द्वारा आयोजित एक प्रोग्राम में बोलते हुए उन्होंने उसके गतिविज्ञान को साफकिया था। उनके हिसाब से पहला कदम है ऐसे न्यायाधीशों को अदालतों में- खासकर उच्चतम अदालतों में - तैनात करना जो अपने फैसलों के लिए संविधान से परे जाने के लिए तैयार हों, अर्थात जो लोग संविधान प्रदत्त प्रक्रियाओं के बजाय जनता की भावना या उसके एक हिस्से की आस्था की दुहाई देने के लिए भी तैयार हों य और दूसरा कदम हैरू अगर उच्चतम अदालतों में ऐसे न्यायाधीशों की तादाद बढ़ने लगती है जो धर्मशास्त्रीय हो अर्थात जो संविधान के बजाय धर्मशास्त्र में कानून का स्त्रोत ढूंढते हों, तो फिर बेहद आसान हो जाएगा कि भारत को हिन्दू धर्मतंत्र घोषित करना, उसी संविधान के तहत। अपने इस व्याख्यान में उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की सरकार और बाद में भाजपा की अगुवाई में विगत एक दशक से केंद्र में सत्ता की बागडोर संभालने के दौरान उच्च अदालतों में हुई नियुक्तियों का भी विवरण दिया था और इस बात को साफ किया था कि किस तरह न्यायपालिका में ऐसे न्यायाधीशों की अधिक नियुक्ति हो रही है, जो फैसला देते हुए संविधान से परे देखने के लिए भी तैयार हों। उनके हिसाब से सर्वोच्च न्यायालय द्वारा हिजाब मसले पर दिया हुआ बंटा हुआ फैसला इस दिशा में एक अहम मुकाम कहा जा सकता है। वैसे कानून के इस अग्रणी विद्वान को-डा मोहन गोपाल को - इस बात का कतई पूर्वाभास नहीं रहा होगा कि न्यायपालिका के इतिहास में एक दिन ऐसा भी आएगा कि खुद भारत के सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश सार्वजनिक तौर पर इस बात का ऐलान करेगा कि अहम कानूनी फैसलों में कम से कम वह संविधान से कम बल्कि अपनी व्यक्तिगत आस्था या उनके अपने देवता की श्सलाहश् पर निर्भर रहते हैं। ध्यान रहे यह बात उन्होंने अपने पूरे होशोहवास में अपने पुश्तैनी गांव में एक जनसभा में कही। दरअसल मुख्य न्यायाधीश की इस स्वीकारोक्ति का एक दिलचस्प साईड इफेक्ट साफदिख रहा है। वह है बाबरी मस्जिद विवाद को लेकर सामने आए विवादास्पद फैसले के अब तक श्अज्ञातश् रहे पहलू का। मालूम हो तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई के तहत बनी पांच सदस्यीय पीठ ने इस फैसले दौरान कुछ बातें बिल्कुल साफ की थी कि वर्ष 1948 में तत्कालीन बाबरी मस्जिद में दक्षिणपंथी तत्वों द्वारा चोरी से राम की मूर्तियां स्थापित करने का काम श्गैरकानूनीश् था तथा 1992 में जब बाबरी मस्जिद के विध्वंस को अंजाम दिया गया तो वह श्खुल्लमखुल्ला कानून केराज का उल्लंघनश् था। यह अलग बात है कि आला अदालत ने उन्हीं उल्लंघनकर्ताओं को उसी विवादास्पद स्थान पर मंदिर बनाने का जिम्मा सौंपा था। याद रहे भले ही पांच सदस्यीय पीठ ने इस फैसले को अंजाम दिया हो, मगर इस पर किसी के दस्तखत नहीं थे। शायद आजाद हिन्दोस्तां का यह पहला मुकदमा रहा होगा, जहां औपचारिक तौर पर उसका कोई एक ऑथर अर्थात प्रदत्त करने वाला नहीं है। अब तक इसकी कोई वजह साफ नहीं थी कि पांच गणमान्यों में से किसी ने भी इस पर अपने दस्तखत क्यों नहीं किए, यह कहा जा सकता है कि जिस तरह वेदों को अपौरूषेय अर्थात ईश्वर द्वारा निर्मित कहा जाता है तो शायद भविष्य की पीढ़ियां भी इस मसले पर यही कहें। कहा जाता है कि एक सच्चा धार्मिक व्यक्ति, अपने ईश्वर,खुदा के साथ अपने संवाद को, अपनी प्रार्थना को बेहद निजी मामला बनाए रखना चाहता है ताकि उसमें कोई विघ्न न आए।

यह अलग बात है कि मुख्य न्यायाधीश जनाब चंद्रचूड़ द्वारा जिस तरह प्रधानमंत्री को पूजा के लिए आमंत्रित किया गया और फिर इस निजी आयोजन को पूरी तरह सार्वजनिक किया गया, सरकार से सम्बद्ध गोदी चौनलों ने उसका पूरा प्रसारण करने दिया गया, इसका अर्थ यही निकलता है कि प्रधानमंत्री मोदी और निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश में भी एक अन्य समानता है। दोनों अपने इस निजी प्रसंगों का सार्वजनिक प्रदर्शन करने में कोई गुरेज नहीं होता बल्कि दोनों इसे चाहते हैं। अभी ज्यादा महीना नहीं बीता जब मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने गुजरात के द्वारकाधीश मंदिर को भेंट दी थी, जहां वह हल्का केसरिया वस्त्र भी पहने दिख रहे थे। मंदिर की यात्रा छिपी रह जाती, अगर उसके बाद उन्होंने राजकोट में अदालत की नयी इमारत के उद्घाटन के अवसर पर कुछ विवादास्पद बातें नहीं कही होती। संविधान की कसम खाकर मुख्य न्यायाधीश बने जनाब चंद्रचूड़ ने उद्घाटन के अवसर पर कहा कि किस तरह वह द्वारकाधीश मंदिर के ध्वज से प्रेरित हुए थे - जो जगन्नाथ पुरी में लगे ध्वज की तरह ही था और किस तरह यह ध्वज श्हमारे राष्ट्र की सार्वभौमिकता की परम्परा की नुमाइन्दगी करते हैं, जिसने हमें एक साथ जोड़े रखा है। वैसे यह आकलन करने के लिए अधिक विवेक की जरूरत नहीं है कि भारत जैसे एक धर्मनिरपेक्ष मुल्क में - जिसने स्वाधीनता हासिल करने के बाद से ही सर्व धर्म समभाव की नीति अपनायी है, धर्म के आधार पर, सम्प्रदाय के आधार पर किसी के साथ भेदभाव करने का संकल्प लिया है - जहां तिरंगा एकमात्र ऐसा ध्वज समझा जाता है जो हम सभी को जोड़े रखता है, वहां एक संवैधानिक ऑथॉरिटी द्वारा खास धर्म के ध्वज की हिमायत करना, निश्चित ही उसकी मर्यादा का उल्लंघन कहा जा सकता है। जनाब चंद्रचूड़ के बारे में यह कहा जाता है कि अपने सार्वजनिक व्याख्यानों में वह न केवल अद्भुत वक्ता के तौर पर दिखते हैं बल्कि वहां पर वह हमेशा ही संविधान के सिद्धांतों एवं मूल्यों की हिफाजत करने पर जोर दते हैं, मातहत अदालतों द्वारा अभियुक्तों को जमानत दिए जाने के मामले में विलंब करने पर उन्होंने एक तरह से उनकी आलोचना भी की है कि उन्हें श्जमानत की नियम है, अपवाद नहींश् इस समझदारी पर चलना होगा। यह अलग बात है कि उनके इस कार्यकाल में ही उत्तर पूर्वी दिल्ली दंगों के कई अभियुक्त - चार साल से जेल में ही बिना जमानत के सड़ रहे हैं। यह एक ऐसा मसला है कि जिसकी ओर दुनिया की निगाह गयी है। अब जनाब चंद्रचूड़ का कार्यकाल समाप्ति की ओर है और अखबारी रिपोर्टों के मुताबिक वह इस बात के प्रति बेचौन हैं कि इतिहास उन्हें कैसे याद रखेगा।

## चार आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा

**लालगंज, प्रतापगढ़।** कोतवाली पुलिस ने दो नामजद व दो अज्ञात के खिलाफ पीड़िता व उसके पति पर जानलेवा हमले को लेकर हत्या के प्रयास व तोडफोड समेत गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। लालगंज के महिमा का पुरवा सराय रायजू निवासी गुडडू सरोज की पत्नी गुंजन देवी ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती पचीस अक्टूबर को दिन में दो बजे वह घर पर मौजूद थी। इस बीच पीड़िता के घर पर लगे बिजली केबिल को विपक्षी तोडने लगे। मना करने पर विपक्षी गांव के रामदुलारे के पुत्र राजेन्द्र व रामदुलारे पुत्र शोभा तथा दो अज्ञात गाली देने लगे। इस बीच पीड़िता का पति गुडडू भी गालीगलौज सुन घर पहुंचा। तब विपक्षियों ने उस पर भी लाठी डण्डे से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में पीडिता का पति बेहोश हो गया। विपक्षियों ने केबिल का तार तोड दिया। शोर मचाने पर जानलेवा धमकी देते चले गये। तहरीर पर पुलिस ने आरोपी राजेन्द्र समेत चार के खिलाफ केस दर्ज किया है।

## आज विविध कार्यक्रमों में शामिल होंगी विधायक मोना

**लालगंज, प्रतापगढ़।** क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना आज मंगलवार को एक दिवसीय रामपुर खास के दौरे पर आएंगी। वह पूर्वान्ह साढ़े ग्यारह बजे लालगंज कैम्प कार्यालय पर कार्यकर्ताओं से मुलाकात व जनसमस्याओं की सुनवाई करेंगी। अपरान्ह तीन बजे चमरूपुर भोजपुर में हो रही श्रीमदभागवत कथा में शामिल होंगी। इसके बाद राजमतीपुर गांव में विधायक आराधना मिश्रा मोना गायत्री महायज्ञ एवं प्रज्ञा पुराण के कार्यक्रम में शामिल होगी। दिन में ढ़ाई बजे विधायक मोना बाबा घुइसरनाथ धाम में दर्शन पूजन तथा पर्यटन विकास योजनाओं की समीक्षा करेंगी।

# कलश मंगल का प्रतीक है

**⇨ श्री श्री 1०8 श्री नारायण दास जी महाराज**

**तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय**

सीतापुर। कलश मंगल का प्रतीक है इसको सुख शांति समृद्धि वैभव और मंगल कामनाओं का प्रतीक माना गया है यह बात श्री विष्णु महायज्ञ विराट संत सम्मेलन बाबा लाल दास आश्रम नयागांव की कलश यात्रा को सम्बोधित करते हुए श्री श्री 1०8 श्री नारायण दास जी महाराज उर्फ डंका वाले बाबा अध्यक्ष चौरासी कोसी परिक्रमा ने सम्बोधित करते हुए कही। महंत ने कहा जो कलश यात्रा में शामिल होते हैं उन पर ईश्वर की विशेष कृपा होती है सिर पर कलश रखने से परिवार में समृद्धि सम्पन्नता और उम्र बढ़ती है इसीलिए सभी को कलश यात्रा में सम्मिलित होना चाहिए । विमल बजरंगी प्रांत धर्माचार्य संपर्क प्रमुख ने कहा कलश यात्रा से सुमति बढ़ती है इसको जो धारण करता है उसकी आत्मा भी पवित्र होती है । यज्ञ आचार्य पण्डित आशुतोष दीक्षित ने कहा कलश को ईश्वर का बर्तन माना जाता है इसमें सारे देवी देवता विराजमान होते हैं कलश को महिलाओं के द्वारा सिर पर रखकर भ्रमण करने पर धरा सिद्ध होती है। उन्होंने कहा कि कलश के मुख में भगवान विष्णु कंठ में भगवान शिव और मूल में ब्रह्मा स्थित होते हैं कलश के मध्य भाग में देवीय मात् शक्तियां निवास करती हैं ।उन्होंने कहा जिन बेटियों का विवाह ना हो रहा है और यदि वह अपने सिर पर कलश को धारण करती हैं तो उनके सुहाग वाली रेखा सही हो जाती है जिस कारण विवाह होने के योग बन जाते हैं विवाहित स्त्री कलश यात्रा में सम्मिलित होती हैं तो परिवार में धन संपदा श्रेष्ठता बढ़ती है। यज्ञ समिति के महामंत्री ने बताया कि आज कलश यात्रा थी पांच नवंबर से 11 नवंबर तक नियमित वैदिक मन्त्रों के साथ यज्ञ,प्रवचन, कन्या भोज आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कलश यात्रा में श्री श्री 1०8 श्री नारायण दास महाराज( डंका वाले बाबा) अध्यक्ष चौरासी कोसी परिक्रमा,विमल बजरंगी प्रांत धर्माचार्य सम्पर्क प्रमुख समिति के समस्त पदाधिकारी एवं सैकड़ो की संख्या में महिला पुरुष, बच्चों ने सम्मिलित होकर पुण्य अर्जित किया।

## मुकदमा के समझौता को लेकर घर में घुसकर मारपीट कर किया घायल

**भोगनीपुर कानपुर देहात।** सटटी थाने के शाहजहांपुर गांव में दहेज प्रथा के मुकदमा के समझौता को लेकर घर में घुसकर मारपीट कर घायल कर दिया। थाना पुलिस ने घायल को राजपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गये जहां से डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर किया। सटटी थाना क्षेत्र के शाहजहांपुर गांव निवासी नसीर अहमद ने थाना पुलिस को लिखित शिकायत देते हुए बताया कि बेटी अंजुम तारा का ससुराल वालों से दहेज प्रथा का मुकदमा चल रहा है। रविवार शाम करीब 5ः०० बजे ससुराल पक्ष के नफीसा पत्नी हबीबुल हसन हसीम पुत्र हबीबुल चश्मुद्दीन निवासी याकूबपुर थाना बेला जिला औरैया व हबीब पुत्र घसीटे निवासी जलालपुर थाना बरौर ने घर में घुसकर पुत्र सलमान के साथ फौड़े के बेट से मारपीट कर बुरी तरीके से घायल कर दिया। घर में छोटी बेटी गुड़िया के रोने चिल्लाने पर ग्रामीणों ने मौके पर जब तक पहुंचे तब तक आरोपी मारपीट कर जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए ।वहीं घायल अवस्था में राजपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र राजपुर ले गए जहां डॉक्टरों ने गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं सटटी थाना प्रभारी संजेश कुमार ने बताया कि पिता ने लिखित शिकायत दी है आरोपियों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

## गाजियाबाद घटना के विरोध में एसडीएम को अधिवक्ताओं ने सौंपा ज्ञापन

**मैथा कानपुर देहात।** बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के आवाहन पर लायर्स एसोशिएसन मैथा के अधिवक्ताओं ने अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह की अगुवाई में हाथों में काली पट्टी बांध कर न्यायिक कार्य से विरत रहते हुए घटना के विरोध में पुलिस प्रशासन व दोषी अधिकारियों के खिलाफ तहसील परिसर में जमकर नारेबाजी करते हुए एसडीएम सुरभि शर्मा को ज्ञापन सौंपते हुए विरोध दर्ज करवाया। अधिवक्ताओं ने कहा 29 अक्टूबर को गाजियाबाद कोर्ट परिसर के अंदर पुलिस द्वारा बर्बरता पूर्वक लाठी चार्ज किया गया। जिससे देश व प्रदेश के सभी अधिवक्ताओं में आक्रोश व्याप्त है। लायर्स एसोशिएसन मांग करती है कि उक्त प्रकरण में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाये तथा अधिवक्ता सुरक्षा कानून लागू किया जाये। इस मौके पर अधिवक्ता उमाकांत त्रिपाठी, विनोद अवस्थी, राजीव दीक्षित, अंकित सिंह चन्देल, देवेंद्र त्रिपाठी, शारदा शंकर शुक्ला, आशुतोष पाण्डेय, विजय कांत दीक्षित, जनार्दन सिंह यादव, अंकित द्विवेदी, रवी द्विवेदी, मोनू पाण्डेय, रविकांत कमल, प्रमोद कुमार, ईशू सिंह, मुकेश, संदीप द्विवेदी, राहुल यादव, शिवकुमार, रणविजय सिंह, सच्चिदानन्द अग्निहोत्री, नीरज वर्मा, सलमान , बली शंकर ,तेज बहादुर , अमित प्रताप सिंह, आरबी सिंह, पंकज कमल सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

### भैया दूज पर्व पर बहनों ने की भाइयों के लम्बी उम्र की कामना

**राजपुर कानपुर देहात।** दीपावली व भाई दूज पर्व को लेकर कस्बा राजपुर पहुंचे प्रमुख समाजसेवी सुमित सचान ने कस्बा वासियो को भाई दूज की बधाई दी।कहा कि दीपावली का पर्व और भाई दूज का पर्व आपसी भाईचारा व सौहार्द लेकर आता है।कहा कि भाई दूज के पर्व का हिंदू धर्म में खास महत्व है। इसे भाई टीका, भाऊबीज, भाई फोंटा या भ्रातृ द्वितीया के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन बहनें अपने भाइयों की लंबी उम्र, खुशी और कल्याण के लिए प्रार्थना करती हैं और उनका तिलक करती हैं।

## न्यायालय परिसर में अकारण हुए लाठीचार्ज से नाराज अधिवक्ताओं ने रसूलाबाद तहसील में की हड़ताल

**जिसके चलते सोमवार को न्यायिक कार्य हुआ प्रभावित**

**रसूलाबाद कानपुर देहात।** उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में न्यायालय परिसर में अकारण अधिवक्ताओं पर लाठी चार्ज से नाराज अधिवक्ताओं ने सोमवार को रसूलाबाद तहसील में हड़ताल की। जिसके चलते न्यायिक कर प्रभावित रहे। बार काउंसिल आफ यूपी के निर्देश पर सभी अधिवक्ता न्यायिक कार्य से सोमवार को विरत रहे। जिसे तहसील आने वाले लोग भी परेशान दिखे। यहां तक की संपूर्ण समाधान दिवस में भी फरियादियों की संख्या नाम मात्र की रही। अध्यक्ष कुलदीप अवस्थी ने बताया कि गाजियाबाद में न्याय भवन के अंदर निहत्थे अधिवक्ताओं पर पुलिस द्वारा लाठी चार्ज कराया गया जो की आपराधिक कृत्य है। जिससे तमाम अधिवक्ताओं में उबाल है। उन्होंने कहा कि यदि अधिवक्ताओं की मांगे पूरी नहीं हुई तो यह लड़ाई आगे बढ़ती जाएगी। अधिवक्ता सुशील शुक्ला, सुमित पांडेय, एमपी सिंह, विजय प्रकाश त्रिपाठी, हरनाम सिंह, कमलेश संखवार, उदयवीर सिंह, बलराम सिंह आदि ने गाजियाबाद की घटना पर नाराजगी जाहिर की। इसके बाद लॉयर्स एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष सुशील कुमार शुक्ला के चेंबर पर अधिवक्ता भुवनेन्द्र यादव के पिता के निधन पर अधिवक्ताओं ने 2 मिनट का मौन रखा और श्रद्धांजलि अर्पित की।

## आदर्श रामलीला कमेटी सत्संग मंडल उसरी बिल्हाकी द्वारा विशाल दंगल व रामलीला का किया गया आयोजन

**रसूलाबाद कानपुर देहात।** ब्रह्मलीन श्री श्री स्वामी 1००8 स्वामी श्री गणेशानंद जी महाराज के तत्वाधान में आदर्श रामलीला कमेटी सत्संग मंडल उसरी बिल्हा की ओर से विशाल दंगल व भव्य रामलीला का आयोजन चल रहा है। जहां प्रथम दिवस पर पानी टंकी के निकट स्थित मैदान में विशाल दंगल का आयोजन किया गया। जहां प्रदेश के कई कोनों से आए पहलवानों ने दंगल के मैदान में अपनी ताकत की जोर आजमाइश की। सोमवार को उसरी बिल्हा के मध्य स्थित दंगल मैदान में विगत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी विशाल दंगल का आयोजन किया गया।

दंगल का उदघाटन उसरी निवासी उपनिरीक्षक विनय सिंह गौर व सेवानिवृत्त उप निरीक्षक शिशुपाल सिंह गौर ने किया। उन्होंने पहली कुश्ती जान मोहम्मद पहलवान शिवली व इमरान पहलवान नौगवां मैथा के बीच कुश्ती का हाथ मिलवाया। पहली कुश्ती बराबरी पर रही। जबकि दूसरी कुश्ती श्रीराम भटेलनपुरवा वहीं दूसरी कुश्ती व राजेश पनकी के बीच हुई जिसमें श्री राम ने राजेश को करारी हार दी। इसके बाद रोहित मथुरा व सोनी कुरुक्षेत्र के बीच हुई कुश्ती में रोहित की जीत हुई जबकि आशू आगरा व सोनू अंबाला के बीच में कुश्ती बराबरी पर छूटी। पूरे दंगल में संदीप हरियाणा और बाबा अयोध्या हनुमान गढ़ी की कुश्ती सबसे रोमांचक रही। जिसमें इस कुश्ती ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरी। इस मौके पर प्रमुख रूप से समाजसेवी हरगोविंद सिंह गौर, देवेंद्र सिंह गौर, ज्ञानू सिंह, छमन खान ,मनोज पाल, घनश्याम शुक्ला, मुन्ना चौहान, संदीप पाटिल, शिवम दिक्षित, नीलेंद्र कुशवाहा, रोहित सिंह गौर, दलजीत सिंह, बच्चू सिंह गौर, कुलदीप,छोटे लल्ला उपस्थित रहे।

## युवक रेलवे ट्रैक पार करते समय आया ट्रेन की चपेट में

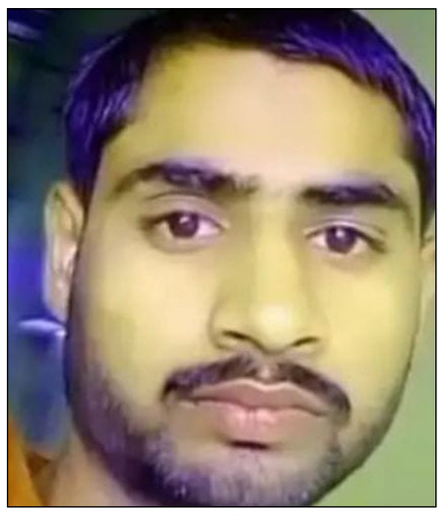

**सन्दलपुर कानपुर देहात।** मंगलपुर थाना क्षेत्र के परजनी रेलवे स्टेशन के पास एक युवक रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आ गया जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई सूचना पर पहुंची पुलिस नें सिनाख्त कराते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया मिली जानकारी के अनुसार औरंगाबाद निवासी प्रदीप कुमार पुत्र छोटेलाल दिल्ली में प्राइवेट नौकरी करते थे। वह दीपावली पर गाँव आये थे आज वह दिल्ली वापस जाने के लिए घर से निकले थे तभी वह वह परजनी रेलवे स्टेशन की तरफ ट्रेन पकड़ने जा रहे थे। तभी डीएफसी लाइन पर रेलवे ट्रैक पार करते समय संदीप संदीघड परिस्थितिओं में ट्रेन की चपेट में आ गया। जिससे उनकी घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई रेलवे स्टेशन मास्टर की सूचना मंगलपुर थाना क्षेत्र की कंचौसी पुलिस नें शव कों कब्जे में लेकर जाँच पड़ताल करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

# उत्तर प्रदेश विधानसभा उपनिर्वाचन की 9 सीटों पर होने वाले उपनिर्वाचन की मतदान तिथि संशोधित

**⇨ अब 13 नवम्बर के स्थान पर 2० नवम्बर को उपनिर्वाचन क्षेत्रों में होगा मतदान**
**⇨ 9 उपनिर्वाचन क्षेत्रों की मतगणना 23 नवम्बर को यथावत करायी जायेगी**

**लखनऊ।** भारत निर्वाचन आयोग ने उत्तर प्रदेश विधानसभा उपनिर्वाचन की 9 सीटों पर होने वाले उपनिर्वाचन की मतदान तिथि बढ़ा दी है। संशोधित तिथि के अनुसार 13 नवम्बर (बुधवार) के स्थान पर 2० नवम्बर (बुधवार) को अब मतदान सम्पन्न होगा। मतगणना एवं निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण करने की तिथि यथावत् रहेगी अर्थात् मतगणना 23 नवम्बर एवं निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण करने की तिथि 25 नवम्बर, 2०24 रहेगी। अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी चन्द्रशेखर ने बताया कि विभिन्न राजनैतिक दलों (जिसमें भारतीय जनता पार्टी, इण्डियन नेशनल कांग्रेस, बहुजन समाज पार्टी एवं राष्ट्रीय लोक दल सम्मिलित हैं) तथा कतिपय सामाजिक संगठनों से 13 नवम्बर, को बड़े पैमाने पर सामाजिक, सांस्कृतिक तथा धार्मिक व्यस्तताओं के कारण बड़ी संख्या में लोगों की असुविधा एवं मतदाताओं की भागीदारी कम होने संबंधी प्राप्त प्रत्यावेदनों में किये गये अनुरोध के क्रम में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उप निर्वाचन हेतु मतदान तिथि में संशोधन किया गया है। भारत निर्वाचन आयोग के जारी कार्यक्रम के अनुसार 16-मीरापुर (जनपद-मुजफ्फरनगर), 29-कुन्दरकी (जनपद-मुरादाबाद), 56-गाजियाबाद (जनपद-गाजियाबाद), 71-खैर (अ०जा०) (जनपद अलीगढ़), 11०-करहल (जनपद-मैनपुरी), 213-सीसामऊ (जनपद-कानपुर नगर), 256-फूलपुर (जनपद-प्रयागराज), 277-कटेहरी (जनपद-अम्बेडकर नगर) एवं 397-मझवां (जनपद-मिर्जापुर) विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों में अब 2० नवम्बर, 2०24 को उप निर्वाचन कराया जायेगा।

### नेहरू युवा केन्द्र के वीर अब्दुल हमीद युवा मंडल के तत्वाधान में खेल प्रतियोगिता हुआ आयोजन

सिकंदरा कानपुर देहात। नेहरू युवा केंद्र के वीर अब्दुल हमीद युवा मंडल अध्यक्ष मोहम्मद मारूफ के द्वारा खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें दौड़ में प्रथम स्थान प्रिया ने प्राप्त किया राष्ट्रीय एकता दिवस सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती पर विद्यालय में खेल प्रतियोगिता संपन्न हुई युवा मंडल अध्यक्ष मोहम्मद मारूफ ने पुरस्कार वितरण किया।

## सिठमरा गांव में नाबालिग की हत्या के तीन दिन बाद तनाव पूर्ण माहौल में हुआ अंतिम संस्कार

**गांव के लोगों ने नम आंखों से दी विदाई**

**रूरा कानपुर देहात।** सिठमरा गांव में तीन दिन पहले शनिवार की शाम पटाखे चलाने को लेकर दो पक्षों में विवाद के बाद नाबालिग की गला रेत कर हत्या कर दी गई थी हत्या के बाद गांव में तनाव का माहौल उत्पन्न हो गया था तनाव बढ़ता देख भारी पीएसी व पुलिस बल तैनात किया गया था हत्या के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर परिजनों ने 3 दिन पूरे होने के बाद जब कल शाम मृत आर्यन का शव गांव पहुंचा जिसके बाद परिजनों ने हंगामा करते हुए हत्यारोपियों की गिरफ्तारी की मांग की प्रशासनिक अधिकारियों के समझाने के बाद भी मृतक आर्यन के परिजनों ने रात तक अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया। सोमवार को प्रशासनिक अधिकारियों की ओर से हत्यारों की गिरफ्तारी और जल्द न्याय दिलाने का आश्वासन पर परिजनों द्वारा शव का अंतिम संस्कार किया गया।

## विकास खण्ड स्तरीय रबी कृषि निवेश मेलों का 7 से 13 नवम्बर तक होगा आयोजन: उप कृषि निदेशक

**प्रतापगढ़।** जिले में उप कृषि निदेशक विनोद कुमार यादव ने सोमवार को बताया है कि विकास खण्ड के कृषकों को अत्याधुनिक कृषि तकनीकी ज्ञान कराने हेतु विकास खण्ड स्तरीय किसान गोष्ठी/कृषि निवेश मेला का आयोजन किया जाना है जिसमें कृषि के विभिन्न पहलुओं पर कृषकों की वैज्ञानिक एवं कृषि विशेषज्ञों से चर्चा तथा कृषि की उत्पादकता बढ़ाने हेतु प्रसार अधिकारी/प्रगतिशील किसान, कृषि निवेश आपूर्तिकर्ता तथा वैज्ञानिकों/विशेषज्ञों के साथ बैठकर विकास खण्ड के आवश्यकतानुसार सूक्ष्म नियोजन कर उत्पादन बढ़ाने की रणनीति तैयार की जायेगी। कृषि सूचना तन्त्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रमत योजनान्तर्गत जनपद के विकास खण्डों में दिनांक ०7 नवम्बर से 13 नवम्बर को पूर्वान्ह 1० बजे से विकास खण्ड मुख्यालय (विकास खण्ड कालाकांकर को छोड़कर) के प्रांगण विकास खण्ड स्तरीय रबी कृषि निवेश मेला का आयोजन राजकीय कृषि बीज भण्डार प्रभारी द्वारा किया जायेगा। उन्होने बताया है कि विकास खण्ड स्तरीय कृषि निवेश मेलों का आयोजन ०7 नवम्बर को विकास खण्ड लालगंज, पट्टी, मानधाता के विकास खण्ड मुख्यालय पर किया जायेगा तथा विकास खण्ड कालाकांकर में मेले का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र ऐंठू कालाकांकर में किया जायेगा। इसी प्रकार विकास खण्ड स्तरीय कृषि निवेश मेलों का आयोजन दिनांक ०8 नवम्बर को विकास खण्ड मंगरौरा, बिहार, सांगीपुर व शिवगढ़ में, दिनांक 11 नवम्बर को विकास खण्ड बाबागंज, रामपुर संग्रामगढ़, आसपुर देवसरा व गौरा में, दिनांक 12 नवम्बर को विकास खण्ड लक्ष्मणपुर, बेलखरनाथधाम व सण्ड़वा चन्द्रिका में तथा दिनांक 13 नवम्बर को विकास खण्ड सदर व कुण्डा में विकास खण्ड मुख्यालय पर किया जायेगा।

## मैथा में एसडीएम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

**5 शिकायतें में से 1 का मौके पर निस्तारण**

**मैथा कानपुर देहात।** माह के प्रथम शनिवार को अन्नकूट/गोवर्धन पूजा अवकाश होने के कारण सोमवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन एसडीएम सुरभि शर्मा की अध्यक्षता में किया गया। जानकारी के अभाव में शिकायत कर्ताओं की संख्या कम रही। कुल ०5 शिकायत कर्ताओं ने शिकायतें दर्ज करवाईं।जिसमें राजस्व की ०2 जल निगम की ०1एसडीओ सिंचाई विभाग की ०2 शिकायतें दर्ज हुई। राजस्व की ०1 शिकायत का मौके पर निस्तारण किया गया। एसडीएम सुरभि शर्मा ने कहा कि प्राप्त समस्याओं/शिकायतों के ससमय गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर सभी अधिकारी विशेष ध्यान दे। इस मौके तहसीलदार सुनील कुमार नायब तहसीलदार अनुरुद्ध कुमार कानूनगो, सुरेन्द्र सिंह, नन्दकिशोर एडीओ आईएसबी संजय मिश्रा, खण्ड शिक्षाधिकारी, सपना सिंह, प्रभारी सीडीपीओ विमला सचान, एडीओ पंचायत हरीओम सक्सेना सहित तहसील व ब्लाक स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

## कड़ी सुरक्षा के बीच गड्ढ़े में दफन हुआ वृद्ध का कंकाल

**लालगंज, प्रतापगढ़।** कोतवाली क्षेत्र में वृद्ध के खेत में मिले कंकाल को सोमवार की देर शाम कडी पुलिस सुरक्षा में परिजनों ने दफन किया। परिजनों ने गांव से एक किलोमीटर दूर पर गडढ़ा खोदकर कंकाल को दफन कर दिया। कंकाल के दफन हो जाने के बाद पुलिस व प्रशासन ने राहत की सांस ली। लालगंज के धारूपुर निवासी स्व० रामलाल गौतम का पुत्र शंकरलाल गौतम बीती छब्बीस अक्टूबर को घर से निकला तो वापस नही आया। खोजबीन के बावजूद भी मृतक का पता न लगने पर परिजनों ने अटठाईस अक्टूबर को थाने में तहरीर दी। तहरीर पर पुलिस ने मृतक शंकरलाल की गुमशुदगी का केस दर्ज किया। रविवार को धान काटने गये ग्रामीणों ने खेत में कंकाल देखा तो चीखने लगे। कुछ देर बाद वहां मौजूद कपड़े तथा घड़ी देखकर परिजनों ने कंकाल की शिनाख्त शंकरलाल के रूप में की। इसके बाद सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। देर शाम जिले के अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी संजय राय ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। मृतक के परिजनों ने शंकरलाल की हत्या की आशंका जतायी है। सोमवार को पीएम के बाद शव घर पहुंचा तो कोहराम मच गया। मृतक के परिजनों ने पहले एक स्थान पर कंकाल को दफन करने के लिए गडढा खुदवाया। यहां गडढ़े को लेकर एक व्यक्ति ने अपनी जमीन बताकर आपत्ति जतायी। घंटो कहासुनी के बाद परिजनों ने दूसरी जगह गडढा खुदवाया। इसके बाद कंकाल को गडढे मे दफन किया गया। एहतियातन पुलिस फोर्स तैनात रही। वहीं मृतक के परिजनों ने सोमवार को पुलिस को शव की पहचान के बाबत पुष्टि की तहरीर पुलिस को सौंपी। प्रभारी निरीक्षक नीरज यादव का कहना है कि घटना की जांच की जा रही है, पीएम रिपोर्ट की प्रतीक्षा है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद जरूरी कार्रवाई की जाएगी।

### पारसनाथ त्रिपाठी के आकस्मिक निधन पर जतायी गयी शोक संवेदना

**लालगंज, प्रतापगढ़।** नगर पंचायत दीवानी वार्ड निवासी समाजसेवी पारसनाथ त्रिपाठी 8० का सोमवार को आकस्मिक निधन हो गया। वह सामाजिक कार्यकर्ता शिवदर्शन त्रिपाठी लालजी के पिता भी थे। निधन पर राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने परिजनों से फोनिक वार्ता कर संवेदना जतायी। वहीं चेयरपर्सन अनीता द्विवेदी, प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, ब्लाक प्रमुख अमित सिंह पंकज, अनिल त्रिपाठी महेश, अधिवक्ता हरेकृष्ण त्रिपाठी, विभाकर नाथ शुक्ल, राजेश तिवारी, भानु प्रताप सिंह, जमुना प्रसाद तिवारी, ओमप्रकाश तिवारी झुन्ना, आचार्य दिवाकर नाथ शुक्ल, पं. गिरीश मिश्र, करूणाशंकर मिश्र प्रदीप, राजेश दुबे, कौशलेन्द्र त्रिपाठी, रामेश्वर प्रसाद त्रिपाठी, आचार्य विनोद मिश्र, दयाशंकर त्रिपाठी, रमाशंकर त्रिपाठी आदि ने पारसनाथ के सामाजिक योगदान को अविस्मरणीय बताया।

# किसानों के लिए डी ए पी की किल्लत,दूसरी तरफ खुलेआम हो रही काला बाजारी - किसान मंच

➲ पूर्व में की गई शिकायतों पर जांचोपरांत आरोप सिद्ध होने के बावजूद कोई कार्रवाई न होने पर तीस नवंबर से होगा अनिश्चित कालीन धरना

**तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय**

सीतापुर। जिला मुख्यालय के मोहल्ला मुंशीगंज स्थित किसान मंच के कार्यालय पर आयोजित मासिक बैठक में किसानों के ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान जिला अध्यक्ष राकेश बाजपेई ने कहा कि समूचे जनपद में किसान भाइयों को डी ए पी उपलब्ध नहीं हो पा रही है, वहीं दूसरी तरफ कागजों पर खपत दर्ज कर भृष्ट जिम्मेदारों द्वारा खुलेआम कालाबाजारी की जा रही है। महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष अल्पना सिंह ने कहा विनियमित क्षेत्र की जमीन पर चल रही अवैध प्लाटिंग पर रोक और कार्यवाही का ढिंढोरा पीट रहा जिला प्रशासन वास्तविकता में कोई कार्यवाही न करके इसे आमदनी का जरिया बना रखा है वरना अभी तक हो रही अवैध प्लाटिंग में व्यस्त भू माफियाओं के विरुद्ध कार्रवाई का विगुल बज चुका होता।जिला संयोजक नवल किशोर मिश्र ने समूचे जनपद में नहरों के टोल तक पानी न पहुंचने का मुद्दा उठाते हुए कहा कि विगत वर्ष नहर सफाई के नाम पर की गई सफाई सिर्फ कागजों तक सीमित थी,और भुगतान हो गया। यही कारण है कि समय पर किसानों को सिंचाई के लिए तरसना पड़ रहा है। महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश उपाध्यक्ष मुन्नी देवी ने समाज कल्याण विभाग में व्याप्त भृष्टाचार का मुद्दा उठाया और कहा कि वर्षों पहले वृद्धावस्था पेंशन हेतु जमा पात्र लोगों के फार्म फाइलों में बंद हैं और सिर्फ दलालों के माध्यम से सुविधा शुल्क लेकर योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। राष्ट्रीय सचिव/प्रदेश प्रभारी शिव प्रकाश सिंह ने कहा कि उच्च अधिकारियों द्वारा साक्ष्यों और प्रमाणों के साथ की गई शिकायतों में जांचोपरांत दोषियों के विरुद्ध किए गए कार्यवाही आदेश पर भी जिम्मेदार कोई कार्यवाही नहीं कर रहे,और इसे लूट का जरिया बना रखा है।शीघ्र ही उपरोक्त सभी मुद्दों साक्ष्य व प्रमाणों के साथ किसान मंच द्वारा ज्ञापन दिया जाएगा।और कार्यवाही न होने पर संगठन द्वारा तीस नवंबर 2024 से धरना स्थल पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा।जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। आज की बैठक में श्रीकृष्ण पाल,राम चंद्र मौर्या, आराधना सिंह,रमाकांत दीक्षित,हाशमी बेगम,राम कुमार,मीरा देवी,कृष्ण पाल सिंह,सुभाष सहित पदाधिकारी साथी उपस्थित थे।

## पुलिस का कॉलर पकड़ने पर मौके पर पहुँची फोर्स ने युवक को लिया हिरासत में

सुलतानपुर। प्रकरण कूरेभार थाना क्षेत्र के सिद्ध गणेशपुर क्षेत्र का है। जहां पर गाड़ी भिड़ंत को लेकर पड़ोस के गांव के दो लोग भिड़ गए। जिसमें से एक कर्मचारी एनएचआई ड्यूटी के लिए जा रहा था, तभी गांव में पक्ष और विपक्ष के वाहन आपस में टकरा गए। मामला बढ़ता देख कूरेभार पुलिस बीच बचाव के लिए मौके पर पहुंची तो वहां गुस्से में लाल पीले एक पक्ष के युवक ने सिपाही का कॉलर पकड़ लिया और हमले का प्रयास किया। सूचना पर कूरेभार थानाध्यक्ष शारदेंदु दूबे ने भारी पुलिस बल के साथ जा पहुंचे और स्थिति को कंट्रोल किया। मामला बढ़ता देख अभियुक्त को पुलिस थाने लेकर आई ! उसके समर्थक भी छुड़ाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाने लगे ।लेकिन थानाध्यक्ष ने किसी भी सूरत में अभियुक्त को नहीं छोड़ा ! और दोनों पक्षों के बीच हो रहे मामले को थामते हुए आरोपी युवक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की प्रक्रिया चालू कर दी है। फिलहाल थानाध्यक्ष के प्रयास से मौके पर शांति है।

## राहुल गांधी की बैठक में शामिल होने पर पुलिस ने गेट पर रोका भड़के कांग्रेस कार्यकर्ता

**तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता रायबरेली**

रायबरेली। सांसद राहुल गांधी अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली पहुंचे यहां उन्होंने दिशा की बैठक में हिस्सा लिया। इस दौरान पुलिस ने कांग्रेसियों को गेट पर रोक लिया। इस पर कांग्रेस कार्यकर्ता भड़क गए। सांसद राहुल गांधी मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र पहुंचे। यहां उन्होंने दिशा की बैठक में हिस्सा लिया। राहुल गांधी के दौरे को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। कलेक्ट्रेट और फिरोज गांधी डिग्री कॉलेज चौराहा के पास भारी संख्या में पुलिस तैनात रहा। राहुल गांधी ने कलेक्ट्रेट परिसर में पुलिस से गार्ड ऑफ ऑनर लिया। इसके बाद कई योजनाओं का लोकार्पण किया। इस दौरान कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट के गेट तक जाने का प्रयास किया तो उन्हें रोक दिया गया। सीओ सलोन और पुलिस ने किसी को भी कलेक्ट्रेट गेट तक जाने की अनुमति नहीं दी।

## दबंगो ने गल्ला व्यवसायी पर किया जानलेवा हमला

थाने पर शिकायत करने पर पुलिस ने पीड़ित के साथ अभद्रता कर थाने से भगाया

**अमेठी।** जनपद के कोतवाली जायस क्षेत्र अंतर्गत रविवार देर रात निमंत्रण से वापस आ रहे गला व्यवसायी पर पहले से घात लगाए बैठे दबंगों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया।दबंगो के हमले में घायल गला व्यवसायी किसी तरह स्थानीय थाने पहुंचा लेकिन उसकी सुनवाई नहीं हुई और कई घंटे थाने में बैठने के बाद पुलिस ने उसे थाने से भगा दिया है।देर रात पीड़ित एसपी आफिस पहुँचा जहां से उसे फिर थाने भेज दिया गया।पीड़ित ने दबंगो पर एक लाख लूटने का भी आरोप लगाया है।पूरा मामला जायस कोतवाली क्षेत्र के मुखेतिया गांव का है जहां इसी थाना क्षेत्र के खरौली गांव के रहने वाले मनीष सिंह पुत्र शत्रोहन सिंह गल्ला का व्यवसाय करते है।पीड़ित का आरोप है की देर रात मनीष मुखेतिया गांव में आयोजित एक जन्मदिन के प्रोग्राम में शामिल होकर अपने घर के लिए निकले तभी गांव के मोड़ के पास पहले से घात लगाए बैठे अजय सिंह समेत चार अज्ञात दबंगो ने उन्हें रोक लिया और कनपटी पर असलहा सटाते हुए पैसे की मांग की।जब मनीष ने पैसा देने से मना किया तो दबंगो ने असलहे की बट से हमला कर दिया और बैग में रखा एक लाख रुपए लेकर फरार हो गए।खून से लतपथ घायल पीड़ित थाने पहुँचा लेकिन पुलिस ने उसका इलाज कराने के बजाय कई घंटों तक थाने में बैठाने के बाद भगा दिया।पीड़ित देर रात करीब दो बजे एसपी आफिस पहुँचा जहाँ से उसे फिर थाने भेज दिया गया।वही पीड़ित मनीष सिंह ने कहा कि वो जैसे ही निमंत्रण से वापस जा रहे थे तभी विपक्षी अजय सिंह समेत चार अज्ञात लोगों ने उस पर हमला कर दिया और बैग में रखा एक लाख रुपए छीनकर फरार हो गए।जाते जाते दबंगो ने फायरिंग भी की और जान से मारने की धमकी दी।वही पूरे मामले पर जायस थाना प्रभारी रवि सिंह ने बताया की पीड़ित देर रात ये एक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे और नशे में भी थे जहाँ किसी बात को लेकर विवाद हो गया और वही गिर गए जिससे चोट लगी है रुपये लूटने की बात गलत है।मामले में अन्य तथ्यों की जांच की जा रही है।

## गाजियाबाद में वकीलों पर लाठीचार्ज के विरोध में अमेठी में सेंट्रल बार ने किया विरोध प्रदर्शन

**अमेठी।** गाजियाबाद में वकीलों पर लाठीचार्ज के विरोध हेतु उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के आह्वान पर अधिवक्ताओं के प्रदेश व्यापी विरोध प्रदर्शन के क्रम में सोमवार को जिला मुख्यालय गौरीगंज के कलेक्ट्रेट परिसर में सेंट्रल बार एशोसिएशन ने विरोध प्रदर्शन करते हुए ज्ञापन सौंपा।जिला एवं सत्र न्यायालय गाजियाबाद में एक न्यायाधीश द्वारा मनमानीपूर्ण तरीके से कोर्ट परिसर में वकीलों पर लाठीचार्ज का आदेश दिया गया और पुलिस ने जमकर लाठियां भांजी। पुलिस की निर्मम पिटाई से कई अधिवक्ता घायल हुए हैं। इतना ही नहीं अधिवक्ताओं पर आपराधिक मुकदमा भी दर्ज कराया गया है। इस घटना के विरोध हेतु उत्तर प्रदेश बार काउंसिल की बैठक में सोमवार को पूरे प्रदेश में विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के आह्वान पर अधिवक्ताओं के प्रदेश व्यापी विरोध प्रदर्शन के क्रम में सोमवार को जिला मुख्यालय के कलेक्ट्रेट परिसर में सेंट्रल बार एशोसिएशन ने विरोध प्रदर्शन करते हुए ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर अध्यक्ष श्रीराम सरोज, महासचिव मोहम्मद इस्लाम, पूर्व अध्यक्ष अमर बहादुर सिंह, पूर्व महासचिव जितेन्द्र श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष सुशील तिवारी, प्रवक्ता शीतला मिश्रा, संजय सिंह, मनोज वर्मा, त्रिपुरारी सिंह, प्रवीण मिश्रा, गिरीश यादव,राकेश सिंह चौहान, शिवभान सिंह, अरविन्द सिंह आदि मौजूद रहे।

## विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह ने सिद्ध गुरु चैतन्य शक्तिपीठ माँ काली कामेश्वरी धाम मंदिर में की पूजा,आरती

**तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो**

धनबाद। झरिया विधायक सह महागठबंधन समर्थित कांग्रेस प्रत्याशी पूर्णिमा नीरज सिंह ने मंगलवार को गोल्डन पहाड़ी स्थित सिद्ध गुरु चैतन्य शक्तिपीठ माँ काली कामेश्वरी धाम मंदिर में पूजा व आरती कर झरियावासियों के सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की। मौके पर मनीष सिंह, अनवर खान, अनुज सिंह, मुन्ना सिंह, दीपक साव, शाहरुख खान, बदरा बाई, विजय, केवड़ा बाई, रानी देवी, कल्याणी देवी, झूमा देवी, नीरज यादव, युवराज पासवान, कन्हैया, इब्राहिम, बबलू सिंह, लाला और देवी साव समेत दर्जनों श्रद्धालु व समर्थक मौजूद थे । मुकुंदा गोल्डन पहाड़ी अवस्थित श्री श्री शिव मंदिर में दर्शन व पूजन कर माननीय विधायक ने झरियावासियों के सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की।

## डीएम ने फ्लाईओवर के सर्विसलेन का किया निरीक्षण

➲ जल्द से जल्द कार्य पूरा करने के लिए डीएम ने दिए निर्देश
➲ अधिवक्ता ने जर्जर सर्विसलेन के बारे में की थी शिकायत

**अमेठी।** अमेठी कस्बे के ककवा रोड पर कुछ महीने पहले बनकर तैयार हुए रेलवे ओवरब्रिज की बदहाल सर्विसलेन का सोमवार को निरीक्षण करने डीएम निशा अनन्त मौके पर पहुँची।डीएम ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को फटकार लगाते हुए जर्जर सर्विसलेन को जल्द से जल्द बनाने का आदेश दिया। गौरतलब रहे की अमेठी कस्बे के ककवा रोड पर अभी कुछ महीने पहले रेलवे ओवरब्रिज बनकर तैयार हुआ था।रेलवे ओवरब्रिज तो तैयार हो गया लेकिन उसके सर्विसलेन को कार्यदाई संस्था सेतु निगम ने नही बनवाया।सर्विसलेन न बनने से स्थानीय व्यवसायियों के अलावा आने जाने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।स्थानीय लोगों के अलावा ग्रामीणों ने भी इसकी शिकायत अमेठी प्रसाशन से की लेकिन कही से कोई राहत नही मिली।सोमवार को अधिवक्ता राजेश मिश्रा ने तहसील दिवस में डीएम को शिकायती पत्र देते हुए सर्विसलेन बनवाने की मांग की।अधिवक्ता के पत्र का संज्ञान लेते हुए डीएम निशा अनन्त मौके पर पहुँची और पूरे सर्विसलेन का निरीक्षण किया।इस दौरान पीडब्ल्यूडी के एक्सईएन पीडब्ल्यूडी शैलेन्द्र कुमार,एक्सईएन विद्युत रोहित सिंह समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।डीएम ने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए जल्द से जल्द सर्विसलेन को बनाने का निर्देश दिया।

# कांग्रेस प्रत्याशी 2014 लोकसभा चुनाव हारने के बाद 10 सालों तक नहीं दिखे : राज सिन्हा

पूर्व ग्राम प्रधान ने तहसील दिवस में डीएम को शिकायती पत्र देकर किया कार्यवाही की मांग

**तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो**

धनबाद। विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी अजय दुबे का यह कहना कि दस वर्षों में धनबाद में विकास स्थिर है। इस बयान पर पलटवार करते हुए भाजपा प्रत्याशी राज सिन्हा ने कहा कि कांग्रेस प्रत्याशी अजय दुबे 2014 में लोकसभा का चुनाव लड़े और हारने के बाद दस साल गायब रहे और फिर 2024 के चुनाव में आएं हैं। फिर से क्रिति आजाद की तरह हारेंगे और चले जायेंगे। यह बातें राज सिन्हा ने भाजपा की संचालन समिति की बैठक के उपरांत मिडिया से बातचीत में कही। उन्होंने कहा जनसंपर्क के दौरान जनता का आपार समर्थन मिल रहा है।इस बार जीत के बाद धनबाद को अपराध मुक्त बनाना, मैथन जलापूर्ति योजना फेज -2 का काम को पूरा कराना, 2019 में शुरू हुई विद्युत योजना, सड़क की योजना ऐसे जितने भी कार्य पांच सालों में हेमंत सरकार में ठप पड़ गए हैं उन्हें फिर से धरातल पर लाना प्राथमिकता में हैं। संचालन समिति की बैठक में मुख्य रूप से राज सिन्हा के अलावे पूर्व सांसद पीएन सिंह,विधानसभा प्रभारी सुनील पासवान, अरुण राय, मानस प्रसून, जिला अध्यक्ष श्रवण राय , महेंद्र शर्मा एवं धनबाद विधानसभा संचालन समिति के तमाम सदस्य मौजूद हुए।बूथ स्तर पर संगठन को मजबूती प्रदान करने एवं चुनाव में जीत सुनिश्चित को लेकर बैठक में चर्चा की गई। धनबाद के होटल कुबेर में भाजपा-एनडीए की एक बैठक की गई। जिसमें धनबाद से भाजपा प्रत्याशी राज सिन्हा की जीत सुनिश्चित करने को लेकर रायसुमारी कर रणनीति तैयार की गई। कार्यक्रम में धनबाद से भाजपा प्रत्यासी राज सिन्हा समेत एनडीए के तमाम घटक दलों के जिला अध्यक्ष, नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे। इस दौरान सभी घटक दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं से प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करने को लेकर उनसे उनकी राय ली गई। मंगलवार को भाजपा प्रत्याशी राज सिन्हा ने जैन समाज के प्रबुद्ध जनों से मुलाकात की और साथ सुबह का नास्ता किया।

## इंडिया गठबंधन कांग्रेस का प्रधान कार्यालय का उद्घाटन बृजेंद्र प्रसाद सिंह मुख्य रूप से अजय कुमार दुबे मौजूद

**तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो**

धनबाद। धनबाद विधानसभा इंडिया गठबंधन कांग्रेस का प्रधान कार्यालय का उद्घाटन हाउसिंग कॉलोनी स्थित जनता मार्केट के बगल में धनबाद विधानसभा इंडिया गठबंधन कांग्रेस का प्रधान कार्यालय का उद्घाटन झारखंड प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति के अध्यक्ष ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह के कर-कमलो के द्वारा संपन्न हुआ। उक्त उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य रूप से धनबाद विधानसभा इंडिया गठबंधन कांग्रेस प्रत्याशी अजय कुमार दुबे मुख्य रूप से मौजूद थे।धनबाद विधानसभा का प्रधान कार्यालय के उद्घाटन में सैकड़ो कांग्रेसजन एवं धनबाद के प्रबुद्ध लोग मौजूद थे।लोगों में इंडिया गठबंधन के प्रति काफी उत्साह दिखा और लोग उद्घाटन कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य रूप से धनबाद जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष रशीद राजा अंसारी, मदन महतो, मनोज यादव, योगेंद्र सिंह योगी, राजेश्वर सिंह यादव, महेंद्र दुबे,इरफान खान चौधरी, कुमार गौरव, पप्पू कुमार तिवारी, गोपाल कृष्ण चौधरी, कार्तिक घोष, अरविंद सैनी, उत्तम मिश्रा, पप्पू सिंह, विनोद पांडे, शिव प्रधान यादव सहित लोग मौजूद थे।

## छठ पूजा घाटों का रागिनी सिंह ने किया निरीक्षण ,दिया सफाई का निर्देश

**तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो**

धनबाद। झरिया, लोक आस्था का महापर्व छठ मंगलवार को नहाय-खाय के साथ कोयलांचल में भी शुरू हो गया। मंगलवार को भाजपा झरिया प्रत्याशी रागिनी सिंह ने झरिया के विभिन्न छठ पूजा घाटों का निरक्षण किया। छठ व्रतियों को किसी प्रकार की कठिनाई ना हो इसको लेकर कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। साथ ही छठ पूजा घाटों की साफ सफाई व्यवस्था की भी जानकारी ली। कई छठ पूजा घाट नगर निगम और बीसीसीएल प्रबंधन के अधीन आते है जिनकी सफाई अभी तक पूरी नहीं हुई वैसे छठ पूजा घाटों की समुचित सफाई व्यवस्था जल्द से जल्द पूर्ण करने की बात निगम और बीसीसीएल प्रबंधन के अधिकारियों से कही। भाजपा प्रत्याशी रागिनी सिंह ने समस्त कोयलांचल वासियों को लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि चार दिनों तक चलने वाले लोक आस्था एवं सूर्योपासना के महापर्व छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं। भगवान भास्कर और छठी मईया की कृपा समस्त कोयलांचल वासियों पर बनी रहे।

## सुलतानपुर में आम आदमी पार्टी का सदस्यता अभियान जारी

सुलतानपुर। राज्यसभा सांसद उत्तर प्रदेश के प्रभारी संजय सिंह के दिशा निर्देश पर उत्तर प्रदेश में आम आदमी पार्टी का सदस्यता अभियान जारी है, उसी क्रम में सुलतानपुर के जिलाध्यक्ष बृजेश प्रजापति के दिशा निर्देश पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष जय प्रकाश यादव, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सोभनाथ यादव, वरिष्ठ नेता पवन कुमार दूबे, जयसिंहपुर विधानसभा क्षेत्र में घर-घर जाकर सदस्यता अभियान चलाया और सैकडों लोगों को आम आदमी पार्टी की सदस्यता दिलाई गई ! जिला महासचिव राम विलास तिवारी ने बताया कि सुलतानपुर में 50 हजार सदस्य बनाने का लक्ष्य है ! जिसके लिए आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता घर-घर जाकर सदस्यता अभियान चलाएंगे!

## राजा तालाब की साफ़-सफ़ाई की अगुवाई कर झरिया विधायक ने श्रमदान किया, विधायक ने तालाबों की गंदगी पर चिंता जतायी

**तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो**

धनबाद। मंगलवार को लोक-आस्था के महापर्व छठ के पहले दिन - नहाय खाय के दिन माननीय झरिया विधायक सह महागठबंधन समर्थित कांग्रेस प्रत्याशी श्रीमती पूर्णिमा नीरज सिंह ने अपने कार्यकर्ताओं, समर्थकों, स्थानीय लोगों और नगर-निगम के कर्मचारियों के साथ झरिया के ऐतिहासिक राजा तालाब की साफ़-सफ़ाई की अगुवाई कर श्रमदान किया। माननीय विधायक ने तालाब की गंदगी पर चिंता जतायी और अपील की कि पानी में शराब की बोतलें, काँच, प्लास्टिक और पीओपी की बनी मूर्तियाँ फेंककर छठव्रतियों के लिए तालाब को असुरक्षित न बनायें। बता दें कि बरसों तक तालाब के नज़रअंदाजी, अव्यवस्था और कुप्रबंधन से माननीय विधायक जी के प्रयासों से निजात मिला। राजा तालाब के सौन्दर्यीकरण और साफ़-सफ़ाई के लिए दो करोड़ का बजट आवंटन करवाकर कार्य पूरा किया गया। मौके पर झरिया कांग्रेस नगर अध्यक्ष रत्नेश यादव ,राज आनंद सिंह, रामजी सिंह, राजा गुप्ता, महेश शर्मा, राम कृष्ण पाठक, अक्षय यादव, अभिषेक सिंह, महेश शर्मा, प्रीतम रवानी, झुन्नू गुप्ता, राजेश सिंह, राजीव पांडे, कुंदन मोदक, कृष्णा पटेल, सिंकू सिंह, दीपक यादव, पहलवान सिंह, दीपक शर्मा, बजरंगी सिंह, मंटू प्रसाद, गणेश राजक, प्रीति वर्मा, संजय यादव, अमर प्रसाद, राजेश सिंह, बिनोद साव समेत दर्जनों लोग मौजूद थे। श्रीमती पूर्णिमा नीरज सिंह जी 4 नंबर टैक्सी स्टैंड स्थित काली मंदिर छठ घाट का निरक्षण कर साफ़-सफ़ाई का जायज़ा लिया। माननीय विधायक ने कहा छठ हमारी लोक आस्था का महान पर्व है। हम इसे आज नहाय-खाय के दिन से सादगी और शुचिता से अपना दिनचर्या शुरू करते हैं। मेरी यही कोशिश है कि छठव्रतियों को छठ घाटों पर किसी तरह की कोई समस्या न हो।

## तब्बू

## एयरहोस्टेस बनना चाहती थीं तब्बू



- तब्बू ने एक इंटरव्यू में इस बात का जिक्र किया था कि वे एयरहोस्टेस बनना चाहती थीं।
- उन्हें शुरुआत से ही घूमने-फिरने का शौक है, इसलिए उन्होंने यह फैसला किया था। इस साल रिलीज फिल्म क्रू में उन्होंने एयरहोस्टेस का रोल निभाया था।

'मैं और अजय 25 साल से एक-दूसरे को जानते हैं। वे मेरे कजन समीर आर्य के पड़ोसी और क्लोज फ्रेंड हुआ करते थे। जब मैं छोटी थी तो समीर और अजय मुझ पर कड़ी नजर रखते थे। जिस भी लड़के को मुझसे बात करते देखते, उसे पीट दिया करते थे। दोनों बहुत बड़े गुंडे थे। अगर आज मैं सिंगल हूं तो वो सिर्फ अजय देवगन की वजह से ही हूं।' तब्बू ने यह बात मुंबई मिरर को दिए इंटरव्यू में मजाक में कही थी। तब्बू का अफेयर फिल्मी जगत के 3 लोगों से रहा है। सबसे पहले उनका नाम संजय कपूर से जुड़ा। फिर वे डायरेक्टर-प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला के साथ रिश्ते में रहीं। दोनों ने सगाई भी कर ली। हालांकि, दोनों का रिश्ता टूट गया। फिर उन्होंने शादीशुदा नागार्जुन को डेट किया, लेकिन उनके साथ भी तब्बू का रिश्ता मुकम्मल नहीं हो पाया। कभी एक्ट्रेस न बनने की इच्छा रखने वाली तब्बू 39 साल से फिल्मी दुनिया में टॉप पोजिशन पर हैं, लेकिन पर्सनल लाइफ में उतनी ही अकेली भी। बचपन से ही वह सिर्फ मां और बहन के क्लोज रहीं। पिता का आज तक चेहरा नहीं देखा। यहां तक कि उन्हें पिता का सरनेम लगाना भी नागवारा है। अजय और तब्बू ने कुल 10 फिल्मों में साथ काम किया है। किस्सा-1- पिता का नाम लगाना पसंद नहीं तब्बू एक हैदराबादी मुस्लिम परिवार से ताल्लुक रखती हैं। बचपन में उन्हें पिता का प्यार नसीब नहीं हुआ। दरअसल, जब वो तीन साल की थीं, तभी पेरेंट्स का तलाक हो गया। इसके बाद तब्बू और उनकी बहन की पूरी जिम्मेदारी मां ने ही निभाई। पति से अलग होने के बाद तब्बू की मां बतौर टीचर काम करती थीं। सिम्मी गरेवाल को दिए इंटरव्यू में तब्बू ने कहा था, 'मेरे मन में पिता की बस धुंधली सी छवि है। पिता क्या होते हैं, उनका प्यार क्या होता है, मैं इन चीजों से अनजान हूं। मेरा उनके साथ कोई रिश्ता नहीं है। इसी कारण मैं अपने नाम में पिता का नाम हाशमी लगाना भी पसंद नहीं करती हूं।' किस्सा-2- फिल्मों में नहीं आना चाहती थीं तब्बू कभी एक्ट्रेस नहीं बनना चाहती थीं। भले ही फिल्मी दुनिया के लोगों से उनके परिवार का परिचय था। दिग्गज एक्ट्रेस शबाना आजमी उनकी बुआ हैं। इस बारे में सिमी गरेवाल के इंटरव्यू में तब्बू ने कहा था, 'मुझे एक्टिंग की दुनिया लुभाती नहीं थी। मेरा फोकस पढ़ाई पर ज्यादा रहता था। यहां तक कि मुझे फिल्में देखना भी पसंद नहीं था, लेकिन किस्मत ऐसी बदली कि फिल्मों से ही रिश्ता जुड़ गया। मैंने कई बार खुद को फिल्मों से दूर करने की कोशिश की, लेकिन नहीं कर पाई।' किस्सा-3- देव आनंद ने खोला फिल्मों में रास्ता तब्बू ने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट फिल्मी दुनिया में कदम रखा था। उन्हें सबसे पहला ब्रेक देव आनंद ने अपनी फिल्म में दिया था। फिल्मी ब्रेक के बारे में अनुपम खेर के शो में तब्बू ने कहा था, 'बचपन में मैं एक बर्थडे पार्टी में गई थी जहां मेरी मां की दोस्त सुषमा आंटी भी मौजूद थीं। सुषमा आंटी देव आनंद साहब की साली थीं। उन्होंने मुझे उस बर्थडे पार्टी में देखा। वो जानती थीं कि देव साहब एक चाइल्ड आर्टिस्ट की तलाश में थे जो कि फिल्म में उनकी बेटी का रोल प्ले कर सके। इसके कुछ दिन बाद शबाना आंटी (शबाना आजमी) मेरे स्कूल आईं और मुझसे कहा कि देव साहब के साथ एक फिल्म का ऑफर है जिसमें तुम्हें काम करना चाहिए। मैं उस समय फिल्मों के बारे में बिल्कुल भी नहीं जानती थी। जब शबाना आंटी ने मुझसे ये बात कही तो मैं काफी नर्वस हो गई। मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा था, लेकिन मैं इसके लिए शबाना आंटी के कहने पर तैयार हो गई। इसके बाद फिल्म के लिए मेरा स्क्रीन टेस्ट लिया गया और इस तरह मुझे हम नौजवान (1985) में देव साहब की बेटी का रोल मिला।' किस्सा-4- 3 लोगों के साथ रहा अफेयर, साजिद नाडियाडवाला से हुई थी सगाई तब्बू की पर्सनल लाइफ हमेशा से चर्चा में रही है। जब उन्होंने करियर की पहली हिंदी फिल्म 'प्रेम' की शूटिंग शुरू की थी, तब संजय कपूर के साथ उनके लिंकअप की खबरें सामने आई थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों सीरियस रिलेशनशिप में थे। हालांकि बाद में दोनों ने अलग-अलग रास्ता चुन लिया। टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में संजय ने इस बात को कबूल किया था कि वे तब्बू के साथ रिश्ते में थे। इसके बाद तब्बू की जिंदगी में अगले शख्स थे- डायरेक्टर-प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला। फिल्म 'जीत' में साथ काम करने के दौरान तब्बू और साजिद रिलेशनशिप में आ गए थे। दोनों ने सगाई भी कर ली थी। हालांकि साजिद के मन में थोड़ी सी झिझक थी। वे अपनी पत्नी दिवंगत दिव्या भारती को आसानी से भुला नहीं पा रहे थे। इसका ही असर रहा कि उनका और तब्बू का रिश्ता नया मोड़ लेने से पहले ही खत्म हो गया। तब्बू से सगाई और रिलेशनशिप की बात को साजिद ने लहरें रेट्रो को दिए एक इंटरव्यू में कंफर्म किया था। इसके बाद जिस नए शख्स की एंट्री तब्बू की जिंदगी में हुई, वे थे साउथ सुपरस्टार अक्किनेनी नागार्जुन। न्यूज 18 की रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों 10 साल रिलेशनशिप में थे। एक छत के नीचे साथ रहते भी थे। तब्बू एक्टर के साथ शादी करके सेटल होना चाहती थीं। हालांकि नागार्जुन पत्नी अमला को तलाक नहीं देना चाहते थे। हालांकि तब्बू ने हमेशा पब्लिक डोमेन में नागार्जुन के साथ अपने अफेयर से इनकार किया है। एक बार कॉफी विथ करण शो में तब्बू बतौर गेस्ट पहुंची थीं। यहां पर करण ने उनके और नागार्जुन के अफेयर पर सवाल किया। यह भी पूछा कि क्या वो नागार्जुन की वजह से हैदराबाद रहने गई थीं। इस पर तब्बू ने कहा था- ऐसा नहीं है। मेरा भी वहां घर है, मैं खुद हैदराबाद से हूं। हां, वो (नागार्जुन) मेरे सबसे करीबी लोगों में से एक हैं। उनके साथ मेरा रिश्ता बहुत स्पेशल है। नागार्जुन ने भी टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में तब्बू के साथ अपनी बॉन्डिंग पर बात की थी। उन्होंने कहा था- हां, तब्बू मेरी बहुत अच्छी दोस्त हैं। हमारी दोस्ती बहुत पुरानी है, जब मैं 21 या 22 साल का था और वह सिर्फ 16 साल की थीं। हमारी दोस्ती के बारे में, जो भी कहा जाए वह कम है। मेरे पास उसके बारे में छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। जब आप उनका नाम लेते हैं तो मेरा चेहरा चमक उठता है... (हंसते हुए)। मेरे लिए, वह एक खूबसूरत इंसान और एक खूबसूरत दोस्त हैं। नागार्जुन की पत्नी अमला खुद इस बात का जिक्र कर चुकी हैं कि वो और उनका पूरा परिवार तब्बू के साथ स्पेशल बॉन्ड शेयर करता है। तब्बू जब भी हैदराबाद आती हैं, तो उनके घर ही रुकती हैं। किस्सा-5- किस की वजह से जैकी और तब्बू ने साथ काम नहीं किया जैकी श्रॉफ और तब्बू को किसी भी फिल्म में साथ नहीं देखा गया है। दोनों के इस फैसले का तार एक हाउस पार्टी से जुड़ा है। यह बात 1986 की है। जब जैकी, तब्बू की बड़ी बहन फराह नाज के साथ फिल्म दिलजला में काम कर रहे थे। फिल्म में तनुजा और डैनी डेन्जोंगपा भी थे। उड़ीसा पोस्ट, टाइम्स ऑफ इंडिया और मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म की क्रू मॉरीशस में शूटिंग कर रही थी। उस समय बहन के साथ तब्बू भी वहीं मौजूद थीं। शूटिंग के बीच में डैनी ने एक रोज हाउस पार्टी की मेजबानी की। फिल्म की पूरी स्टार कास्ट को इसमें इनवाइट किया गया था। बहन के साथ तब्बू भी इस पार्टी का हिस्सा बनी थीं। तभी अचानक नशे में धुत जैकी ने तब्बू को किस करने की कोशिश की। मामला अधिक न बढ़ जाए, डैनी जैकी को खींचकर कमरे में चले गए। भले ही डैनी ने उस रात स्थिति को संभाल लिया था, लेकिन अगली सुबह ही तब्बू की बहन फराह नाज ने हंगामा खड़ा कर दिया। वह मीडिया के पास गईं और बीती रात का सारा किस्सा सबको बता दिया। उन्होंने कहा कि जैकी ने तब्बू के साथ बदतमीजी करने की कोशिश की थी। पूरे विवाद के दौरान तब्बू चुप रहीं। मामला बढ़ जाने के कुछ समय बाद फराह ने मीडिया में जवाब दिया कि यह सब सिर्फ गलतफहमी थी। हालांकि, उसके बाद तब्बू ने कभी भी जैकी के साथ काम नहीं किया। किस्सा-6- काले हिरण मामले में सलमान के साथ तब्बू का नाम भी सामने आया था, बाद में बरी हुईं यह बात है सितंबर 1998 की। फिल्म %हम साथ साथ हैं% की शूटिंग के लिए सलमान खान, सैफ अली खान, तब्बू, नीलम कोठारी और सोनाली बेंद्रे जैसे सेलेब्स राजस्थान के कांकाणी गांव गए थे। वहां पर सभी पर 2 चिंकारा और 3 काले हिरणों का शिकार करने का आरोप लगा। 2 अक्टूबर, 1998 को बिश्नोई समुदाय ने सलमान खान और उनके को-एक्टर्स के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद 12 अक्टूबर, 1998 को सलमान खान को गिरफ्तार किया गया और उन्हें जमानत पर रिहा किया गया। वहीं, इस मामले में गांव वालों ने गवाही भी दी। गांव वालों का कहना था कि वो बंदूक की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे थे। शिकार सलमान ने किया था। जबकि सैफ, तब्बू, नीलम और सोनाली जीप में थे। इन लोगों ने ही सलमान को उकसाया था। गांव वालों के डर से सभी सेलेब्स भाग गए थे। हालांकि, कुछ समय के बाद सैफ, तब्बू, नीलम और सोनाली को इस केस में बरी कर दिया गया था। इन लोगों के खिलाफ कोई सबूत नहीं था। वहीं सलमान जमानत पर रिहा हैं। %अच्छा पैसा मिलता रहे, फिल्में करती रहूंगी% तब्बू पिछले 39 साल से फिल्म इंडस्ट्री में एक्टिव हैं। पिछले कुछ सालों में उनकी फिल्मों जैसे भूल भुलैया 2, दृश्यम 2, भोला और औरों में कहां दम था को दर्शकों ने बहुत पसंद किया है। इतने अच्छे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनने पर तब्बू ने सिद्धार्थ कानन को दिए इंटरव्यू में कहा था- मैं अब रुकूंगी नहीं। ऐसी ही अच्छी फिल्में करती रहूंगी। बस, पैसा अच्छा मिलता रहे। अच्छा पैसा मिलता रहेगा तो फिल्में करती रहूंगी। शाहरुख खानश्च59ऱ्आर्यन के जन्म पर गौरी की मौत का डर था, सुहाना को गाली देने वाले को पीटने पहुंचे शाहरुख अपने परिवार पर जान छिड़कते हैं। यही वजह है कि रिपोर्ट्स थीं कि जब आर्यन की ड्रग केस में गिरफ्तारी हुई तो अपने स्टारडम की परवाह किए बिना शाहरुख ने जोनल ऑफिसर के आगे बेटे कि रिहाई के लिए गिड़गिड़ाना शुरू कर दिया। हालांकि, एक समय ऐसा भी रहा, जब शाहरुख खुद को अच्छा बाप नहीं मानते थे।

## तब्बू



- तब्बू ने बतौर हीरोइन 1991 में आई तेलुगु फिल्म 'कुली नंबर 1' से डेब्यू किया था।
- इससे पहले 1990 में बोनी कपूर ने उन्हें फिल्म 'प्रेम' में संजय कपूर के अपोजिट कास्ट किया था।
- ये फिल्म पांच साल तक अटकी रही थी और 1995 में रिलीज हुई।
- प्रेम के रिलीज न होने पर उन्होंने फिल्म 'पहला पहला प्यार' (1994) से हिंदी फिल्मों में डेब्यू किया।
- इसी साल उनकी अजय देवगन के साथ फिल्म 'विजयपथ' रिलीज हुई।
- फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट फीमेल डेब्यू का अवॉर्ड दिया गया।
- इसके बाद 1995 में तब्बू 'हकीकत', 'साजन की बाहों में' जैसी फिल्मों में दिखीं।



## तब्बू

तब्बू राइटर गुलजार साहब के बहुत करीब हैं। तब्बू ने इच्छा जताई थी कि उनकी शादी जब भी हो, तब उनका कन्यादान गुलजार साहब करें।

## तब्बू

## देव आनंद ने स्क्रीन नेम तब्बू रखा



**हर एक्ट्रेस का एक स्क्रीन नेम होता है**



- देव आनंद चाहते थे कि तब्बू का भी नाम स्क्रीन पर हटकर दिखे।
- घर पर हर कोई तबस्सुम फातिमा हाशमी को तब्बू कहकर पुकारता था।
- यह नाम देव साहब को भी बहुत पसंद आया।
- इसके बाद से उन्होंने तबस्सुम फातिमा हाशमी का स्क्रीन नेम तब्बू रख दिया।
- तब्बू भी देव साहब के इस फैसले पर राजी हो गई थीं।

हिन्दी दैनिक
तीसरा विकल्प न्यूज़
लखनऊ से प्रकाशित



# पहले जोस बटलर ने राजस्थान रॉयल्स को कहा अलविदा

**जोस बटलर ने रविवार को सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट लिखा। बटलर ने आईपीएल में सालों से राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते आ रहे हैं। शायद अब ऐसा लग रहा है कि ऑक्शन में भी हो सकता है टीम उनपर दांव न लगाए। इसी कारण उन्होंने इस फ्रेंचाइजी के लिए फेयरवेल पोस्ट लिया।**

राजस्थान रॉयल्स ने सलामी बल्लेबाज जोस बटलर को रिटेन नहीं किया है। जिसके बाद बटलर ने रविवार को सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट लिखा। बटलर ने आईपीएल में सालों से राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते आ रहे हैं। शायद अब ऐसा लग रहा है कि ऑक्शन में भी हो सकता है टीम उनपर दांव न लगाए। इसी कारण उन्होंने इस फ्रेंचाइजी के लिए फेयरवेल पोस्ट लिया। जो बटलर ने अपनी पोस्ट में लिखा कि, ऐसा लग रहा है कि ये एक अंत है। शुक्रिया राजस्थान रॉयल्स और उन सभी लोगों को शुक्रिया जो इन सात बेहतरीन सालों में साथ रहे। 2018 में मेरे क्रिकेट करियर के सबसे शानदार सालों की शुरुआत रही और मुझे पिंक जर्सी में कई यादगार पल मिले। मेरा और मेरे परिवार का खुली बाहों से स्वागत करने के लिए शुक्रिया। मैं बहुत कुछ लिखना चाहता हूं लेकिन यहीं रहने देता हूं। बटलर ने राजस्थान रॉयल्स के लिए 3055 रन बनाए हैं। साल 2022 के सीजन में उनके बल्ले से 863 रन बनाए थे। बटलर राजस्थान रॉयल्स के लिए सात शतक और 18 फिफ्टी जड़ी। बटलर ने कई अहम मौकों पर अपने दम पर टीम को जीत दिलाई और बड़े मैच विनर साबित हुए। रॉयल्स ने 2018 से बटलर को अपने साथ बनाए रखा है। हालांकि, इस बार टीम ने उन्हें रिटेन किया है। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन, युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल, ऑलराउंडर रियान पराग, विकेटकीपर ध्रुव जुरेल, वेस्टइंडीज के शिमरोन हेटमायर और गेंदबाज संदीप शर्मा को रिटेन किया है। अब टीम के पास मेगा ऑक्शन के लिए पर्स वैल्यू में 41 करोड़ रुपये बाकी रह गए हैं।

# टेस्ट में रोहित और धोनी से बेहतर कप्तान थे कोहली

## घर में कभी सीरीज नहीं हारे, ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में दी मात

रोहित शर्मा और महेंद्र सिंह धोनी भारत को ट्रॉफी दिलाने वाले कप्तान हैं। दूसरी ओर विराट कोहली हैं। वे कभी कप्तान के तौर पर ट्रॉफी टूर्नामेंट नहीं जीत सके। हालांकि, जब चर्चा टेस्ट क्रिकेट की होती है तो बतौर लीडर वे धोनी और रोहित दोनों से मीलों आगे नजर आते हैं। आज विराट 36 साल के हो गए हैं। इस मौके पर जानते हैं कि रेड बॉल क्रिकेट में उन्होंने किन ऊंचाईयों को छुआ और क्यों आज भी उनकी कप्तानी के कारनामें मिसाल बने हुए हैं। घर में सभी 11 सीरीज जीतीं धोनी और रोहित दोनों की कप्तानी में भारत को घर में टेस्ट सीरीज में हार झेलनी पड़ी। रोहित की कप्तानी में तो टीम इंडिया को अभी-अभी न्यूजीलैंड से क्लीन स्वीप भी झेलना पड़ा है। कोहली की कप्तानी में ऐसा कभी नहीं हुआ। उन्होंने भारत की जमीन पर 11 टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया की कप्तानी की। भारत ने सभी 11 सीरीज अपने नाम कीं। कोहली ने 2015 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहली बार घरेलू मैदान पर कप्तानी की थी। अश्विन और जडेजा के सपोर्ट और कोहली की अटैकिंग फील्ड स्ट्रैटजी से भारत ने 4 टेस्ट की सीरीज 3-0 से जीती। यहां से कोहली की कप्तानी में टीम ने घर सभी टेस्ट सीरीज जीतीं। 7 साल में महज 2 घरेलू टेस्ट गंवाए कोहली की कप्तानी में विदेशी टीमें भारत में टेस्ट ड्रॉ कराने को भी अचीवमेंट मानती थीं। उनकी कप्तानी में भारत ने 7 साल में महज 2 टेस्ट गंवाए, एक 2017 में ऑस्ट्रेलिया से और दूसरा 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ। कोहली की कप्तानी में भारत में 5 टेस्ट ड्रॉ रहे, जिनमें ज्यादातर बार मौसम ने विदेशी टीमों का साथ दिया। घरेलू मैदान पर कोहली ने क्लीन स्वीप तो दूर, कभी सीरीज हार भी नहीं झेली।

**टेस्ट में विराट कोहली**

| मैच | रन | औसत | 100/50 | बेस्ट |
|---|---|---|---|---|
| 118 | 9040 | 47.83 | 29/31 | 254* |

**कप्तानी में प्रदर्शन**

| मैच | रन | औसत | 100/50 | 200 |
|---|---|---|---|---|
| 68 | 5864 | 54.80 | 20/18 | 7 |

इसके उलट, कोहली ने न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका, वेस्टइंडीज और बांग्लादेश के खिलाफ घर में क्लीन स्वीप किया। न्यूजीलैंड को तो उनकी कप्तानी में टीम इंडिया ने 2 टेस्ट सीरीज हराई थीं। विदेश में 16 टेस्ट जीते फुल टाइम कप्तान बनने के बाद कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में चौथा टेस्ट ड्रॉ करा लिया। भारत ने 2-0 से सीरीज गंवाई। यहां के बाद सीधे 2018 में कोहली की कप्तानी में भारत नेे म्छ। देशों यानी साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में कोई टेस्ट खेला, जहां भारत ने 7 टेस्ट जीते। इस बीच भारत ने एशिया और वेस्टइंडीज में बाकी टेस्ट खेले। कोहली ने अपनी कप्तानी में बांग्लादेश, श्रीलंका और वेस्टइंडीज में 13 टेस्ट खेले और 9 में जीत हासिल की। यहां टीम ने महज 1 मैच गंवाया, जबकि 3 टेस्ट ड्रॉ रहे, तीनों में बारिश ने भारत का काम बिगाड़ा। इनमें 2 क्लीन स्वीप भी शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया को सीरीज हराई, इंग्लैंड में डंका बजाया कोहली ने ैम्छ। देशों में भी टीम इंडिया को 2 टेस्ट सीरीज जिताईं। इतना ही नहीं, इंग्लैंड में एक सीरीज 2-2 से ड्रॉ भी खेली। यहां तक कि मजबूत साउथ अफ्रीका में 2 टेस्ट भी जीते। कोहली ैम्छ। देशों में सबसे ज्यादा 7 टेस्ट जीतने वाले एशियन कैप्टन हैं। कोहली ने 2018 में भारत को पहली बार ऑस्ट्रेलिया में सीरीज जिताई थी। ऑस्ट्रेलिया में ही 5 साल पहले कोहली ने अपना टेस्ट कप्तानी करियर शुरू किया था। 2021 में कोहली की ही तैयार की गई टीम इंडिया ने रहाणे की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया में लगातार दूसरी टेस्ट सीरीज जीती। कोहली निजी कारणों से सीरीज का 1 ही टेस्ट खेल सके थे। 2021 में कोहली इंग्लैंड को भी टेस्ट सीरीज हराने के करीब पहुंच गए थे। 5 टेस्ट की सीरीज के शुरुआती 4 मैचों में भारत 2-1 से आगे था। पांचवां टेस्ट कोरोना महामारी के कारण 2022 में कराया गया, लेकिन तब कोहली कप्तानी छोड़ चुके थे। जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में भारत ने पांचवां टेस्ट गंवाया और सीरीज 2-2 से ड्रॉ हो गई। कोहली की टेस्ट कप्तानी इसलिए भी बहुत बड़ी है, क्योंकि उन्होंने भारत को विदेश में टेस्ट और सीरीज जीतना सिखाया। उनसे पहले टीम इंडिया अगर ैम्छ। में एक टेस्ट भी जीतती थी तो उसे अचीवमेंट माना जाता था। ऑस्ट्रेलिया में पहली बार सीरीज जीतने से पहले भी भारत ने 8 सीरीज गंवाई थीं। न्यूजीलैंड में झेला इकलौता क्लीन स्वीप विराट कोहली की कप्तानी वाली टीम इंडिया का सबसे बुरा हाल भी न्यूजीलैंड ने ही किया था। न्यूजीलैंड ने 2021 में भारत को वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप का फाइनल हराया। उससे पहले 2020 में टीम न्यूजीलैंड के खिलाफउन्हीं के घर में 2-0 से भी हार गई थी। कोहली के कप्तानी करियर में भारत ने इसके अलावा किसी और टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप का सामना नहीं किया। इसके अलावा कोहली की कप्तानी में भारत ने 2 या उससे ज्यादा टेस्ट की सभी सीरीज में कम से कम एक टेस्ट तो जरूर जीता।

# एशियाई हॉकी चौम्पियंस की ट्रॉफी टूर्नामेंट शुरू होने से पहले नालंदा पहुंची भारतीय महिला टीम

**हॉकी इंडिया और बिहार सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित होने वाला यह टूर्नामेंट 11 से 20 नवंबर के बीच नव विकसित राजगीर हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा। गत चौम्पियन भारत के अलावा इस टूर्नामेंट में चीन, थाईलैंड, मलेशिया, दक्षिण कोरिया और जापान की टीमें हिस्सा लेंगी।**

एशियाई हॉकी चौंपियंस टूर्नामेंट (महिला) की ट्रॉफी का सोमवार को यहां के विश्व धरोहर स्थल नालंदा महाविहार में पहुंचने पर धूमधाम से स्वागत किया गया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में खेल प्रेमियों के साथ स्कूली बच्चे भी मौजूद थे। हॉकी इंडिया और बिहार सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित होने वाला यह टूर्नामेंट 11 से 20 नवंबर के बीच नव विकसित राजगीर हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा। गत चौम्पियन भारत के अलावा इस टूर्नामेंट में चीन, थाईलैंड, मलेशिया, दक्षिण कोरिया और जापान की टीमें हिस्सा लेंगी। अधिकारियों ने कहा कि युवाओं, विशेषकर महिलाओं को प्रोत्साहित करने और इस आयोजन को लोकप्रिय बनाने के लिए ट्रॉफी को सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए जिले के विभिन्न स्थानों पर ले जाया जाएगा। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवींद्रन शंकरन ने कहा, ''ट्रॉफी को पहले पंजाब, हरियाणा, ओडिशा और झारखंड ले जाया गया था। उसके बाद, इसे बिहार के लगभग सभी जिलों में ले जाया गया और यह 10 नवंबर को राजगीर पहुंचेगी। यह बिहार के लिए एक प्रतिष्ठित कार्यक्रम है। यह बिहार के लोगों के लिए किसी बड़े उत्सव की तरह है।'' उन्होंने कहा, ''राजगीर स्थित हमारा स्टेडियम अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ के दिशानिर्देशों के मुताबिक पूरी तरह से तैयार है। हम 2026 में यहां हॉकी विश्व कप की भी मेजबानी कर सकते हैं।'' विश्व धरोहर स्थल पर ट्रॉफी को शंकरन के साथ जिलाधिकारी (डीएम) शशांक शुभंकर, पुलिस अधीक्षक (एसपी) भरत सोनी और नालंदा जिले के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने प्राप्त किया। पटना से लगभग 95 किमी दक्षिण पूर्व में स्थित नालंदा महाविहार में तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व से 13वीं शताब्दी ईस्वी तक के मठ और शैक्षिक संस्थान के पुरातात्विक अवशेष शामिल हैं। यूनेस्को के अनुसार नालंदा उपमहाद्वीप का सबसे प्राचीन विश्वविद्यालय है। जिलाधिकारी ने कहा, ''यह बहुत खुशी की बात है कि महिला एशियाई चौंपियंस ट्रॉफी 2024 का आयोजन राजगीर में किया जा रहा है। खिलाड़ियों, पर्यटकों और इस आयोजन के लिए बाहर से आने वाले लोगों को सर्वोत्तम संभव सुविधाएं मुहैया करने के लिए सभी व्यवस्थाएं की गई हैं।'' उन्होने कहा कि चीन, जापान और दक्षिण कोरिया से आने वाले प्रशंसकों और खिलाड़ियों के लिए अनुवादकों को नियुक्त किया गया है ताकि उन्हें स्थानीय लोगों के साथ बातचीत करने में किसी भी कठिनाई का सामना न करना पड़े।'' पुलिस अधीक्षक ने कहा कि टूर्नामेंट को लेकर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गयी है। उन्होंने कहा, ''प्रत्येक टीम के लिए एक अभेद सुरक्षा योजना तैयार की गई है। टीमों को सात नवंबर से यहां पहुंचना है। खिलाड़ियों की सुरक्षा के लिए होटल से लेकर स्टेडियम तक अतिरिक्त बल और एस्कॉर्ट वाहन तैनात किए जाएंगे। इसके अलावा, शहर के सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

# ऑस्ट्रेलिया ए ने भारत ए को सात विकेट से हराया, गेंद विवाद में फंसे ईशान किशन

**ऑस्ट्रेलिया ए ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए यहां भारत ए को चार दिवसीय अनधिकृत टेस्ट मैच में सात विकेट से हराया जिसमें बल्लेबाज ईशान किशन गेंद बदलने के विवाद में फंस गए। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने 225 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए चौथे दिन सुबह अपनी पारी तीन विकेट पर 139 रन से आगे बढ़ाई।**

**मैकॉय (ऑस्ट्रेलिया) ।** ऑस्ट्रेलिया ए ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए यहां भारत ए को चार दिवसीय अनधिकृत टेस्ट मैच में सात विकेट से हराया जिसमें भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन गेंद बदलने के विवाद में फंस गए। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने 225 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए चौथे दिन सुबह अपनी पारी तीन विकेट पर 139 रन से आगे बढ़ाई।कप्तान नाथन मैकस्वीनी (नाबाद 88) और ब्यू वेबस्टर (नाबाद 61) ने चौथे विकेट के लिए 141 रन की अटूट साझेदारी करके अपनी टीम को आसान जीत दिलाई। मैच के चौथे दिन की शुरुआत हालांकि गेंद बदलने को लेकर उठे विवाद से हुई। इस मामले को लेकर भारतीय खिलाड़ियों की अंपायर शॉन क्रेग के साथ तीखी नोकझोंक भी हुई। अंपायर को यह कहते हुए सुना गया कि गेंद पर खरोंच लगी थी जिसके कारण उसे बदला गया, जबकि किशन ने गेंद बदलने के फैसले को 'बेवकूफी भरा' बताया। अंपायर क्रेग को स्टंप माइक्रोफोन में गेंद बदलने के अपने फैसले के बारे में बताते हुए सुना गया। वह कह रहे थे,''गेंद पर स्क्रैच करो, हम उसे बदल रहे हैं। अब और बहस नहीं। चलो खेल शुरू करते हैं।'' इस पर किशन चुप नहीं रहे। उन्होंने जवाब दिया, ''तो हम इस गेंद से खेलने जा रहे हैं...यह बहुत ही मूर्खतापूर्ण फैसला है।'' इस पर क्रेग ने जवाब दिया,''माफ करें, असहमति जताने पर आपकी शिकायत की जाएगी। यह अनुचित व्यवहार है। आपके कारनामों के कारण हमने गेंद बदल दी।'' क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बाद में बयान जारी करके कहा कि गेंद को खराब होने के कारण बदला गया तथा दोनों कप्तानों और टीम प्रबंधन को इसके बारे में चौथे दिन का खेल शुरू होने से पहले सूचित कर दिया गया था।

## टीम इंडिया की हार के बाद एक्शन के मूड में बीसीसीआई, मुश्किल में फंस सकते हैं गौतम गंभीर

भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफटेस्ट सीरीज में 0-3 से शर्मनाक हार झेलनी पड़ी। भारतीय टीम को पहली बार अपने घर पर तीन या उससे ज्यादा मैचों की टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा। 24 साल बाद टीम इंडिया का अपने घर पर टेस्ट सीरीज में सूपड़ा साफहुआ। इससे पहले उसे साउथ अफ्रीका ने साल 2000 में दो मैचों की टेस्ट सीरीज में सूपड़ा साफकर दिया था। आने वाले समय में टीम सेलेक्शन से जुड़े मुद्दों पर उनकी बातों को तवज्जो मिलना मुश्किल दिख रहा है। गंभीर के कमान संभालने के ठीक बाद भारत ने 27 साल में पहली बार श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज गंवाई। फिर न्यूजीलैंड ने रविवार को भारत का 3-0 से सूपड़ा साफकर दिया। वहीं अब टीम इंडिया के टॉप ऑर्डर अच्छी स्पिन गेंदबाजी के सामने बार-बार विफल रहा है। गौतम गंभीर को वह सुविधा दी गई, जो रवि शास्त्री और राहुल द्रविड़ को नहीं थी। बीसीसीआई के रूल बुक के मुताबिक हेड कोच को चयन समिति की बैठक का हिस्सा बनने की अनुमति नहीं होती है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए गंभीर की खातिर इस नियम को ताक पर रखा गया। बीसीसीआई के एक सूत्र ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि, दौरे की गंभीरता को देखते हुए हेड कोच को इसमें शामिल होने की अनुमति दी गई थी।

## बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले ऋद्धिमान साह ने लिया संन्यास

भारतीय क्रिकेट टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ22 नवंबर से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। अब बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले भारतीय क्रिकेट से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल, अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साह रणजी ट्रॉफी के मौजूदा सीजन के बाद क्रिकेट के सभी प्रारुपों से संन्यास ले लेंगे। बंगाल के इस 40 वर्षीय क्रिकेटर ने 2010 में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था तब से अब तक उन्होंने 40 टेस्ट और 9 वनडे मैच खेले हैं। ऋद्धिमान आईपीएल के 18वें सीजन में नहीं खेलेंगे। साहा आईपीएल के पिछले सीजन में गुजरात टाइटंस का हिस्सा थे। साहा ने सोशल मीडिया पर जारी पोस्ट में कहा कि, क्रिकेट में एक शानदार सफर के बाद ये मेरा आखिरी सत्र होगा। मैं आखिरी बार बंगाल का प्रतिनिधित्व करने और संन्यास लेने से पहले केवल रणजी ट्रॉफी में खेलने पर सम्मानित महसूस कर रहा है। उन्होंने रविवार देर रात जारी पोस्ट में कहा कि, आइए इस सत्र को यादगार बनाएं। पिछले साल केंद्रीय अनुबंध सूची से बाहर होने से पहले साहा लंबे समय तक भारत की टेस्ट टीम का हिस्सा रहे। ऋद्धिमान साहा पहली बार साल 2010 में साउथ अफ्रीका के खिलाफटेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल हुए थे। जब तक एमएस धोनी रहे, टेस्ट टीम में उनकी जगह पक्की नहीं हो पाई थी। साल 2014 में धोनी के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद साहा को टेस्ट में नियमित मौके मिले। उन्हें आखिरी बार साल 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में मौका मिला था। उसके बाद से वो टीम से बाहर चल रहे हैं। साहा अब 40 साल के हो चुके हैं और उन्हें इसी महीने खेली जाने वाले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में मौका नहीं मिला।

## घरेलू मैदानों पर भारतीय टीम का शानदार रिकॉर्ड, फिर भी न्यूजीलैंड के सामने एक नहीं चली, शर्मा ने ली हार की जिम्मेदारी

न्यूजीलैंड ने रविवार को तीसरे और अंतिम टेस्ट में भारतीय क्रिकेट टीम को 3-0 से क्लीन स्वीप कर इतिहास रच दिया। बता दें कि यह पहला मौका है जब भारतीय टीम का अपनी ही धरती पर सूपड़ा साफहो गया है। भारतीय टीम का हाल में घरेलू मैदानों पर शानदार रिकार्ड रहा है, लेकिन न्यूजीलैंड ने रविवार को यह दिखा दिया कि भारत अपने घरेलू मैदान पर अजेय नहीं है। मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कप्तान रोहित शर्मा ने टीम की शर्मनाक हार की जिम्मेदारी ली और कहा कि इसे आसानी से पचाया नहीं जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि यह उनके करियर का सबसे बुरा दौर है। उन्होंने कहा कि इस तरह का प्रदर्शन मेरे करियर का सबसे बुरा दौर होगा और मैं इसकी पूरी जिम्मेदारी लेता हूं। रोहित ने कहा, श्श्रृंखला गंवाने की बात पचाना मुश्किल है। श्रृंखला हारना, टेस्ट मैच हारना कभी भी आसान नहीं होता। यह आसानी से पचने वाली बात नहीं है। हमने अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट नहीं खेला। न्यूजीलैंड ने पूरी श्रृंखला में बेहतर प्रदर्शन किया। हमने कई गलतियां कीं।श् उन्होंने आगे कहा, श्पहले दो टेस्ट में हमने पहली पारी में ज्यादा रन नहीं बनाए। इस मैच में हमने 28 रन की बढ़त हासिल की और फिर मिले लक्ष्य को हासिल किया जा सकता था।श् उन्होंने कहा, श्हम एक इकाई के रूप में विफल रहे। जब आप इस तरह के लक्ष्य का पीछा कर रहे होते हैं तो आप चाहते हैं कि बोर्ड पर रन बने। यह मेरे दिमाग में था लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। जब जो चाहते हो ऐसा नहीं होता तो यह अच्छा नहीं लगता।श् भारतीय कप्तान ने बताया कि वह अपने खुद के प्रदर्शन से भी काफी निराश हैं। उन्होंने कहा, श्मैं कुछ खास योजनाओं के साथ मैदान में उतरता हूं और इस श्रृंखला में वे योजनाएं सफल नहीं हो पाई। हमने इन परिस्थितियों में अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट नहीं खेला और इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।श् उन्होंने कहा, श्मैं कप्तान के रूप में और बल्लेबाजी में भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाया। एक इकाई के रूप में हम मिलकर अच्छा प्रदर्शन करने में विफल रहे।श् मैच में अपनी खराब बल्लेबाजी पर विस्तार से बात करते हुए कप्तान ने कहा कि वह अपने खेल की समीक्षा करेंगे।

## एनारॉक का चालू वित्त वर्ष में राजस्व 40 प्रतिशत बढ़कर 800 करोड़ रुपये पर पहुंचने की उम्मीद: पुरी

**नयी दिल्ली ।** रियल एस्टेट सलाहकार एनारॉक ग्रुप का चालू वित्त वर्ष में अपने राजस्व को 40 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी के साथ 800 करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य है। एनारॉक के चेयरमैन अनुज पुरी ने रविवार को यह बात कही।

# अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों के नतीजों, फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर निर्णय से तय होगी बाजार की दिशा

**नयी दिल्ली ।** अमेरिका में पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव, फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर निर्णय, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियों और घरेलू कंपनियों के तिमाही नतीजे इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विशेषज्ञों ने कहा कि यह सप्ताह काफी घटनाक्रमों वाला रहेगा। सप्ताह के दौरान कई वृहद आर्थिक आंकड़े आने हैं, जो बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण होंगे। इसके अलावा वैश्विक रुख से भी बाजार को दिशा मिलेगी। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, ''यह सप्ताह वैश्विक मोर्चे पर घटनापूर्ण होने वाला है। पांच नवंबर को होने वाला अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव पर सभी की निगाह है। इसके अलावा अमेरिकी एफओएमसी (फेडरल ओपन मार्केट कमेटी) की बैठक महत्वपूर्ण होगी। भू-राजनीतिक दबाव और कच्चे तेल की कीमतें भी बाजार को प्रभावित करेंगी।'' मीणा ने कहा कि घरेलू मोर्चे पर दूसरी तिमाही के नतीजों का अंतिम चरण काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है। साथ ही सभी की निगाह विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के रुख पर रहेगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा श्हीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।